रजिस्ट्री बं• बी...(बी)....73



REGISTERED NO. D—(D)—73

HRA की राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 50]

मई बिल्ली, शनिवार, विसम्बर 15, 1979 (अग्रहायण 24, 1901)

No. 50]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 15, 1979 (AGRAHAYANA 24, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संक्या दी जाती है जिससे कि यह असन संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III-खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उच्च स्थायासयों, नियंत्रक और महासेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा जायोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संस्थान और अधीन कार्यासयों द्वारा सारी की गई अधिसवनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 नवस्बर 1979

सं० ए० 32014/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० सेवा का ग्रेड ख) श्री जोगिन्दर सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 23-10-79 से 22-12-79 तक 2 मास की श्रवधि के लिए श्रथवा प्रायामी प्रावेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में श्रस्थायी पौर तदर्थ श्राधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० 1—संघ कोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) श्री शाम प्रकाश को राष्ट्रपति द्वारा 23-10-79 से 22-12-79 तक भयवा भागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः भनंतिम, अस्थायी और तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक 1—366 GI/79

सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापक रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री शाम प्रकाश को नोट कर लेना चाहिए कि वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी ग्रीर तदर्थ ग्राधार पर हैं ग्रीर इससे उन्हें के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख्रेमें विलियन श्रथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> एस० बाल**चन्द्रम** ग्र**वर सचिव** संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 प्रक्तूबर 1979

सं० ए० 11016/1/76-प्रणा० III—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट ग्रवधि के लिए ग्रयवा ग्रागामी भावेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में ग्रनुभाग ग्रधिकारी के पह पर

(10363)

तदर्थ भ्राधार	पर स्थानापन्न रूप	से कार्य कर	ने के लिए वि	नयु∗न	किया
जाता है:-					
ऋम सं०	नाम	म्रनुभाग	ग्रधिकारी	के प	द पर
		पदोन्नति की श्रवधि			

	पदोन्नति की श्रवधि
सर्वश्री	
1. जी०पी०भाटा	10-10-79 से 24-11-79 तक
2. एस० एन० घोष	10-10-79 से 24-11-79 तक
3. स्रो०पी०कथरिया	10-10-79 में 24-11-79 तक
4. राजिन्द्र सिंह	10-10-79 से 24-11-79 तक
 भ्रो०पी० कोटिया 	1 0-1 0-79 से 24-1 1-79 तक
6. एस० एन० पंडित	10-10-79 से 24-11-79 तक
7. एम० एस० भ्रमनानी	10-10-79 से 24-11-79 तक
8. कृष्ण लाल I	11-10-79 से 25-11-79 तक
9. रेमल दास	11-10-79 से 25-11-79 तक

सं० ए० 32014/1/79-प्रणा० III—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए श्रयवा श्रागामी श्रादेणों तक, जो भी पहने हो, उसी संवर्ग में श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर तदर्य श्राधार पर स्थानापन्न कप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—-

ক্	नाम	भ्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर
सं०		पदो न्न िकी भ्रवधि

सर्वश्री

1. एम० एन० भरोड़ा

21-10-79 से 30-10-79 तक

2. एस० डी० एस० मिन्हास 29-9-79 से 15-10-79 तक

एस० बालचन्द्रन श्रवर सचिव, (प्रशासन प्रभारी) सघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० ए० 19036/3/79-प्रणा०-5—इस कार्यालय की दिनांक 29-10-79 की प्रिधसूचना सं० ए०-19036/3/79-प्रणासन-5 के ग्रधिक्रमण में, निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतदहारा, श्रांध्र प्रदेश पुलिस के ग्रधिकारी श्री के० फरीदुद्दीन को दिनांक 7-9-79 के ग्रपराह्न से ग्रगले ग्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-ग्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर प्रशासनिक प्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 श्रक्तबर 1979

सं० ओ० दो-227/69-स्थापना—-राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री होमा राम, सूबेदार को उप-पुलिस ग्रधीक्षक के पद पर ग्रस्थायो रूप में ग्राने ग्रादेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।

2. उन्होंने ग्राने पद का कार्यभार 12 वाहिनी में दिनांक 23-8-79 (श्रपराह्म) को सम्भाव लिया है।

दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० म्रो० दो-253/70-स्थापना--श्री डी० एस० बरार ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस म्रधीक्षक, 22 वाहिनी, के०रि०पु० बल के पद का कार्यभार 31-10-79 (म्रपराह्म) को त्याग दिया।

दिनांक 24 नवम्बर 1979

सं० श्रो० दो-1050/72-स्थानना—-राष्ट्रपति ने श्री के० यांकर, पुलिस अधीक्षक, ग्रुप सन्टर, के० रि० पु० बल, श्रावडी, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा नियमावली), 1965 के नियम 5(1) कि अनुसार एक माह के नोटिस की समान्ति पर दिनांक 18-10-79 के पूर्वाह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० श्रो० दो-1284/76-स्थापना--भारत सरकार दुःख के साथ यह श्रधिसूचित करती हैं कि दिनांक 13-9-79 को श्री एम० एम० बात्रा, उप-पुलिस श्रधीक्षक, 23वों वाहिनी, के० रि० पु० बल का देहान्त हो गया है।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

. महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं० ६०-38013(3)/1/79-कार्मिक—-नई दिल्ली से स्था-नांतरित होने पर श्री सेवा सिंह ने 23 श्रम्तूबर, 1979 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, श्राई०पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कमांडेंट के पद का कायभार संभाल लिया। ह०/-अग्रनीय

महानिरीक्षक के० भ्रौ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० 11/100/79-प्रणा०-1/24488---राष्ट्रपति, भारतीय प्रणासनिक सेवा के हरियाणा संवर्ग के प्रधिकारी, श्री श्रो० पी० भारक्षाज को तारीख 14 नवम्बर, 1979 के श्रवराह्म से श्रगले श्रादेशों तक हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री भारदाज का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

सं० 11/97/79-प्रणा०-1-24640—-राष्ट्रपति, उड़ीसा सिविल सेवा के श्रिधकारी श्री एम० एम० दास को तारीख 8 नवम्बर, 1979 के श्रपराह्म से श्रगले श्रादेशों तक प्रति-नियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जनगणना कार्य निदेशालय, उड़ीसा, कटक में सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दास का मुख्यालय कटक में होगा ।

पी० पद्मनाभ ृमहापंजीकार

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली-11 दिनांक 5 दिसम्बर 1979

सं० जी/29/प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री बरिन कुमार घोष, ओवरसियर को दिनांक 12 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, भारत सरकार मुद्रणालय, अलीगड़ में सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त किया है।

> पी० बी० कुलकर्णी संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

(म्राधिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 17 नवम्बर 1979

सं० 1172/ए—श्री स्नार० ए० पटेल, मुख्य लेखापाल, केन्द्रीय मुद्रांक भंडार, नासिक रीड, को केन्द्रीय मुद्रांक भंडार मं (द्वितीय श्रेणी राजपितत पद) सहायक मुद्रांक नियंद्रक के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी र० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०-रो०40-1200 में तदर्थ रूप में 16-11-1979 के पूर्वाह्न से 29-2-1980 सक श्रथवा तब तक नियमित रूप में जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाये नियुक्त किया जाता है।

ना० राममूर्ति, ज्येष्ठ उप महाप्रबंधक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारत लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 2369/मी० ए० 1/96-79--- प्रपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) निम्नलिखित श्रनुभाग श्रिधिकारियों को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा श्रिधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्त करते हैं श्रीर आगे श्रादेश दिये जाने तक प्रत्येक नाम के सामने कालम 4 में लिखित कार्यालय में कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं :---

कम श्रनुभाग श्रधिकारी संख्या (वाणिज्यिक) का नाम	कार्यालय जहां पदोन्नति से पहले कार्यरत हैं ।	कार्यालय जहां पदोन्नति के बाद लेखा- परीक्षा म्रधिकारी (या०) के रूप में तैनात किये गये हैं	स्थानापम्न लेखा- परीक्षा प्रधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख
1 2	3	4	5
सर्वेश्री			
1. एच०सी० जैन -	. सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक (वाणिज्यक) लेखापरीक्षा भोपाल		23-8-79
2. ए० के० डे	. महालेखाकार-I ^I , पश्चिम बंगाल, कलकत्ता	महालेखाकार- ^{II} , पक्ष्चिम बंगाल, कलकक्षा	27-8-79
 वी० सुन्दर राजन 	. सदस्य लेखापरीक्षा वोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा मद्रास	महालेख।कार, उड़ीसा <i>-</i> -	10-9-79
4. भार० ष्ठी० तरेहन	. महालेखाकार, पंजाब, चण्डीगढ़	महालेखाकार, उड़ीसा ।	14-9-79
5. के ० श्रार ० बालान	. महालेखाकार, केरल, दिवेंद्रम	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	14-9-79
6. श्रार० एस० त्रिपाठी	. सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा देहरादून	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, देहरादून	14-9-79
7. एस० एम० देव	. महालेखाकार-गा, मध्य प्रदेश, ग्वालियर	महालेखाकार, उड़ीसा	25-9-79

भारत का राजपन्न,	विसम्बर-15,	1979	(अप्रहासण	24.	1901)	
------------------	-------------	------	-----------	-----	-------	--

1	2		3	4	5
8.	- श्रार० एल० सिंगला		भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	27-9-79
9	. जी० एल० नरसिम्हम	•	महालेखाकार-II, श्रान्ध्र प्रदेश हैदराबा	द महालेखाकार-II म्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	16-10-79

10366

दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० 2433 सी० ए०-1/116--79--श्रपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) निम्नलिखित श्रनुभाग श्रधिकारियों को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा श्रधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्त करते हैं श्रौर ग्रागे श्रादेश दिए जाने तक प्रत्येक नाम के सामने कालम 4 में लिखित कार्यालय में कालम 5 में लिखित तारीखों में उसी रूप में तैनात करते हैं।

कम सं०	श्रनुभाग श्रधिकारी (वार्णि का नाम)	ज्यक	कार्यालय जहां पदोन्नति से पहले कार्यरत थे ।	कार्यालय जहां पदोक्षति के बाद स्थ तैनात किए गए थे।	ानापन्न लेखापरीका मधिकारी (बा॰) के रुप में तैनाती की तारीख
1	2		3	4	5
	सर्वेश्री ,				
1.	एल० सी० लुन्कर .		महालेखाकार राजस्थान	महालेखाकार उड़ीसा	3-10-79
2.	वी० वी० सेशचलपतिराव		महालेखाकार II श्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद	महालेखाकार II श्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद	16-10-79
3.	एम० वी० भ्रधांनारी	•	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बंगलौर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेश वाणिष्यिक लेखापरीक्षा बंगलौर	क 19-9-79
4.	सतीश चन्द्रः .		महालेखाकार राजस्थान उड़ीसा	महालेखाकार उड़ीसा	3-10-79
5.	एस० नारायनास्वामी		महालेखाकार तमिलनाडु	महालेखाकार उड़ीसा	2 8-9-79
6.	मुरारी लाल गुप्ता .	•	महालेखाकार राजस्थान	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेश वाणिज्यिक (कोयला) लेखापरीक्षा कलकत्ता ।	क 2 <i>7</i> -9-79
7	. रमेश चन्द्र हसवीर	•	महालेखाकार पंजाब	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक कलकत्ता ।	2 9- 9-79
8	. वी० रामामूर्ती .		महालेखाकार कर्नाटका	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक श्राणिज्यिक लेखा परीक्षा (कोयला) कलकत्ता ।	ቹ 3-1 0- 79
9), एन० सी० जैन 🛾 .	•	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यक लेखापरीक्षा नई दिल्ली	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेश वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता	क 2 <i>7</i> -9-79
10). एस० के० पाल .	•	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	27-9-79
11	. ई० एस० राव		महालेखाकार श्रांध्रप्रदेश हैदराबाद	महालेखाकार II श्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद	17-10-79
12	2. एम० पी० वेदाचलम		महालेखाकार I तमिलनाडु	महालेखाकार II पश्चिम बंगाल कलकर	ήτ 2 8 -9 -7 9

भाग III--- वाण्ड 1

महालेखाकार का कार्यालय केरल

तिरुवनन्तपुरम दिनांक 9 नवम्बर 1979

सं० स्थापना/हकदारी/6/10-3-महालेखाकार, केरल के कार्यालय के लेखा ग्रिधकारी श्री एन० कमलासनन नागर ग्रिधविषता की ग्रामु में 31 श्रक्तुबर 1979 ग्रपराह्म की सेवानिवरित हो गर्म।

पी० जी० एन० नंपूतिरी महालेखाकार

सरकारी व्यय आयोग

नई विल्ली-110001, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० 1(3)-ए०/सी० पी० ई०/79—योजना ग्रायोग से स्थानांतरण होने पर, तद्दर्थ ग्रेड के जनुसंधान ग्रिधकारी, श्री बी० एन० सिंह, भारतीय ग्राधिक सेवा को 26 प्रकट्ट बर, 1979 दोपहरपूर्ण से ग्रगला ग्रादेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शतौं पर, सरकारी ब्यय ग्रायोग में 1100-500-1600 रूपये के वेतनमान में वरिष्ठ ग्रनुसंधान ग्रिधकारी नियुक्त किया गया है।

जगन्नाथ कोल, भवर सचिव

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 20 नवम्बर 1979

सं० 344016(I)/73-प्रशा-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के निम्नलिखिस ग्रिधकारियों को, उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (रु० 2000-125/2-2250) में, ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त, तारीख 19 नवम्बर 1979 (पूर्वाह्म) से स्थानापन रूप में कार्य करने के लिए, तयर्थ ग्राधार पर, सहुर्ष नियुक्त करते हैं:—

- (1) श्रीबी० वी० ग्रदावी
- (2) श्री के० सुन्दराराजन

मार० एल० वस्सी, रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंझालय [भार्डनेन्स फैस्टरी बोर्ड

भारतीय भार्डनेंस फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, विनांक 9 नवम्बर 1979

र्सं० 55/जी-79-राष्ट्रपति निम्नलिखित श्रफसरों को स्थानांसरित महाप्रबन्धक (सेसेक्शन ग्रेड)/डी० डी० जी० श्री०

एफ० स्तर-ा के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से ग्रागामी ग्रादेश न होने तक नियक्त करते हैं:---

- श्री ज० बी० सक्सेना, स्थानापन्न महाप्रबन्धक 30 अगस्त 1979 (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-11
- श्री श्रार० जी० देवलालीकर, स्थानापन्न की० की० जी० ग्रो० एफ० स्तर-II —वही—-
- श्री एस० पी० सिन्हा, स्थानापन्न महा प्रवन्धक (सेलेक्णन ग्रेड) स्तर-II

सं० 56/जी /79—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित श्रफसर को स्थानापन प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से अगले झादेश न होने तक नियुक्त करते हैं:—

श्री यू०के श्रीवास्तवा, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक 25 जून 1979

सं० 57/जी/79—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित प्रकसरों की स्थानापन उपप्रबन्धक/डी० ए० डी० जी० ग्रो० एफ० के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से ग्रागामी ग्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं:—

सर्वभी :

(पी)

_	
 डी० भार० नागपाल सहायक 	
ुप्रबन्धक (पी०)}	30 जून, 1979
2. के० सी० एम० राव, सहायक	
्प्रयन्धक (पी०)	वही
 एस० जोसेफ, सहायक प्रबन्धक (पी) 	— –वहीं -
4. जे० पी० शर्मा, सहायक प्रबन्धक	
(গী ०)	वही -
5. एन० के० श्रीवास्तव, सहायक प्रबन्धक	
(पी॰)	वही
 सी० बी० बसीर, स्थानापन्न सहा- 	
यक प्रबन्धक	वही
 प्रार० सी० प्ररोरा, सहायक प्रबन्धक 	
(पी)	वही
 एस० राजागोपालन, सहायक प्रबन्धव 	វ
(中)	वही
9. मोहर सिंह, सहायक प्रबन्धक (पी)	वही
10. महेश प्रसाव, सहायक प्रबन्धक (पी)	वही
11. जे०पी० म्रीगॉवरकर, स्थानापन्न	
सहायक प्रबन्धक	—-वही
12. के० के० गर्ग, सहायक प्रबन्धक	
(पी॰)	पहली श्रगस्त, 1979
13. डी० एम० गुप्त, सहायक प्रबन्धक	
(पी)	वही
14. एस० एन० दत्ता, सहायक प्रयन्धक	
(ব্য	व ही-
15. सुमील ठाकुर, सहायक प्रबन्धक	-0

16. डा॰ एस॰ घोष, सहायक प्रबन्धक	
(中)	पहली अगस्त 1979
17. डा॰ एस॰ ग्रार० चक्रवर्ती, सहा-	-
यक प्रबन्धक (पी)	वही∹ -
18. एस० सी० गाजी, सहायक प्रबन्धक	
(पी)	वही
19. बी० बी० फारास, सहायक प्रवन्धक	
(पी)	- <i>-</i> -वही~
20. एस० के० पाण्डे, सहायक प्रबंधक	<u>.</u>
(पी)	वह ी -
21. बी० के० पंडित, सहायक प्रबन्धक	a #
(पी)	व ही ्री
22. एस० एन० पाटिल, सहत्यक	
प्रवन्धक (पी)	- -व ही ़
23. ए० के० हैक खाल, सहायक प्रक्रन्धक	
(पी)	व हीं
24. श्री एस० डी० डिमरी, सहायक प्रव	धिक
(中)	·
25. पी० के० सेट, सहायक प्रबन्धक (पी))बहा
•	. , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,

विनांक 23 नवम्बर 1979

सं० 58/79/जी--58 वर्ष की भायुप्राप्त कर श्री ए० एल० बासु, चौधरी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) तारीख 31-8-79 (श्रपराह्न)से सेवा नियुक्त हुए।

> वी० के० मेहता, महायक महानिदेशक, मार्डनेंस फैक्टरियाँ

वाणिज्य श्रीर नागरिक शापूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति का कार्यालय नई जिल्ली, विनाक 19 नवम्बर 1979 श्रायात-नियति व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1161/79 प्रशा० (राज०)/3115—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश (सिविल) न्यायिक सेवा के प्रधिकारी धौर मुख्य नियंक्षक, प्रायास-निर्यात, नई बिल्ली के कार्यालय उप-विधि सलाहकार श्री महेंद्र प्रताप सिंह को 15 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से एक वर्ष या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, इनमें जो भी पहले हो, उस ध्यधा तक के लिए सद्दर्ध श्राधार पर उसी कार्यालय में विधि सलाहक(र नियुक्त करते हैं।

सी० वेंकटरमन, ·· मुख्य नियंत्रक स्त्रायस-नियति

नई दिल्लो, दिनां ४ 17 नवाबर 1979

सं० 6/414/56/प्रणामन (राज०)/8070- - सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर, कुमारी एम० डी० मराठे ने 31 अक्टूबर, 1979 के अपराह्म से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति श्रहमदाबाद के पद का कार्य-भार सीप दिया।

विनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 6/786/66-प्रशासन (राज०)/8156--सेवा निवृत्ति की श्रायु हो जाने पर, श्री बुध राम ने 31 श्रक्टूबर, 1979 के श्रपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्या-लय (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली में नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार सौंप दिया।

दिनांक 20 नवम्बर 1979

सं० 6/1293/79-प्रशासन (राज०)/8152--मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात, श्री सत्य प्रकाण भर्मा, राष्ट्रीय सैन्यल सर्वेक्षण संगठन, श्रम्बाला केंट के श्रद्धीक्षक को 31 श्रक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्म से श्रमला श्रादेश होने तक उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय श्रमृतसर में नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (श्रेणी "ख") के रूप में स्थानापन्न रूप से नियंत्रक करते हैं।

 श्री शर्मा, नियंतक के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपण के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

> सी० एस० मार्य; उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

काण्डला मुक्त ध्यापार क्षेत्र प्रशासन गांधीधाम, दिनांक 20 नवम्बर 1979

संग एफ० टी० जैंड/प्रशासनं/7/2/79/15182--- विकास आयुक्त, काण्डला, मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीक्षाम-कच्छ, परी-क्षिक, सीमा शुल्क सम्हाकर्ता, महास के स्थानापक प्रधीक्षक श्री बी० मीहन सिंह, परीक्षक, काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधी-धाम, जिसका वर्तमन ६० 650-30 740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई०बी०-40-1200 है प्रतिनियुक्ति को सामान्य शर्ती पर वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन क० 10(24)/60-ई०-III दिनांक 4-5-1961 के आधार पर जैसा कि समय-समय पर संशोधन हुआ है दिनांक 16-10-1979 के प्रातःकाल से नियुक्त करते हैं।

निरंजन सिंह विकास श्रा**र्क्त** काण्डला मुक्त व्यायार क्षे**श** पूर्ति तथा निषटान महानिवेगालय

नई दिल्ला, दिनां हे 7 नवरबर 1979

स० प्र० 1/1(385)—पूर्ति तथा निपटान ग्रहानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी उपनिदेशक ग्रौर स्थानापन्न निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति भेवा के ग्रेड-1) श्रो एस० पी० सक्सेना निवर्तमान ग्रायु (58 वर्ष) होने पर दिनाक 31-10-1979 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गर्थे।

दिनांक 17 नवाबर 1979

मं० प्र० 1(1)(464)--- राष्ट्रपात, श्री एस० एल० कपूर उपनिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए के ग्रेड II) को दिनांक 6-11-79 के पूर्वीह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में तदर्थ श्राधार पर (पूर्ति निदेशक (भारतीय सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड I) के पव पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० प्र01/1/948(79)---मुख्यालय के सहायक निदेश के (श्राई० श्रार०) (ग्रेड 1) श्री बाबू लाल को विनांक 14-11-1979 के श्राराह्म ुसे वरिष्ठ श्राधिक श्रन्वेषक के श्राराजपतित पद पर श्रवनत कर दिया गया है।

सं० प्र० 1/1(949) 79---राष्ट्रपति, श्री एच० एस० भसीन सहायक निदेणक (सांख्यिकी) (ग्रेड 1) को दिनांक 15-11-1979 के पूर्वाह्म से 6 मास के लिए श्रथवा पद के निर्मासत रूप से भर जाने तक जो भी पहले हो इसी महानिदेशालय में सहायक निदेशक (श्राई० श्रार०) (ग्रेड 1) के रूप में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापक रूप से निषुक्त करते हैं।

मं० प्र० 1/1(1143)—-राष्ट्रपति भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड 4 के अधिकारी श्री एन० ईमाम्बरम को सेवा कालीन प्रशिक्षण पूरा कर लेने पर दिनांक 17-11-1979 के मूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (सांख्यिकी) (ग्रेड 1) के रूप में स्थानापन्न का से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर, उप निदेशक (प्रणासन), कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात, खान श्रोर कोयला मझालय (खान विभाग)

भारतीय भूत्रैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक नगम्बर 1979

सं० 7677 बी०/ए० 19012 (3-सी० एत० एम०)/ 79-19 बी० -- अतिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन वार्पोरेशन लि०) में स्थायी रूप से भर्ती होने पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ सर्वेश्री सी० एन० मूर्ति तथा बी० एम० नियोगी ब्रारा दिए गए ांग पत्न 30 सिसम्बर, 1977 के <mark>मपराह्न</mark> से स्वीकार किए गए।

> बी० एस० कृष्णस्वामी, महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

न।गपुर, दिनांक 20 नवम्बर 1979

सं० ए० 19012/104/78-स्था० ए० — श्री श्रार० ए० मिश्रा, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन शास्त्र) को दिनांक 29 श्रक्तूबर, 1979 के श्रपराह्न से श्रागामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में नियमित शाधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनविद के पद पर पदोन्नति की जाती है।

दिनोंकं 22 नंबम्बंर 1979

सं० ए० 19012(118) 79-स्था० ए०-विभागीय पदोन्नित सिमिति की सिफारिश पर श्री बी० डी० टीके, स्थाई सहायक भण्डारी (तकनीकी) ग्रेड II भारतीय खान क्यूरों को तारीख 19-10-1979 के अपराह्म से स्थानापक्ष सहायक भंडार श्रीधकारी के पद पर पदोन्नित प्रदान की जाती है।

बालागोपाल, ि ४ फ्रध्यक्ष

राष्ट्रीय ग्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 नवभ्बर 1979

फा० स० एफ० 11-9/79-ए०-1— प्रिभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद् द्वारा श्री वी० एन० कोहली स्थायी सहायक प्रभिलेखाधिकारी ग्रेड 2 (सामान्य) तथा स्थानापन्न सहायक प्रभिलेखाधिकारी ग्रेड 1 को बिलकुल तदर्थ आधार पर बिनांक 23 नवस्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से धारामी आवेशी तकस्थानापन्न प्रभिलेखाधिकारी (सामान्य) (इतीय श्रेणी राजभित प्रधिकारी) नियुक्त करते हैं। उनको गाइड से प्रभिलेख निधान में बदल दिया गया है।

उन्हें याद रहें कि यह तदर्थ नियुक्ति अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति की पानता और विरुठता सम्बन्धि उद्देश्य के लिए नहीं गिनी जाएगी और नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगा।

> बी० एस० कालडा, प्रशासन ग्रधिकारी, राष्ट्रीय ग्रभिलेखागार, कृते ग्रभिलेख निदेशक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कर्णकत्ता-12, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं ० एफ ० 70-2/79-स्थापना/20973--श्री एच ० एस० धार्मी, वरिष्ठ प्राणिविज्ञान सहायक, मध्य क्षेत्रीय केले, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, जबलपुर, को सहायक प्रौणिविज्ञानी (मुप 'बी॰' राजपितत) के पद पर 650-1200 रुट के बेतन मान में स विभाग के उसी क्षेत्रीय केन्द्र में, ग्रस्थाई रूप से तदर्भ प्राधार पर 9 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से धामामी श्रादेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

> एस० मार० भट्टाचार्जी, प्रशासन मधिकारी, भारतीय प्राणि सर्वेकण

विज्ञान भौर प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलस संस्था

राष्ट्री । एटल त और थिमैटिक मानचित्रण संगठन

कलकत्ता-700019, दिनांक 27 नवम्बर 1979

सं० 35-2/78 स्था० — सर्वश्री ए० के० सेन ग्रीर एन० सुंडी वरिष्ठ ग्रनुसंधान सहायक, राष्ट्रीय एटलस ग्रीर थिमैटिक मानचित्रण संगठन में कमशः 24 ग्रीर 25 ग्रन्ट्बर, के पूर्वात्र से भावी ग्रादेश होने तक वैज्ञानिक ग्रधिकारी के पद पर शुद्ध ग्रन्थायी ग्रीर सदर्थ रूप में नियुक्त किए जाते. हैं।

एस० पी॰ दास गुप्ता, निदेशक

सूचना भौर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० 9/51/49-सिंबन्दी Î--श्री मार० बी० म्हास्ने, स्थायी छायाप्राहक (कार्टून फिल्म यूनिट), फिल्म प्रभाग बम्बई, वार्धक्य के वय प्राप्त होने के वजह दिनांक 31-10-1979 के दुपराष्ट्र सं सेवा निवृक्त हुए।

सं० ए० 19012/5/74-सिब्बन्दी-ग्र-श्री ए० के० नारंग; स्थायी शाखा प्रबन्धक, फिल्म प्रभाग, बम्बई, को फिल्म वित्त निगम लिमिटेड में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्ति होने के वजह, दिनांक 31-5-1979 के दुपराह्म से उन्हें काम से भार मुक्त किया।

नरेन्द्र नाथ शर्मा सहायक प्रशासकीय **प्र**धिकारी **कृते** मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं ० ए० 12026/28/79 (एच० न्यू०)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक नई विल्ली के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा क्यूरो में झन्वेषक, श्रीमती कवा श्रीवास्तव को 23 श्रन्तुवर, 1979 पूर्वाह्न से जागामी

त्रादेगों तह उसी व्रूरो में धनुसंधान श्रक्षिकारी के पद पर तदवें त्राधार पद निसुकत किया औ।

> शाम लाल **कुठियाला** उपनिदेशक प्रशासन

कृषि भौर सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1979

सं० 3-48/79-स्था० (1)—मधीक्षक (कोटि प्रथम) के पद पर सर्वश्री एस० एल० धीर, के० झार० विज और स्रो० पी० भसीन की तदर्थ नियुक्तियां 1-12-1979 से स्रागे 29-2-1980 तक बनी रही।

> बद्रीनाथ चड्डा निदेशक प्रशासन

ब्रामीण पुनर्निर्माण मंद्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 21 सवस्बर, 1979

सं० ए० 19023/5/79-प्र० III---संघ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अनुसार श्री पी० एल० विशिष्ट की इस निवेशालय में नई दिल्ली में तारीख 9-10-1979 के अपराह्म से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधि-कारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

2. विपणन भविकारी के रूप में नियुक्ति होने के उपरान्त भी विशिष्ठ ने तारीख 9-10-1979 के भपराह्म में नई दिल्ली में सहायक विपणन भविकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/12/79-प्र० III—श्री द्वार० के० एस० पिल्ले, सहायक विषणन ग्रधिकारी को इस निवेशालय में मद्रास में तारीख 10-10-1979 (पूर्वाह्म) से तीन महीने की ग्रविध से ग्रधिक के लिए नहीं या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, वोनों में से जो भी पहले घटित हो, ग्रस्पकालीन ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में विषणन ग्रधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया जाता है।

. 2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के उपरान्त श्री पिल्ले ने तारीख 10-10-1979 के पूर्वीक्ष में महास में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन इते इवि विषयन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 4 अन्तूबर, 1979

सं० पी० ए०/73(16)/78-भ०-4—प्रपरं निदेशक, भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र, डा० आनंद पायकूजी डोंगरे को भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में पूर्वाह्र ता० 21 सितम्बर, 1979 से धगले धावेशों तक अस्थायी रूप से धावास चिकित्सा प्रधिकारी नियुक्त करते है।

दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1979

सं० पी० ए०/73(16)/78-भ०-4—-ग्रपर निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र डा० (श्रीमती) संतोष बट्दल को भाभा परमाणु श्रनुसंधान केंद्र के चिकत्सा प्रभाग में पूर्वाह्म 26 सितम्बर 1979 से धगले ग्रादेशों तक ग्रस्थायी रूप से ग्रावास चिकित्सा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 ग्रन्तुबर, 1979

सं० पी० ए०/26(3)/78-भ०-4--- नियंत्रक, भाभा परमाणु ध्रनुसंधान केंद्र, श्री माधव यशवंत फडनीस, स्थायी ध्रनुभाग प्रधिकारी [महा-नियंत्रक (रक्षा) लेखा के कार्यालय से] को वेतन मान ६० 650-30-740-35-880-द० रा०-40-960 में, पूर्वाह्म सितंबर, 19, 1979 से पहले वो साल की ध्रवधि तक, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 ग्रक्तूबर, 1979

सं० पी० ए०/68(6)/77-भ०-4—मंडल प्रबंधक (पी) सेन्द्रल रेलवे, भुसावल के कार्यालय से स्थानान्तर होने पर, श्री उपाध्याय राधे ग्याम को, श्रपर निदेशक, भाभा परमाणु धनुसंधान केन्द्र के बेरिलियम पायलट प्लान्ट परियोजना में श्रस्थायी रूप से नियत श्रवधि के लिये श्रपराह्म 28 फरवरी, 1981 तक वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस० बी०) नियुक्त करते ह।

सं० पी० ए०/34(5)/78-भ-4--- नियंस्नक, भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र श्री शम्भुनाथ सेन, एक स्थायी कार्मिक ग्रधिकारी को स्थानापन्न सेवा के लिये भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र में पूर्विह्न ता० 1 सितम्बर, 1979 से ग्रगले ग्रादेशों तक सुरक्षा श्रधिकारी नियुनत करते ह ।

ए० एस० दिक्षित, उप स्थापना ग्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा-202 397 दिनांक 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(161)/79-एस०/ 12836---नरौरा परमाणु विद्यत परियोजना के मुख्य परि-2--366GI/79 योजना श्रिभयन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी', श्री ग्रहण कुमार भट्टाचारें को इसी परियोजना में वैज्ञानिक ग्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 1 ग्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से, स्थानापन्न रूप में ग्रिग्रिम ग्रादेशों तक लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रणा०/1(160) /79-एस०/
12837—नरौरा परमाणु विद्यंत परियोजना के मुख्य परियोजना ग्रिभयन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के
स्थानापन्न पर्यवेक्षक श्री रोमेण कुमार मलहोता को इसी
परियोजना में वैज्ञानिक ग्रिधकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०
के पद पर दिनांक 1 ग्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न
रूप में ग्रग्निम ग्रादेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(162)/79-एस०/
12838—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परि-योजना ग्रभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी', श्री पेरमल राधा कृष्णन को इसी परियोजना में वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ईजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 1 ग्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से, स्थानापन्न रूप में ग्रग्रिम ग्रादेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

> एस० कृष्णन, प्रशासन श्रधिकारी, कृते मुख्य परियोजना श्रभियन्ता

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 20 नवम्बर, 1979

सं० प० ख० प्र०-1/7/79-प्रशासन—इस कार्यालय के दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 की समसंख्यक श्रिधसूचना का श्रिष्ठकमण करते हुए परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक रक्षा लेखा महानियंत्रक के कार्यालय के अनुभाग प्रधिकारी (लेखा), श्री एस० बी० बैनरजी को परमाणु खनिज प्रभाग में 3 श्रक्तूबर, 1979 की पूर्वाह्म से भगले श्रोदेश होने तक प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा श्रिधि-कारी नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

नागर विमानन महानिदेशालय नई विल्ली, विनांक 15 वनम्बर 1979

सं० ए० 32013/3/79-ई० एस०—इस कार्यालय की विनांक 20 जून, 1979 की समसंख्यक अधिमूचना के कम में राष्ट्रपति जी ने सर्वश्री एस० रंजन और जमन लाल की उपनिदेशक/नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि 13 ग्रगस्त, 1978 के बाद, तीन मास के लिए ग्रथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की स्वीकृति सामान्य गतीं के ग्रधीन दे ती है।

2. राष्ट्रभित जी, श्री बी० डी० साठे की भी दिनांक 28-9-1979 से तीन माह के लिए झंखवा ग्रेड में सियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, तवर्थ श्राधार पर उपनिदेशक/नियंद्रक, वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 नवंबर, 1979

सं० ए० 12025/1/78-ई० सी०—राष्ट्रपति जी ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में श्री हैमन्त कुमार दीक्षित को दिनांक 1-11-1979 (पूर्वाह्न) से संचार प्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है श्रीर उन्हें अन्य श्रादेश होने तक प्रभारी प्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशम, गोहाटी के कार्यालय में सैनात किया है।

सं० ए० 32013/1/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण सथा विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तकनीकी श्रधिकारी श्री श्रवण कुमार को दिनांक 26-9-1979 से पूर्वाह्न से नियमित श्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है शौर उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

2. वरिष्ठ तकनीकी प्रधिकारियों को उच्चतर प्रवोन्नति के लिए वरिष्ठ संचार प्रधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी प्रधिकारी की संयुक्त पावता सूची में स्थान ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति की तारीख के धनुसार दिया जाएगा बक्तों कि वरिष्ठ संचार प्रधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में परस्पर वरिष्ठता कायम रखी जाती है और इसके साथ यह भी गर्त है कि इंजीनियरी सेना परीक्षा के आधार पर नागर विमानन विभाग में नियुक्त अधिकारियों के मामले में उस परीक्षा में उनकी परस्पर वरिष्ठता तकनीकी अधिकारी/ संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त के लिए भी मानी जाएगी।

दिनांक 22 नवंबर, 1979

सं० ए० 12025/1/78-ई० सी०--राष्ट्रपति जी ने श्री ग्रार० चन्द्रमौलि को 22-10-1979 (पूर्वाह्म) से तागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में तकनीकी श्रिधकारी के पद पर निस्कृत किया है श्रीर उन्हें श्रन्य श्रादेश होने तक नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बंबई के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/7/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 22-6-1979 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/7/78-ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन तकनीकी अधिकारियों की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तवर्थ नियुक्ति की अविध 31-8-1979 के बाद 2-9-1979 (दो दिन) तक बढ़ाने की स्वीकृति दे दी हैं:—

क्रम नाम सं०	तैनाती स्टेशन
 श्री बिजय पंकार श्री के० के० नारायण 	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम वैमानिक संचार स्टेशन, कलकला
3. श्री ए० के० बंसल	रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली ।

सं० ए० 35021/1/79-ई० सी०—राष्ट्रपति जी ने निदेशक, रेडियो निर्माण ग्रीर विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एस० के० सरस्वती, वरिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी को विभागेतर सेवामतों पर गुजरात कम्यूनिकेशंस एवं इसैक्ट्रानिक्स लिमिटेड, बड़ोदा में 30-5-1979 (ग्रपराह्न) से वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर प्रतिनियुक्त किया है।

दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० ए० 32013/4/79—ई० एस—इस कार्यालय की दिनांक 24-7-1969 की समसंख्यक ग्रिधसूचना के कम में राष्ट्रपति ने सर्वश्री एन० जयसिम्ह ग्रीर ग्रार० सी० गुप्ता की वरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद में हुई तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि 13-8-1979 के बाद 6 महीने के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो वढ़ा दी है।

दिताक 26 नवम्बर 1979

सं० ए० 32014/3/79-ई० सी० (पार्ट)—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित दो तक्रनीकी सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से तदर्थ ग्राधार पर सहायक तकनीकी ग्रिधिकारी के पद पर नियक्त किया है भौर प्रत्येक के नाम के सामने दिएगए स्टेशन पर तैनात किया है :---

ऋ० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर स्थानान्तरण किया गया	कार्यभार ग्रहण करने की तारी ख
1	2	3	4	5
1. 剁	गोपाल सिंह .	. वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली ।	10-9-79 (पूर्वाह्न)
,2. श्री	जी० एस० वर्मा	. वैसानिक संचारस्टेशन, भटिङा	वैमानिक संचार स्टेशन, वाराणसी	7-11-79 (पूर्वाझ)

सं० ए० 38013/1/79-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो श्रिधिकारी ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर पद का कार्यभार 31-10-79 से त्याग दिया है:—

क० नाम भ्रोर पदनाम सं०	स्टेशन	सेवा निवृत होने की तारीख
1. श्री जें ० सी० दास, संचार श्रधिकारी	वैमानिक संचार . स्टेशन, कलकत्ता	31-10-79 (ग्रपराह्न)
2. श्री एन० वी० पाठी,	रेडियो स्टोर डिपो,	31-10-79
तकनीकी ग्रधिकारी	नई विल्ली	(ग्रपराह्न)

केन्द्रीय उत्पाद गुल्क एवं सीमा गुल्क समाहंसलिय बंगलीर, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० IV/116/421/79. सीं० 1—समाहत्ती कर्नाटक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व सीमाशुल्क समाहर्तालव, बंगलीर ने, फरवरी 1976 से नीचे दर्णयी गयी व्यक्तियों/फर्मी/कंपनियों को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व नमक श्रिधिनियम 1944 तथा उसके श्रिधीन नियमों तथा प्रावधानों के अनुसार निम्न लिखित प्रकार दंडित किया है:—

1. मेसर्स श्याम स्टील री-रोलिंग मिल्स लिमिटेड, बंगलौर

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमाधली 1944 के प्रन्तर्गत नियम 9(1), 52 ए, 53 के साथ पठित नियम 173 जी (4), 173 जी (1), 226 तथा 173 क्यू (1) (ए) (बी) तथा (डी) के उल्लंघन के फलस्वरूप ६० 92,420 मौल्य की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क योग्य वस्तुओं की जब्ति के प्रलावा 15,000 की जुर्मीना लगायी गयी है तथा जब्त की गयी वस्तुओं के विमोचन की श्रमुमित ६० 10,000 विमोचन जुर्मीना की श्रमुमित ६०

2. मेसर्स ग्रान्ध्रा स्टील कार्पोरेशन, बंगलीर

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के भ्रन्तर्गत नियम 9 (1), 52 ए 53 के साथ पंठित 173 जी (4) 173 जी (1), 226 तथा 173 (ए) (बी) तथा डी) के उल्लंधन करने के फलस्वरूप रु० 91,000/- मौल्य की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क योग्य वस्तुभ्रों की जब्ति के भ्रलाबा, रु० 25,000/- जुर्माना लगायी गयी है तथा जब्स की गयी वस्तुभ्रों के विमोचन की भ्रनुभृति रु० 45,000/- विमोचन जुर्माना की ग्रवा के बाद होगी।

3. मेसर्स बंगलीर केबल्स प्राइवेट लिमिटेड, वंगलीर

केन्द्रीय उत्पाद मुल्क नियमावली 1944 के ग्रन्तर्गत नियम 173 जी (4) 56 बी, 226 तथा 173 क्यू (1) के साथ पठित नियम 53 के उल्लंघन करने के फलस्वरूप रु० 1,13,006/- मौल्य की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क योग्य वस्तुश्रों की जब्ति के ग्रालावा, रु० 15,000 जुर्माना लगायी गयी है तथा जब्त की गयी वस्तुश्रों के विमोचन की ग्रानुमित रु० 25,000/- विमोचन जुर्माना की श्रादा के बाद होगी।

4. मेसर्स फिट-वेल्काप्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 173 जी (4), 56 बी, 226 तथा 173 क्यू० (1) के साथ पठित नियम 53 के उल्लंघन करने के फलस्वरूप ६० 80,000 जुर्मीना लगायी गयी है।

5. मेसर्स भारत मेटल इण्डस्दीज, बंगलौर

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के मन्तर्गत नियम 173 जी (4), 43 (2), 44(3), 173 जी (1). 173 एफ, 226 तथा 173 क्यू (1) (ए) (बी) तथा (डी) के साथ पठित नियम 9(1), 52 ए, 53 के उल्लंघन के फलस्वरूप रु० 2,41,640/- मौल्य की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क योग्य वस्तुम्नों की जब्ति के उलाया, र० 10,000/- की जुर्माना लगायी गयी है तथा जब्त की गयी वस्तुम्नों के विमोचन की भ्रनुमति रु० 1,00,000/- विमोचन जुर्माना की अदा के बाद होगी।

6. मेसर्स खोडे इण्डस्ट्रीज, बंगलौर

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमवाजी 1944 के नियम 173 जी (4), 173 जी (1), 173 एफ, 226 तथा 173 क्यू (1) के साथ पठित नियम 9 (1) 52 ए, 17ए 53 के उल्लंधन करने के फलस्वरूप रु० 25,000/- जुर्माना सगायी गयी है।

कानपुर, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 12/79 इस कार्यालय के पृष्ठाकन पत्न संख्या 11-11- ई॰टी॰/79/123 दिनौंक 2-1-79 के अंतर्गत निर्गत स्थापना आदेश संख्या 1/ए10/79 दिनौंक 5-1-79 के लथा 11-11-ई॰टी/79/3832 दिनौंक 27-1-79 के अंतर्गत निर्गत स्थापना आदेश संख्या 1/ए/56/79 दिनौंक 27-1-79 के फवस्बरूप निम्नलिखित निरीक्षकों/प्रवरण कीटि/केन्द्रीय उत्पादन णुल्क वर्ग 'ख' के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने दिये गये स्थान तथा दिनौंक की ग्रहण कर लिया।

कम स् सं०	नाम	स्थान का नाम जहां पर पदोन्नति पर कार्यभार ग्रहण किया	कार्यभार ग्रहण करने को ता रीख
1	2	3	4
सर्वेष्ठ 1. जग	ी दीश प्रसाद शर्मा	मण्डल कार्यालय, भ्रागरा	22-1-79 (पूर्वाह्म)

1	2	3	4
2.	सूर्य प्रसाद स्रग्रवाल	मण्डल कार्यालय,	22-1-79
	-,	कानपुर-11	(पूर्वाह्न)
3.	जस कृष्ण डुढैया	एम० श्रो० ग्रार०	27-1-79
		भलीगढ़ मण्डल -	(पूर्वाह्म)
	4	कार्यालय, ग्रलीगढ़	
4.	टी० एल० धरनी	मण्डल कार्यालय,	18-1-79
		गाजियाबाद-11	(पूर्वाह्म)
5.	ग्रमृत लाल दीवान	ग्रधीक्षक/ <mark>लेखा</mark> परीक्षा	23-2-79
		मुख्यालयं, कानपुर	(पूर्वाह्म)
6.	के० एल० देशमुख	मण्डल कार्यालय	9-2-79
		गाजियाबाद-11	(पूर्वाह्म)
7.	एच० एल०एस० स्नायी	भ्र <mark>घीक्षक/लेखा</mark> परीक्षा	9-2-79
		मुख्यालय, कानपुर	(भ्रपराह्न)

मुद्धि पन्न दिनांक 27 जून 1979

स्थापना/640-46, दिनांक 8-1-79 के प्रन्तर्गत निर्गत इस कार्यालय की ग्रधिसूचना सं० 1/79 दिनांक 2-1-79 में भांशिक परिशोधन करते हुए यह भादेश किया जाता है कि उपरोक्त प्रधिसूचना में ग्रंकित पदभार ग्रहण की तारीख 16-8-78 के स्थान पर (बदले में) 14-7-78 पढ़ी जाये। कृष्ण लाल रेखी,

समाहत्त

मद्रास-600034, दिनांक 26 जुलाई 1979

सं० 11/3/22/79-स्थापना--केन्द्रीय उत्पादन समाहलालय, मद्रास के निम्नलिखित निरीक्षकों को, ग्रगला भ्रादेश होने तक, उनके नाम के सामने दिखायी गयी तिथियों से केन्द्रीय उत्पादन शुरुक श्रधीक्षक ग्रुप "ख" के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त ग्रीर प्रत्येक के नाम के सामने विनिर्दिष्ट स्थान पर तैनात किया गया है:---

क सं०	नाम	स्थान जहां उन्हें भ्रधीक्षक ग्रुप "ख" के रूप में तैनात किया गया है	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1	2	3	4
1.	एस० बालामुन्दरम	मुख्य कार्यालय मद्रास	3-2-79
2.	एम० पोक्षैया	वलपराई एम० घ्रो० घार० पोलाची डिवीजन	12-2-79
3.	टी० भ्रह्मगुगम	गूडालोर एम० ग्रो० श्रार० कुनुर डिवीजन	9-2-79

1 .	2	3	4
4.	के० थीरूमलै	पाण्डुचेरी डिवीजन	21-6-79
5.	अ० एम० जयासीलेन	धारापुरम एम० मो०	2-6-79
		आर० ईरोज डिबीजन	
6.	एस० के० करूप्पन	मद्रास-III डिवीजन	1-6-79
	पी० के० एस०	मद्रास-ा डिवीजन	2-6-79
	रामाकुष्णन		
8.	जी० गोपालाकृष्णन	कोयम्बटूर-I <u>I</u> डिवीजन (तकनीकी)	2-6-79
9.	के० गोविन्दाराजन	पुलिश्रमपाट्टी	1-6-79
		एम० ग्रो० ग्रार० इरोड	
		डिवीजन	
10.	पी० गोपालन	कुम्माकोनम, एम०	14-6-79
		म्रो० म्रार० पाण्डुचेरी	
		डिबीजन	
11.	एस० जानकीरामन	नेगामम, एम० ग्रो० ग्रार०	16-6-79
		पोलाची डिवीजन	(ग्रपराह्न)
1 2.	वी० धार०	कुनुर, एम० ग्रो० ग्रार०	2-6-79
	कण्डासामी	कुन्नोर डिवीजन	
13.	के० एल० नारायणन	मेटुपालयम, एम० ग्रो०	30-5-79
		ग्रार० कुनुर डिवीजन	
14.	भाई० मोहम्मद 🥈	मद्रास-II डिबीजन	28-6-79
	मब्दुल रजाक खां		
1 5.	ए० जी० दोरैराज	एम० घो० घार० XIII	7-7-79
	·	कोयम्बट्र-ा जिवीजन	
16.	एस० सन्थानाकृष्णन	एम० भ्रो० भार० XI	7-7-79
		कोयम्बट्र- 1	
17.	डी० नेस्सन	मुख्य कार्यालय, मद्रास	4-7-79
-,,	, , , , , ,	e	(प्रपराह्न)
18.	एन० भद्राचलम	कोटागिरि,एम० श्रो० भ्रार	
	पी० नागप्पाचेट्टी	कोयम्बट्र-ा डिवीजन	7-7-79
ŕ	-	(तकनीकी)	

बी० भार० रेड्डी, समाहर्त्ता

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० 23/2/77ई० सी-०2--के० लो० नि० वि० के निम्नलिखित प्रधिकारी वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 अन्त्वर 1979 (अपराह्म) को सेवा निवृत्ति हो गए हैं:--

मधिकारी का नाम	वर्तमान पदमान	
सर्व श्री	मुख्य इंजीनियर के	
1. एम० एम० ललवानी	इंजीनियर ग्रधिकारी	

1 2	3
	दक्षिण पश्चिम (ग्रंचल) के० लो० नि० वि०, बम्बर्ध।
2. मलकीत सिंह	कार्यपालक इंजीनियर, निर्माण मंडल-1 भ्रण्डमान व निकोबार भ्रायरलैंड, ए० पी०
3. एस० डी० तुलसी भ्रानि	डब्ल्मू०, डी० रंगत । निर्माण सर्वेक्षिक (लो० नि० वि०) दिल्ली
	प्रशासन कार्यपालक इंजीनियर (सिसिल) नई दिल्ली ।
4. सी० म्रार० राय	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) कलकत्ता एवियेशन विद्यूत मण्डल, कें० लो० नि०
	विभाग, कलकत्ता । सु० सू० प्रकाण राव, प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय ग्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्टार का कार्यालय

कम्पनी प्रधिनियम 1956 श्रीर के० नभरतन इन्वेस्टमेन्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० एस० भ्रो० 718-3719 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि नभरतन इन्बेस्टमेन्टेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 भौर नन्दन फूड प्रोडक्टस प्राइवेट के विषय में

कटक, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० एस० भ्रो० 531-3723 (2)—कम्पनी श्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के भ्रनु-सरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास श्रवसान पर नन्दन फूड प्रोडक्टस प्राइवेट का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रिधिनियम 1956 श्रीर ओडिया फलाइंग क्लब लिमिटेड के विषय में

कटक, विनांक 19 नवम्बर 1979

सं० एस० म्रो० 75-3721 (2)—कम्पनी भ्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के मनुसरण में एतब्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम श्रवसान पर ओडिया फ्लाइंग क्लब लिमिटेड का नाम. इस के प्रतिकृल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और श्रीक्षेत्रा कन्सट्रकणन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांकं 23 नवम्बर 1969

सं० एस० ग्रो० 50-390-3770 (2)— कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास ग्रवसान पर श्रीक्षेत्रा कन्सट्रकशन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रीर उत्कल केबलम इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० एस० श्रो० 3750 (2)——कम्पनो श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्क्षारा यह मुचना दो जातो है कि इस तारीख से तीन मास श्रवमान पर उश्कल केबलम इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा शौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर भगवति एन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० एस० म्रो० 3778 (2)——कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की जपधारा (3) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सुचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास म्रवसान पर भगवति एन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकृल करण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भ्रोर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 ग्रीर सिगमी सिटल प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में

कटक, दिनांक 23 नवस्थर 1979

सै॰ एस॰ भ्रो॰ 386-3776 (2)—कस्पर्ना श्रिधिनयम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एदक्षारा यह सूचना वो जाती है कि इस तारीख से तीन मास श्रवसान पर सिगमा सिटल प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पर्ना विधटित कर दो जाएगी।

कम्पनो भ्रधिनियम 1956 ग्रेंर उत्कल केमिकल एन्ड् आयल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 नवम्बरं 1979

सं० एस० थ्रो० 3772 (2)— कम्पनी श्रिधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एक्क्ट्रारा यह सूजना वी जाती है कि इस तारींख से तीन मास अवसान पर उत्कल केमिकल्म एन्ड आयल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम, इस के अतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर को जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर स्नापरन मिलम प्राइवेट लिमिटेड के लिए में

कटक, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० एस० ग्रो० 3774 (2) -- कम्पनं अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दो जाता है कि इस तारीख से तीन मांस ग्रवसान पर आपरन मिलस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कण्यनी विषटित कर दो जाएगी।

कम्पनियों का रिजिस्ट्रार उर्जुक्ता

मैसर्स एक्मी फारनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी प्रधिनियम, 1936 की धीरा 445 (2) के मन्तर्गत नोटिस।

दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 3153-13804—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 7-2-1969 के आदेश से मैसरी एक्मी फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, आदेशित हुआ है।

> एस० पो० वर्षाष्ठा कम्पनी रजिस्ट्रार दिस्ली एस हरियाणा

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 व मैं॰ ट्रस्ट एसोसिएशन प्राफ ने दी इन्डिया चर्च काउन्सिल प्राफ दी डिमाइपिल्स ग्राफ काइस्ट, जबलपुर के मामले में

ग्वालियर, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 1025/यादव/4212--कम्पनी ग्रिक्षिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के भन्तर्गत, एतद्वारा, सूचना दो जाती है कि मैं० ट्रस्ट एसीमिएशन भ्राफ दी इन्डिया चर्च काउन्सिल भ्राफ दी डिसाइपिल्स भ्राफ फाइस्ट, जबलपुर का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह को समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कीई कीरण न दर्शीया गया तो, रिजिस्ट्ररं से काट दिया जायेगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनो अधिनियम, 1956 व मै० स्मार्ट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर के मामले में ग्वालियर, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 970/यादव/4215—कम्पनो प्रिधिनियम, 1956 को धारा 560 उपधारा (3) के प्रन्तर्गत, एतद्द्वारा, सूचना दा जाती है कि मैं० स्मार्ट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तोन माह को समाण्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 व मैं० मोहनलाल एन्ड मोहनलाल (इन्दौर) प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर के मामले में ग्वालियर, दिनांक 21 नवभ्यर 1979

सं० 872/यादव/4218—कम्पनो अधिनियम, 1956 की धारा 560 का उप-धारा (3) के अंतर्गत, एतद्द्वारा, सुचना की जातो है कि मैं० मोहनलाल एन्ड मोहनलाल (इन्दौर) प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर का नाम, इस सुचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जियेगी, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 व मैं० मालबा घाकर कार्पो रेशन लिमिटेड, भोपाल के मामले में

ग्वालियर, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं 1047/यादव/4221—कमानी प्रधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत, एतद्दारा सुचना दी जाती है कि मैं । मालवा धाकर कार्पोरेशन लिमि-टेड, भोगाल का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरद्ध कोई कारण न दर्शीया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जायेगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर मैंसर्स बालकृष्ण शाह एन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० 239-टेक---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के श्रृतुमरण में एतद्द्वारा मूचना दी जाती है कि मैं० बालकृष्ण शाह एन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम धाज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उन्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर ऐडइनवायस एडवरटार्जिग एण्ड मार्किटिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में नई दिल्ली, दिमांक 21 नवम्बर 1979

सं० 4880/20298—-कम्मनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि एडइनजायस एडवर-टाजिंग एण्ड मार्किटिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम ब्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जी० बी० सक्सैना सहायक रजिस्ट्रार ग्राफ कम्पनीज, दिल्ली

कम्पनी ग्रधियम, 1956 ग्रौर ठाकुर चीफ वोर्डस लिमिटेड के विषयमें

पटना, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० (706) 78-79/4165— कम्मनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतदब्रारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ठाकुर चीफ बोईस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

पी० के० चटर्जी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार

कम्जनी अधिनियम, 1956 श्रीर में सर्स एम० पी० बाडीया बदर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 नवस्बर 1979

सं॰ 560/194—कश्यनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के श्रनुसरण में एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स एम० पी० बाडीया श्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर में काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स धी सईनेनी द्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्रहमदाबाद, विनांक 26 नवम्बर 1979

सं० 560/1280— कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 560 की उप-धारा (3) के धनुसरण में एतदढ़ारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मसमें धी सईनेनी ट्रेडिंग कंम्पनी प्राइवेट लिमिटेंग्न का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कश्यनी श्रधिनिम्नम, 1956 और मैसर्स दर्शन ट्रेडिंग एंड फाईनात्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में श्रहमदाबाद, दिनांक 26 नवस्वर 1979

सं० 560/1570 -- कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं मसं दर्शन ट्रेंडिंग फाईनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी जाएगी।

> जे० गो० गा**वा** प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य,

कार्यालय, कम्पनी पंजीकार, उत्तर प्रदेश कानपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सूचना

सं० 13071/3621-लिक्बि॰ → उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने 1976 की याचिका संख्या 13 पर 18-11-1977 को मेसर्स झल्ट्राबीजन प्राइवेट लिमिटेड 111/98 ए०, अशोक नगर, कानपुर के समापन का आदेश दिया है और कम्पनी के समापक के स्थान पर शासकीय समापक, उत्तर प्रदेश, 33 एक्सन्सटन रोड, इक्साहाबाद की नियुक्ति की है।

> बी० शी० गुप्ता कस्पनी पंजीकार उत्तर प्रदेश कानपुर

प्रकप आई• टी• एस• एस•—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० 919--- प्रतः मुझे के० सुब्बाराव **आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका छनित बाजार मूस्य 25,000/- व• से अधिक है म्बीर जिसकी सं० है जो चंद्रमौली नगर में स्थित है। (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुन्दूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908का 16) के श्रधीन दिनांक को पूर्वोक्त संपत्ति के विश्वत बाजार मूक्ष्य से कम 🕷 दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाआर मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर मन्तरिती (चन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरच के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिबित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण, सिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया क्या है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की दावत, उक्त ग्रांब-नियम के अधीन कर देन के ग्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी निसी आय या किसी धन या मन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनिथम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिषिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए।

सतः सब, उक्त समिनियम की धारा 269-य के सनु-सरच में, में, उक्त समिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के समीन, निम्नलिखित स्थवित्यों; वर्षात्— श्री चाया वॅकट किष्णय्या चन्द्रभौली नगर, गुन्टूर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० रामय्या, चन्द्रमौली नगर, गुन्दूर।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के गर्नत के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की धवधि, को भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवड किश्वी भन्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास शिचित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों मीर पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिवाचित है बही अर्व होगा, जो उस मव्याय में विमा मया है।

अगुजूची

गुन्दूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1274/79 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> के० सुब्धाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 6-9-79 मोहर:

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के प्रधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० 920---- प्रतः मुझे के० सुब्बाराव मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका **उचित बाजार मृह्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है,** भौर जिसकी स० स्टेशन रोड, है जो गुन्टूर में स्थित है (भौर इससे उपाबब अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुन्द्र में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 30-3-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत ग्रधिक है भीर ग्रन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उपत धिवित्यम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, धौर/या
- (च) ऐसी किसी आय पा किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, क्रियाने में सुविधा के लिये;

मतः सव, उन्त श्रविनियम की धारा 269-म के मनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-म की उपधारा, (1) के अधीन, निम्मसिबित व्यक्तियों, अवित :-- 3—366GI/79

- 1. (1) श्रीके० वि० কুল্মন্তি
 - (2) श्री के० एल० प्रस्तामका
 - (3) कें श्रेष्ठिक किनी,
 - (4) के० भ्रार० के० मृति
 - (5) माध्रवीलता 1-1-212, चिकडपल्ली, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

 श्री गुमनन्डी, वेंकटरामय्या, श्यामल दास, श्रग्रहारम, गुन्ट्र ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उस्त सम्पति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध,
 ओ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबब् किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, घश्रोहस्तातरी के पास लिखित म किये जा सकेंगे।

स्पवडी करण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, औ छक्त भिवित्यम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्रुची

गुन्दूर, रिक्स्ट्री अधिकारी से पांक्षिक श्रंत 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1532/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

> के० सुब्बाराव, ंसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज- काकीनाडा

तारीख: 6-9-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भाय कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० 921—ग्रतः मुझे के० सुब्बाराव भाय तर ग्रांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रुपए से ग्रधिक है

भ्रोर जिसकी सं० वार्ड नं० 2 है, जो तेनालि में स्थित है (भ्रोर इससे उगाबद्ध अनुसूची ने श्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री तती, अधिकारी के कार्यालय वार्ड तेनाली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20-3-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्रासा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रेतः श्रेंब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:-- वि तेनालि श्री रामासिगेश्वारा राइस फैक्ट्ररी, लिमिटेड, डायरेक्टर, जगनमोहन राव 7/80, आडीपेट गुन्टूर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री जुलूरि सुब्बाराव पार्टनर, सप्त गिरि दाल मिल बालाजी राव पेट, तैनाली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की भ्रतिध या तम्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दित की भ्रतिध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिष्ठ-नियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, बही श्रर्थ हीगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसची

तेनाली रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रत 31-3-79 में पजीकृत दस्तावेज न० 592/79 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> के० सुख्याराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, काकीनाडा

तारीखः 6-9-79

प्रसम् साई• डी० एन• एत•

आयकर प्रविनियम 1961 (1961 का 43) की घारा

269-प (1) के प्रधीन पुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 भ्रन्तूबर, 1979

सं० 940~-ग्रतः मुझे वि० वि० सुब्धाराव आ ग्रकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपये से बाधक है

मौर जिसकी सं० है, जो विजयवाश में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध मन्सूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विजयवाश में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाश में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाश में रजिस्ट्रीकरण श्रिविवम 1908 (1908 का 16) के ग्रिजीत तारीख 1-3-79 को पूर्वीवत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्मति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्वह श्रितिशत मधिक है और भन्तरक (भन्तरिकों) भी बाच ऐसे भन्तरण के लिए स्थाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरम से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के धन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खोर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिविनयम या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना काहिए वा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-म के पनुसरन में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपसारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अमित्---

- 1. (1) निडमूर्ति सरस्वती, मलापोर, मद्रास,
 - (2) श्रीमती परसा शारदा, विजयवाडा,
 - (3) श्रीमती तल्ला प्रगडा भारती विजयवाडा
 - (4) श्रीमती कोलनुकुदुरु वाणी टी॰ नगर, मद्रास
 - (5) निडमूर्ति, राम चन्द्रराव मैलापोर, भन्नास (अन्तरक)
- 2. (1) कोनेर रमेश कुमार, विजयवादा
 - (2) कोनेस मुरली ऋष्णा, विजयवाडा
 - (3) को नेक विजयकुमारा, विजयवाडा

(मन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाजेप:--

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो की धविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्ररण: --- इमर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भिष्ठितियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस भ्रष्टमाय में विका गया है।

अनुसूची

विजयबाडा, रजिस्ट्री श्रिषिकारी से पाक्षिक संत 31-3-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 1294/79 में निगमित सनुसूची संपत्ति।

> वि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनादा

नारीख: 10-10-79

प्रकप आई • टी • यन • एत •-----

भागकर प्रवितियमः 1961 (1961 का 43) की घारा 269=म (1) के ग्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्याणयः सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 प्रक्तूबर, 1979

सं० 941—- ग्रतः मुझे वि० वि० सुब्बाराय
धायसर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है); की
बारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विष्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका विकत
बाजार मूक्य 25,000/- व्यये से प्रधिक है
ग्रीर जिसकी सं० है, तथा जो विजयवाडा में स्थित है
(ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है)
रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण

(धीर इससे उपाबद्ध मनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयबाडा में रिजस्ट्रीकरण
श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23-3-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के
बूग्यमान प्रविफल के लिए धन्यरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूक्य, इसके बूग्यमान प्रविफल से ऐसे
बूग्यमान प्रविफल का पन्तह प्रविक्तत से धिषक है और
धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच
ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निस्नलिखित
बहेश्य से उन्त अन्तरण किकित में वास्तविक कप से खिवत
नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम, के मधीन कर देने के अक्षरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धीर/या
- (ख) ऐसा किसी आय या हिसी धन या अथ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

त्रतः ग्रम, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269क्ष के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269क्ष की उपन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— भी भूनकापस्ली, ग्रमर मुमार, विजयवाडा ।

(धन्तरक)

 मैसर्स पापुलर शू मार्ट, विजयवाडा ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी झाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रादा;
- (क) इस सूचना के राजंपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्थ क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्शीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के शब्दाय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थे होगा, को उस शब्दाय में दिशा वसाई ।

वनुसूची

विजयवाडा रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं 0 1926 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

वि० वि० सुब्बाराय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-10-79

्र प्रकप धाई • ठी • एन • एस • -----

भागकर मिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनाँक 10 अन्त्बर 1979

सं० 943-प्रतः मुप्ते वि० वि० सुब्बाराव

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की बारा 269-का के अधीन सम्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूझ्य 25,000/- रु∘ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो काकिनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय काकिनाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 190 8 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9-3-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के अवित बाजार मूख्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिक्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उत्तक वृष्यमान प्रतिकल से ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पम्नह गतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरित (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रविक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घरतरक के वायित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविज्ञा के विष्] भौर/वा
- (ख) ऐनी किसी माय या निसी वन या प्रथ्य वास्तियों को जिल्हें भारतीय वायकर मिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिवनियम, या वन-कर मिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, क्रिपानें में सुविधा के निए;

अतः अब, उमत अधिनियम भी धारा 269ग के मनुसरण कें, में, उनत अधिनियम की धारा 269म की प्रपत्तारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, जगौतः——

- 1. (1) भी के ० लक्षिमि , का किना हा
 - (2) ए० के० राजस्वरि,
 - (3) बैलूरी मोहन राव श्रीर
 - (4) बैलूरी सावित्रम्मा, काकिनाडा
 - (5) बैलूरी राम किष्ण राव

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स मनासा एंटर प्राइसेज काकिनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्वन के तिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाकेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विवबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्तालरी के पास मिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त कन्दों मोर पर्वो का, को जन्द श्रिश्तियम के बन्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं धर्ष होगा; को उस ग्रज्याय में विया क्या है।

मनुष्यो

काकिनाडा रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1183 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> वि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख: 10-10-79

प्रकार काई∙ दी∙ एत० एत०----

नायकर निविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269म (1) के बन्नीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अन्तूबर, 1979

सं०944— ग्रतः मुझे वि० वि० सुब्बाराय आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उमत अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उच्चित बाजार मूक्य 25,099/- व॰ से अजिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है, जो नूजबीडु में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय नूजबीडु में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख 14-3-79 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रदिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से श्रिष्ठक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन व पत्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) याउक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः मन, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) मन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रणीत्ः—

- 1. (1) भी एम० भीनिकास प्रपारावु , मद्रास
 - (2) एम० वि० एस० प्रप्पाराव मंत्रास
 - (3) एम० रघ म्रप्पराव्, मद्रास
 - (4) के० कौसल्या श्रप्पाराव, मद्रास
 - (5) एम० जगदीस्वरम्मा, मद्रास
 - (6) जे० जयश्री कुमार, मद्रास
 - (7) एम० वि० जौतम, अप्पारावु, महास

(मन्तरक)

- 2 (1) रजिस्ट्रार, श्रंधा यूनिवर्सिटी, विशाखापसनम
 - (2) प्रेसिडेंट भीर करसपांडेंट, घर्मा भ्रप्पारावु, कालेज नृजवीद् ।

(झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उषत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्तों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रवंहोगा, जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसची

नूज्यीड रजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक 15-3-79 में पंजीकृत बस्तावेज नं० 622 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> वि० वि० सुब्बाराव सक्तम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, काकीताडा

तारीख 10-10-79 मोहर:

प्ररूप साई० टी० एन० एत०--

श्रायकर द्मिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्तूबर 1979

सं० 945—म्प्रतः मुझे बी० वि० सुब्बाराव, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० 36-8-33 है जो काकिनाडा में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्श्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गय प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रिधि-नियम के भ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए।

त्रतः शव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के झनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--- श्रीमती जालनादेवी एलियांस जलनादेवी, काकीनाडा ।

(ग्रन्तरक)

 श्री नल्लिमिल्लि वीरा राचवरेड्डी, काककीनाडा ।

(भ्रन्सरिती)

कोयह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, वहीं भ्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा, रिजस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं 0 1587 में निगमित ग्रनुसूची संपक्षि।

> बी० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 17-10-1979

मोहरः

प्रकप धाई । ही । एन । एस ०----

प्रायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनारा

काकीनाडा, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1979

सं० 946—यतः मुझे बी० वि० सब्बाराव धायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के घिता सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र वाजार मूह्य 25,000/-स्प्र से प्रीक है

भीर जसकी सं० 19-4-34 र तथा जो काकिनाडा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 24-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का सचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिखत से बधिक है भीर अन्तरक (पन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न- लिखित उद्देश्य से उनत भन्तरच विश्वत में बास्तविक एप से क्षित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रश्वरण से हुई किसी भाग की बाबत, उकत अधिनियम के सभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी माय या किसी झन वा मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 26% में अमुसरण में। में, उन्त अधिनियम, की धारा 26% च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्वात्:— 1. भी पि० राज गोपाल,
 प्रमाकर स्ट्रीट, काकिनाडा ।

(ग्रन्तरक)

(1) डाक्टर विद्व वेंकटेस्वर राव काकीनाडा
 (2) डाक्टर विद्व पदमाराघ, काकिनाडा।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूलना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रथिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष, जो भी श्रविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी धन्य क्यन्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों मौर पदों का; जो उक्त प्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिकाषित है। वही धर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया बया है।

धनुसूची

काकीनाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं 0 1489/79 में निगमति अनुसूची सम्पत्ति

> बी० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंग रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-10-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 प्रक्तूबर, 1979

सं० 947—स्रतः मुझे घीं० वि० मुखराव स्नायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्निधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√-६० से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० है, जो विजयवाा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक मार्च, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के भ्रष्टीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित :——
4—366G1/79

- श्री एलमचिल बसवा रावु, विजयवाडा।
 - (2) एलमंचलि राधा कृष्ण, विजयवाडा।

(प्रन्तरक)

2. श्री पि० भास्कर मूर्ति, विजयवाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकान की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, भीरत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :——
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त भ्रधिनियम', के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

भनुसूची

विजयवाडा, राजिस्ट्री ग्रधिकारी में पाक्षिक श्रंत 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1870 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> बी० वि० सज्बाराव सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारी**ख** 10-10-79 मोहर: प्ररूप धाई• टी॰ एन॰ एस॰--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर पायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1979

सं० 948—शतः मुझे बी० वि० सुब्बाराय
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के अतीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्वाम करने का कारण
है कि स्थावर मन्त्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/क्पए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० है जो काकिनाडा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अथधकारी के कार्यालय काकिनाडा में रजिस्टीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-3-79 पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिविष्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (अ) ऐसी किसी याय या किसी घन या ग्रम्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भ्रन-कर ग्रीधनियम, या भ्रन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री डि॰ ग्रंपा श्रप्पाराव, काकिनाडा
 - (2) श्रीमती डि० कृष्ण कुमारी, काकिनाडा भौर
 - (3) श्रीमती लक्कराजु शेषा कुमारी, काकीनाडा (श्रन्तरक)
- 2. जी० ग्रार० लोखी

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्य वाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितवड़
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रिधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के घट्याय 20-क में परिकाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसुची

काकीनाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज-नं० 1535 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> बी० वि० सुबाराव सक्षम प्राधाकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-10-79 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार69-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1979

सं० 949—श्रतः मुझे बी० वि० सुब्बाराव श्रायकर ग्रिशितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशितियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिशित सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 32321 है जो तनुकु में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुस्ची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय तनुकु में रजिस्टीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे न्या वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने र्के ई अतरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त भधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :--- श्री पी० डी॰ सत नारायण , ्तनुकु ।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती ईमंदि कन्वाम्मा ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यश्राहियां करता है।

उन्त सन्यत्ति के प्रजैन के सन्बन्ध में कोई भी प्राक्षय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इत सूवना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में
 हितबद्ध किती स्रप्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रोर पदों का, जो 'उक्त श्रिविनन', के अध्याय 20क में परिमाधित हैं, वहो अयं होगा, जो उस श्रब्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

तनुकुरजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 547 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> भी० वि० सुब्बाराव ृसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, काकीनाडा

सारीख 10-10-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

धायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ृश्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 10 श्रक्तूबर, 1979

सं० 950--- प्रतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० है, जो पितापुरम में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पितारपुरम में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दण्यमान प्रांतफल से, ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रोर भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियीं) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन मिम्निखित व्यक्तियों, प्रधीत:---

- 1. (1) श्री बोंगु नारायणम्मा, पितापुरम
 - (2) श्रीमती तिरूपति, रामायम्मा राजमंडु।
 - (3) श्रीमती वोंणु नागरतम, मद्रास
 - (4) दि० जानकि, विजयनगरम

(यन्तरक)

- 2. (1) चक्का पल्ली विष्णु मूर्ति
 - (2) चक्कापल्ली सत्या नारायण
 - (3) चक्कापल्ली पापायम्मा

गोल्लाप्रोलु

(4) चक्कापल्ली पदमावति

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पितापुरम, रजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 289 में निगमति श्रनुसूची संपत्ति।

> बी० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधाकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

सारीख 10-10-79 मोहर: प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्तूबर 1979

सं० 951—ग्रतः मुझे बि० वी० सुब्बराव ग्रायकर ग्राधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधितियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो पितारपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पितापुरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 79 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल क पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक हं श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बाच ऐसे श्रन्तरण के तिर्ताशवा गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्दश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसो श्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के श्रवीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः धव, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रयातु:---

- 1. (1) श्रीवतो बोंग नारायणम्मा, पितापुरम ।
 - (2) श्रोमती निश्नति रामायम्मा, राजमंड्री
 - (3) श्रीमती बोंगु नारगरत्नम मद्रास
 - (4) फोने, सत्यतनि, पितापुरम
 - (5) टि॰ जानिक विजयनगरम ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) बंडि चेंद्रराव, माववापुरम, पितापुरम तालूक
 - (2) श्रीमती बंडि बुच्चिराजु ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त समिति के समाध्य में हाई को प्रकार ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित ह, वही शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

पितापुरम, रजिस्टी श्रधिकारी में पाक्षिक अंत 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 366 में निगमित मनुसूची सपति।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीना**डा**

तारीख 10-10-79 मोहर: प्रकप भाई । शी । एत । एस ---

श्रायकर ग्र**क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के** अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यातय, सद्वायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 ग्रक्तूबर, 1979

सं० 952—ग्रतः—: मुझे बि० वि० सुब्बाराव भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-स्पर्य से ग्रिविक है

श्रीर जिसकी सं० हैं, जो विजयनगरम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय विजयनगरम में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6-3-79 की पूर्वोंकत सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित को गई है श्रीर मृत्रे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत्त सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के श्रीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में नास्तर्विक कुप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के जिए;

यत: यव, उन्त प्रधिनियम की बारा 269म के धनुसरक में, में, उक्त ग्रिवियम की बारा 269म की उपधारा (1) अजीन निकासिक्त व्यक्तियों, प्रचित् :---

- 1. (1) श्री या लंगहुा शेषय्या विजयनगरम, ।
 - (2) यार्लगृष्टा श्री रामुलु, विजयनगरम

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स वाणी एंटर प्रैसज, विजयनगरम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवोहस्तामरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भीड्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भयें होगा, जो उस भाड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री श्रधिकारी से पौक्षिक श्रंत 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 572 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> बि० वि० सुब्बराव संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्र[ा]न रेंज् काकीनाडा

तारीख 10-10-79

प्रकप भाई • टी • एन • एस ०----

अध्यक्तर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा

269 घ(1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निदम सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० I/11-79/1104---झतः मुझे डी० पी० गोयल,

भायकर प्रशिविषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपमें इसके पश्वात् 'उसत अधिविषम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रशिव सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार महत 25,000/- ए॰ से प्रधिक है

प्रीर जिसकी सं० 104, ग्राफिस फ्लैट पहली मंजिल सिनेमा कम्पलैक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 2-3-79 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एन्द्र प्रतिमात संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एन्द्र प्रतिमात संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एन्द्र प्रतिमात से ग्रीस ग्रम्तरित (ग्रन्तरिक) की कीच ऐसे ग्रम्तरक (ग्रन्तरक) और ग्रम्तरिती (ग्रन्तरिक, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण सिखत में वास्तिबक क्ष्प से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) धश्तरण से हुई कियी धाय की बाबत उक्त श्रीवित्यम के अधीय कर बेने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बजने में मुनिधा के लिए। बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धण्य वास्तियों को, लिम्हें भारतीय प्रायकर धिर्धानयम, 1922 । 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षणार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया धा लिए। जाना चाहिए धा, खिपाने में सुविधा के लिए।

बतः प्रवः उद्त अधिनियम की बारा 269-म के अनुसरण में में, उदत अधिनियम की घारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अचित् 2---

- 1. मैसर्स डी० एल० एफ० यूनिट लिमिटेड, [21-22, नरेन्द्र प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. (1) एस० हरभजन सिंह
 - (2) एस० इन्द्र सिंह,
 - {(3) गुरुदर्शन सिंह और
 - (4) डा॰ कल्याण सिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह सचदेव एस/490-ए, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका संपत्ति के अर्जन के क्रिए कार्यवाहियाँ करना हुं।

बक्त संति। के अर्थन के संबंध में कोई भी शासीन :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिस की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोद्धन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यड किमी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिम्बित में किए आ सकेंगे।

स्थव्हीकरक :— इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ब्रिधिनयम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं श्रव होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

यभूत्यी

धाफिस पलैट नं० 104 (पहली मंजिल) सिनेमा कम्पलक्स बिर्दिश ग्रेटर कैलागबश्य, नई दिल्ली । प्रापर्टी निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : 40 फूट सङ्क

पश्चिम : 80 फुट सड़क ग्रेटर कैलाश II, कालोनी

उत्तर : चिराग दिल्ली कालका जी रोड,

दक्षिण : ग्रेटर कैलाश II (निवास प्लाट नं० ई/588

भौर ई० 615)

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, विल्ली, I नई दिल्ली-1

तारी**व:** 23-11-79

मोहरः

प्रकृप आई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्योलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1
4/14क, आसफ अली मार्ग, मई दिल्ली

निर्देश सं श्राई० ए० सी ०/एक्यू ०/१/1105/11-79/—ग्रत: मुझे, डी० पी० गोयल,

नई दिल्ली, दिनांक 23नवम्बर, 1979

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उकत प्रीवित्यम' कहा गया है), की वारा 289-ख के प्रधीन संज्ञम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति, जिसका उक्ति बाजार मूह्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

म्रीर जिसकी सं० एग्रीकल्चरल लेण्ड, 25 बीघा 2 विश्वास) है तथा जो गांव जाउनापुर, तहसील मेहरौली, डिस्ट्रिक्ट दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध म्रनुसूची में म्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का16) के म्रधीन तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से घिषक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (स) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की गावत उक्त श्रीविनयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिंधनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रनः सब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के सबुसरण में, में उन्त धिधनियम की धारा 269-ग की ख्रांशारा (1) के अधीन, निस्तिविद्धित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री सुन्दर लाल, एन० 124, पंचशीला पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. मास्टर तुसार पाठक (माईनर) सुपुत्र श्री कृष्ण पाठक गांव मोरीया, डिस्ट्रिक्ट श्रलीगढ़ क्षारा पिता श्री कृष्ण पाठक, वर्तमान निवासी फाऊद अञ्चास विला, नं० 2, जुमेर, दुबाई (यू० ए० ई०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाजेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितवद किसी जन्य न्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताशरी के पाग लिखित में किए जा सकींगे।

श्यव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वयां का, जो 'खबत श्रवि-नियम', के भव्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो जम भव्याय में दिया गया है

अनुसूची

एग्रीकल्चरल जमीन क्षेत्र फल 25 बीघा 2 विश्वास स्थित गांव जानापुर, तहसील मेहरौली देहली स्टेट देहली। निम्न प्रकार से स्थित है।

किला नं ० 6/2, क्षेत्र फल 1 बीघा 13 विश्वास किला नं ० 7/2 क्षेत्र फल 1 बीघा 13 विश्वास किला नं ० 8/2 क्षेत्र फल 4 बीघा 12 विश्वास किला नं ० 9/2 क्षेत्र फल 3 बीघा 16 विश्वास किला नं ० 13 क्षेत्र फल 4 बीघा 16 विश्वास किला नं ० 14 क्षेत्र फल 4 बीघा 16 विश्वास किला नं ० 15 क्षेत्र फल 3 बीघा 16 विश्वास

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23-11-79

मोहरः

प्रकर माई∙ ही॰ एत∙ एत∙⊸---

भायकर प्रमिनियम 1981 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अभीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज; नई दिल्ली 4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/I-1106/11-79— श्रतः मुझे डी०पी० गोयल,

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्त 25,900/- व॰ से विधिक है

भौर जिसकी र्सं० एग्रीकरूचरल लैण्ड 22 बीघा 8 विश्वास है तथा जो गांव जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीम दिनांक मार्च 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिक्रम के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रम का पृश्वह प्रतिशत से प्रश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितवों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के सिए तय पाया नया प्रतिक्रम, निम्ननिक्षित उद्देश्य से कृत्य अन्तर्ण कि सिए तय पाया नया प्रतिक्रम, निम्ननिक्षित उद्देश्य से कृत्य अन्तर्ण कि सिक्त में वास्तिक कृत्य के कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्वरण से हुई जिली आय की बाबत उन्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्वरण के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में गुजिबा के लिए। और/या
- (च) ऐसी किनी भाग या किसी घन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहियेथा, खिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उपन प्रधिनियमं ना बारा 269-म के समुसरण में, में स्थतः प्रधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थान, निम्नलिखित यथित्यों, स्थीत् :—— 5---366G1/79 श्रीमती प्रेम मोहोती लाल एन-124, पंचशीला पार्क, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी शारदा पाठक (माईनर) सुपुती श्रीकृष्ण पाठक गांव मोरिया डिस्ट्रिक्ट श्रलीगढ़ थ्रो उसके पिता श्री कृष्ण पाठक, वर्तमान पता: फाऊद श्रब्बास विलानं० 2, जुमेर दुंबई (यू० ए० ई०)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशम की तारी बारे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पाब लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वही अर्थ होगा, को उस धन्याय में दिया गया है!

ग्रनुसूची

ऐग्रीकल्चरल लैंग्ड क्षेत्रफल 22 बीघा 8 विश्वा को पाईनिंग निम्न खसरा नं० स्थित जोहनापुर तहसील मेहरौली, डिस्ट्रिक्ट देहली।

किला नं० 17 क्षेत्रफल 5 बीया 215 विश्वा किला नं० 18 क्षेत्रफल 4 बीया 16 विश्वा किला नं० 22 क्षेत्रफल 4 बीया 9 विश्वा किला नं० 23 क्षेत्रफल 4 बीया 9 विश्वा किला नं० 24 क्षेत्रफल 2 बीघा 19 विश्वा

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख: 23-11-79

प्रकप आई॰ टी॰ एम॰ एस॰---

आयकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज,-1, नई दिल्लीब्110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/I/1109/11-79-अतः मुझे डी० पी० गोयक्ष,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्वात् 'उन्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सभम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ध्पए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी मं० वी-4/129 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण, ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मीर भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तइ प्रतिगत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रिमियम के अभीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या;
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिम्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिम्नियम, या धन-कर भिम्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: घव, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त धिवियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बबीब, निम्बिबिट व्यक्तियों, धर्वात् :-- 1. श्रीमती ऊमा श्ररोह, गलीनं ० 2, मकान नं ० 4970, शिव नगर, करोल बाग नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

 श्री ग्रमरीत लाल सेठी, निवासी बी 4/124, लाजपत नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की मनित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी अ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हिसब क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकीं।

श्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं॰ बी-4/129, पार्ट 2 एरिया 100 वर्ग गँज जो स्थित है ग्रमर कालोनी, लाजपत नगर,4, नई दिल्ली।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 23-11-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/ा/1109/11-79-म्रतः मझे डी०पी० गोयसः

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

म्रोर जिसकी संख्या 1एच/10, है तथा जो कालका जी नई दिल्ली में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीत तारीख मार्च 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (च) एसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्तं घधिनियम, की भारा 269-ग के धनुसरण में, पें, एक्तं धिधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के भारीम निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रांगीतु:— প্রী ক্ত⁶ লিমরক गनपुली 14/10, কালকা সী, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 डा॰ सुखायेव सहगल ए-1/2, पंचशील ईनकलेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणित की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जां सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिक्ष-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि लीज होल्ड प्लाट पर क्षेक्षफल 1560 वर्ग फिट में स्थित हैं नं० 14/10, कालका जी, नई दिल्ली-19।

> डी० पी० गोयस सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-I, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीड: 23-11-1979

प्ररूप साई० टी०एन० एम०---

सायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के यथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक ए आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/ I/1111/11-79---श्रतः मझे डी०पी० गोयल

आयकर अधिर्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका चित्रत बाजार मूख्य 25,000/- वश्ने मधिक है,

श्रीर जिसकी संख्या बी-4/58 है तथा जो श्रमर कालोनी लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के जीव ऐसे अन्तरक किए लय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तर्थ जिखित में बास्तरिक कम कम से काबत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किली महण हा किया हर या मण्य मास्तियों को, रहाई अलगर अधिनियम, 1922 (1922कर 17) वह उन्हें अधिनियम, या मन-कर मिनियम, २०७७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती तारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुनिका के लिए।

जतः अग, उत्तत श्रितियम की प्रारा 269-म के जतु-सरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की भ्रास 269-म की उपद्वास (1) के अभीन, निष्तिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती साकुन्तला देवी खन्ना धर्मपरनी स्वर्गीय श्री कशतुरीलाल निवास स्थान ग्रार० जेड० 273/ए तुगलकाबाद ऐक्सटेन्शन कालोनी (कालकाजी) नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कुदीप कोर धर्मपत्नी वीर सिंह निवास स्थान वी० 4/58, श्रमर कालोनी, लाजपत नगर-नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के घर्षंत्र के संबंध में कोई भी घासीप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भवित्र या तश्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य क्यनित द्वारा, मन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण : --इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो जनत प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो, उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुज्बी

प्रोपर्टी नं० बी० 4/58, श्रमर कालोनी, लाजपत नगर नई दिल्ली निम्न प्रकार से स्थिति हैं। क्षेत्रफल 100 वर्ग गज नोर्थ प्रोपर्टी नं० बी-4/57 साऊथ प्रोपर्टी नं० बी-4/57 ईस्ट सर्विस लाईन वेस्ट रोड

> श्री० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23-11-79

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज़-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू० I/1113/11-79-म्रतः मुझे डी०पी० गोयल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से श्रधिक है उचित बाजार मूल्य भौर जिसकी संख्या दुकान नं० 4 है सथा जो सेन्ट्रल मार्किट लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रन, उनत श्रिक्षियम की भारा 269-ग के श्रन-सरण में, मैं, उनत श्रिधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रवीत:---

- (1) श्री नरेन दास पु०श्री भोजराज निवासी II-एफ/99, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भ्ररुण कुमार पुत्र श्री किशन लाल निवासी बी० 5 को० भ्रो० सोसायटी, एन० डी० एस० ई०-1 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री सुरेश पारुथी बी० श्राई० लेन मेरठ कैन्ट

(बह ब्यक्तित जिसके आधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धार::
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ध्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 4 जिसका क्षेत्रफल 263 वर्ग फीट है तथा जो सेन्ट्रल मार्किट लाजपत नगर में स्थित है।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सङ्खायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

न्नामकर नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 23 नवम्बर, 1979 निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० ग्रार० III/3-79/

1114--- प्रतः मुझे डी० पी० गोयल जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्यान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

धौर जिसकी संख्या डी०-16/5 है तथा जो होजखास एन कलेव नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन तारीख 6-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) स्मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत गय, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीन, निम्निणिकत व्यक्तियों प्रयति — (1) श्रीमती रानीचन्दा कुनवहीं पत्नी स्व० में० जनरस महाराज श्री हिम्मत सिंह जी निवासी डी-16/ई० होज खास, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री प्राण नाथ सरीन 4, डाक्टर लेन, गोल मार्किट, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साब्दी हरण --इनमें प्रयुक्त गब्दों और पदी का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 1/2 मंजिला मकान जो प्लाट नं० 16 ई० ब्लाक नं० डी० होज खास इन्कलेव नई दिल्ली क्षेत्रफल 275 वर्ग गज जिसकी सीमार्थे निम्न प्रकार हैं।

उसर प्लाट नं० डी-16/डी० दक्षिण प्लाट नं० डी-16/ई० पूर्व सड़क पश्चिम सर्विस लेन

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीय**: 23-11-1979

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०---

भामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

श्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

भौर जिसकी संख्या सी-150 है तथा जो डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनिय॰, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :—

(1) मेसर्स पंजाब तेल डिस्ट्रीब्यूटरिंग कम्पनी, प्राईवेट लिमिटेड, यो श्री एस० एस० साहनी डाईरेक्टर सी-150 डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किरत सिंह सुपुत्र श्री श्रमर सिंह केयर ओफ मैसर्स जेनिथ साड़ी हाऊस, 2402-03 हरध्यान सिंह रोड, कारोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुनना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इप सूतका के राजनक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रकृषि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तानील के 30 दिन की प्रकृषि, जो थी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सपिता में हित- वह किसी अन्य व्यक्ति दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्मब्दी करण :→-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान नं० सी० 150 डिफोन्स कालोनी नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 401 वर्गगज, निम्नप्रकार से स्थिति है।

ईस्ट प्रोपर्टी नं० सी-151 बेस्ट रोड नोषं रोड साऊथ सर्विस लेन

> बी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली,नई दिल्ली-1

तारीख: 23-11-1979

मीहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

त्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/ I/1126/11-79/---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधीकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— इपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो खेती की भूमि क्षेत्रफल 31 बीगा 9 विश्वा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांव महरौली नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-3-1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त श्रविनियम की धारा 269ना के शतुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की श्रारा 269न्व की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

- (1) श्री एस जनवर्ती, 177, जोर बाग, नई विल्ली। (धन्तरक)
- (2) श्री ए० एन० भन्डारी, पदम भन्डारी 13-बी, सुजान सिंह पाके, नई दिल्ली और एस० भण्डारी, 6 पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इतमें प्रयुक्त सन्दों धीर पदों का, जो जनत ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

बेती की भूमि क्षेत्रफल 31 बीगा 9 विस्वा और वयरिंग नीचे लिखे बसरा नम्बर में एरिया गाँव महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

खसरा मं ०	एरिया बिगा	एरिया विश्वा
2248/2141/577	4	6
2142/2058/577	8	2
2249/2141/577	3	19
2247/2141/677	5	9
	31	8

बी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक बायकर धायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीच : 28-11-79

मोहरः

प्ररूप बाई • टी • एत • एस • -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा

269-च (1) के भधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एसपू०/I/एस० आर० III/
3-79/1131—आत: मुझे डी० पी० गोयल
आयकर सिविनम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्ट धिनियम' कहा गया है), की धारा 26% के
धिनीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्चास करने का कारण है कि
स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द०
से धिक है

श्रीर जिसकी संख्या एस-453 है तथा जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5 मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुखे यह विक्वास करने का कारण है कि मचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके बृक्यमान प्रतिफल से ऐसे दृक्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिकृत से प्रसिक है और सम्तरक (धन्तरकों) और सम्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के निए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेक्य से चक्त सन्तरण लिखित में वास्त्रविक्ष क्ष्म से क्षित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रश्वरण से हुई किसी भाग की बावत, उनत अधिनियम के बधीन कर देने के भन्तरक के बावित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें धिवियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए वा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

चतः वतः वतः विधितियमं की धारा 269ना के प्रमुखरण में; में उक्त श्रिवित्यमं की धारा 269% की उपधारा (1) के विधीतः निम्तिविद्यालयों वर्षात् :⊶--

- भी राजबीर सिंह साधू था ऐटोरनी डा॰ रणधीर सिंह साधू, एस-453 ग्रेटर फैलाश-1, मई दिल्ली। (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती सरल सुधन, 5 टोलस्टय मार्ग, नई दिल्ली-110001।

(म्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविज्ञ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिंत, वो भी धनिंत बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रक्र्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो जस प्रक्र्याय में विया गया है।

अनुसूची

2 1/2 मंजिला मकाम नं० 5 एस-453, जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज जो स्थित है ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> डी०पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीच: 25-11-79

मोहरः

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

धामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षण, सहायक बायकर प्रायुक्त (निरीक्रण)

श्चर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, 23 नवम्बर 1979

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० ग्रार०-III/3-79/ 11136---ग्रतः मझे डी० पी० गोयल

धामकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीत सज़न प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर वस्ति, जिनका उचित बाजार मृह्य 25,000/- धपए से धिकं है

भौर जिसकी संख्या है तथा जो खेती की भूमि क्षेत्रफल 15 बिगा भौर 10 विस्वा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबाद अनुभूची में पूर्व रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांव सतवती तहसील मरौली, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28 मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण, लिखित में वास्तविक का मिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिष्ठित्यम के भिष्ठीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों, को, जिन्हें भायकर मिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्में घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाद्विए था, जियाने में सुविधा के निए;

पत: धव, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिवियम, की धारा 269-व की क्पनारा (1) के अधीन निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री राम सिंह, ज्ञान सिंह, भूप सिंह सपुत्र मोहन ला श्रीर भगत सिंह सपुत्र मोहन लाल फार सेल श्रीर एटोरनी श्राफ महावीर सिंह श्रीर सुखबीर सिंह सपुत्र होशियार सिंह निवासी गांव मेदानगरगी, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री विजय नारायण सपुष्ठ स्वर्गीय सेठ जगत नारायण निवासी 6ए, जन्तर मन्तर रोड, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भगिष या तत्सम्बन्धी ग्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो बी भविष बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ग्राक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रष्टोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सबेंगे।

रंपक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रृष्ठं होगा जो उस श्रष्ट्याय में विधा गया है।

प्रनुत्र्ची

खेती की भूमि एरिया 14 विगा घौर 10 विस्वा, खसरा नं 320 (4-16), 321 (4-4), 323 (5-10), में स्थित है गांव सतवरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

तारीख: 23-11-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979 निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० श्चार०-III/ 3-79/1137/---श्चतः मुझे डी० पी० गोयल

श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर ग्रिशिन जिसका उचित वाजार मूल्य 25 000/- रुपये से ग्रिधिक है,

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो खेती की भूमि क्षेत्रफल 14 बिगा, 6 विषया में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गांव सतवरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 12 मार्च 1979 को

पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफत में ऐस दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि गया:

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत उक्त श्रधि-नित्रम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर बनने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी िन्सी अन्य या िन्धी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

्र भ्रतः भ्रव उक्त श्रधिनियम की घारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:— (1) श्री रामिसह, ज्ञानि सिंह, भूपिसह, सपुत्र मोहन लाल; श्रौर भगति सिंह सपुत्र मोहन लाल, एटारनी आफ महाबीरि सिंह श्रौर मुख्ववीरिसह सपुत्र होशियारि सिंह निवासी गांव मेन्थ्दनगढ़ी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय नारायण सपुत्र स्वर्गीय सेठ जगत नारायण, निवासी 6ए, जन्तर, मन्तर रोड, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीना प्रशत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त महात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षान :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खेती की भूमि एरिया 14 बिगा ग्रौर 6 विस्वा, खसरा नं० 317 (3-18), 318 (4-16), 319 (4-4), 327 (1-बी), में स्थित गांव सतवरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> ङी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक फ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रोंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-11-79

प्ररूप झाई० टी० एन० एस०-

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/I/1154/11-79/-धातः मुझे डी०पी० गोयल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० ई-28 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के मधीन तारीख मार्च, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफिल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या श्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

भतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्राचीन, निक्नालिखित व्यक्तियों, ग्राचीत्:— (1) श्री श्रोम प्रकाश अप्रवाल सपुत्र स्वर्गीय श्री रघुवीर प्रसाद श्रीर श्रीमती हेमलता धर्म पत्नी ज्ञानचन्द अग्रवाल निवासी ए-15/7, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हर भजन कौर परनी एल० एल० पुरी निवासी सी-139, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपल मं प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर चसूना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, ओ उक्त ग्रिविनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रार्थ होगा जो उस ग्रध्याय में वियागया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई-28 क्षेत्रफल 250 वर्ग गज में ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली।

> डी०पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ज**: 23-11-79

प्ररूप भाई० टी• एन• एस•---

भायतर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भ्रिधीन तूचना भारत सरकार

नार्यालय, वहायन प्रामकर प्रामुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एगरीकलचरल लेन्ड 19 विघा 4 विस्वा है तथा जो गांव देहरा मन्डी देहली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियट 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख 17-3-79 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया प्रधा है।—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्रिनियम के घ्रतीन कर देने के घन्तरक के वायिरक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय शायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; स्थिति में सुविधा के सिए;

श्रतः प्रव, उक्त प्रिवितयम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त श्रवितियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रतीन निस्मिनिकत व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) श्री राम चन्द्र मपुत्रश्री श्रमत देहरामन्डी, देहसी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्द्र सपुत्र सीता राम निवासी ऊषा फार्मस भाटी, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **वर्जन के जिए** कार्पवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इन सूचना के राजनत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्वेगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम, के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उत भ्रष्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

एग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 विघा 4 विषया मुमतातील नं० 49, किला नं० 13 (4-16), 14 (4-16), 17 (416) भीर 17 (4-16) देहरामन्डी देहली।

> डी॰ पी॰ गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ज:** 23-11-79

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-III/ 3-79/11561---प्रतः मुझे डी०पी० गोयल म्रायातर भ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रजीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से अधिक है बाजार मृत्य ग्रीर जिसकी संख्या ऐग्रीकलचरल लेन्ड 12 विधा 8 विश्वा है तथा जो देहरा मन्डी दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भाधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

म्रतः, भ्रब, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रार्थात्:--- (1) श्री राम चन्द्र सपुत्र श्री श्रमन निवासी देहरामन्डी देहली।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीशचन्द्र सपुव श्री सिताराम निवासी ऊषा फार्मस नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में शन की तरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऐग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 विधा 8 विष्या मुसतातील नं० 49 किला नं० 23 ऐरिया (4-16) किला नं० 3 एरिया (4-16) धौर मुसतातील नं० 78 किला नं० 8/1 एरिया (2-16) गांव देहरा मन्डी, देहली स्टेट देहली।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक थ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-I देहली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-1979

प्रकप माई• टी• एन• एस•----

भायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घिषीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I देहली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 23 नवम्बर् 1979

भौर जिसकी संख्या है तथा जो खेती की भूमि क्षेत्र फल 7 बिका 5 बिस्वा में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गांव देहरा मन्नी, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16 मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) पौर प्रान्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत, प्रवत्त भित्रियम के भ्रमीत, कर देने के भन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुवि। के सिष; भीर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिश्रिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनयम, या धन-कर भिश्रिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविक्षा के लिए;

चतः भव, उनत चिविनयम की घारा 26 9-ग के चनुसरक में, में, उनत चिविनयम की घारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नविक्ति व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री लेखराम मपुत्रश्री खिमी निवामी देहरा मन्डी, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सतीण चन्द्र सपुत्र सीता राम, ऊषा फार्म, भटी दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्खेंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त धिक्ष-नियम, के घष्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा जो उस धब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की भूमि क्षेत्रफल 7 बिका 5 विश्वास के मुस्ततिल नं० 78 किला नं० 4 (4-16) भीर किला नं० 7 (2-9) के गांव देहरा मंडी, दिल्ली स्टेट, दिल्ली

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269-च (1) के ग्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्गामक आयक्तर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवस्बर, 1979

निर्वेश सं० भाई०ए०सी०/एक्यू०/ 1/1159/11-79/---भ्रतः मुझे डी०पी० गोयल

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 268-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृक्य 25,000/- रुपये से मधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 16 (ग्राउण्ड फ्लोर है तथा जो कमिशायल काम्पर्लेक्स ग्रेटर कैलाण-2 नई दिल्ली-48 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुमूची में पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से कम के बृश्यमान प्रतिकास के निए सम्परित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिज्ञत से स्विक है और सम्पर्क (सम्तर्कों) भीर सम्तरिती (सम्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरक के निए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिखित उद्देश्य से स्वत सम्पर्ण निक्ति में वास्तविक कप से स्वित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी साय की बावत जनत प्रसितियम के सभीन कर देने के सन्तरक के वायित्व म कमी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या ग्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रीविनयम, या बन-कर ग्रीविनयम, या बन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त भिनियम की भारा 269-म के समुक्ररण में, में, उक्त भिनियम की भारा 269-म की उपनारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, धर्मीय:--- (1) मेमर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22, नरेन्द्र प्लेस, पार्रालयामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुन्ना जयपुरिया सी-46, एत० डी० एस० ई०-II, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रभोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय, 20-क में परिचायित है, बही मर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया यया है।

अनुसूची

दुकान नं : 16, ग्राउन्ड फ्लोर, कर्माशयल काम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश, 2, नई दिल्ली निम्न प्रकार से स्थित है।

ईस्ट ग्रदर भूमि

बेस्ट सिनेमा

नोर्थे कालकाजीरोड

साऊथ ग्रो०एल०एफ० सिनेमा काम्प्लेक्स

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

मोहरः

प्रकृष श्राई० टी० एन० एस०→---

म्रायकर् म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज-^I, दिल्ली,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नधम्बर 1979

निर्देण मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/ा/1160/11-79/---श्रनः म्झे डी०पी० गोयल

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रिधीत मञ्जम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जितका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रुपये से श्रीधक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं 1 (निचली मंजिल) है तथा जो कमणियल काम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रविकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, श्रर्था

7--366GI/79

(1) मेमर्स डी०एन०एफ० बिल्डर्स, 21-22, नरेन्द्रा पैलेस, पालियामेन्ट स्ट्रीट. नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा सुकानी, बी-31 कैलाश एपार्टमेन्ट, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति बारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पढडीकरण: → -इतमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत श्रधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं०: (ग्राउन्ड फ्लोर) कर्माणयल काम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाण-Hंनई दिल्ली निम्न प्रकार से है।

ईस्ट श्रदरभूमि वेस्ट सिनेमा नार्थ कालकाजी रोड साऊय डी०एल०एफ० सिनेमा काम्प्लेक्स

> डी० पी० गोयल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

प्रकृप शाई • टी • एम • एस •----

आयकर्मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 व (1) के सभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यात्रः, पहात्रक आयकर पायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/1161/11-79/---अतः मुझे डी०पी० गोयल

धायकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिविनयम' कहा गया है), की बारा 269-ख के भाषीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मिष्क हैं

श्रौर जिसकी संख्या दुकान नं० 6 (ग्राउन्ड फ्लोर) है तथा जो कर्मागयल काम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पनद्रह्म प्रतिशत से धावक है धीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया हैं।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धुन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त मिन्नियम की घारा 269ना के अनुसरण में, में; उक्त अभिनियम की धारा 269ना की उपधारा (1) के मधीन; निम्नलिखित अपक्तियों, मर्थान् :--- (1) मेसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स, 21-22 नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स इन्द्रा प्रसथा, 8 इन्डियन तेल, भवन, जनपथ, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विभ की भविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, वो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य स्थक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उकत श्राधिनियम के श्रष्टवाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस भट्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दुकान नं : 6 ग्राउन्ड कर्माशयल कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली जो निम्न प्रकार से है।

ईस्ट ग्रदर भूमि

वेस्ट सिनेमा नार्थ काम्प्लेक्स

साउथ डी० एल० एफ० सिनेमा काम्प्लेक्स

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/I/1163/11-79/— श्रतः, मुझे डी०पी० गोयल

धायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

भौर जिसकी संख्या ई-223 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीतः—

- (1) श्री डी०पी० सेठ, पुत्र स्वर्गीय श्री सी०एल० सेठ, निवासी-223 ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जै० जी० खाना, पुत्र स्वर्गीय श्री श्रार० जी० खाना निवासी, सी-140, ग्रेटर कैलाग-I, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सेकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हित- वद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ध्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० ई-223, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में जिसका क्षेत्रफल 251 वर्ग गज के केन्द्र में निम्न प्रकार से स्थित है:---

उत्तर = ई-221 मकान दक्षिण = ई-225 मकान पूर्व = सर्विस लेन पश्चिम = सड़क

> डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-1, दिल्ली'

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना मिलियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के मधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि क्षेत्र फल 32 बीघा 1 बिस्वा है सथा जो गांव गदईपुर दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुभूची में पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके पूर्यमान प्रतिकल का पन्दह

- प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वाक्ष्यिक अप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधिनियम के धन्नीन कर देने के धन्तरक के वायिस्य में कभी करने या उससे बवने में सुविधा के लिए भौर/या
 - (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः मन, उन्त मिनियम की बारा 269-गृहे धनुसरण में; मैं; उन्त मिनियम, की बारा 269-च की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:— (1) श्री मेजर जनरल एस० एन० भाटिया पुत्र ग्रार० बी० ग्रार० एन० भाटिया व उनकी पत्नी श्रीमती सावित्री भाटिया निवासी डी० 430 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भूपिन्दर सिंह पुत्र वरयाम सिंह विलोक सिंह चेल व ध्यान सिंह सुपुत्र श्री हरपाल सिंह व श्रमर सिंह पुत्र लहना सिंह गोंव भानपुर श्रोजा, तहसील विलासपुर, रामपुर (उ०प्र०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यकाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्विभित्यों पंच सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी स्विति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रम्य क्यवित द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त भिक्षितियम के भ्रष्टियाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रष्टें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भृमि क्षेत्रफल 32 बीघा 1 बिस्वा (लगभग 6.7 एकड़) गांव गदईपुर, दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-79

प्रधिक है

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०---

स्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंजf I, नf t दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नधम्बर 1979

निर्दोण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/I/1167/11-79— श्रतः मुझे डी० पी० गोयल श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ठ० से

भीर जिसकी संख्या बी०-25 है तथा जो नई दिल्ली साऊथ एक्सटैन्शन पार्ट-I नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत :— (1) श्री गुरुवचन सिंह, पुत्र श्री झन्डा मिंह निवासी 89, हेमकता, नीयर नहरू प्लेस नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री करतार चन्द नारंग पुत्र श्री मूल चन्द श्रौर श्री बलदेव राज नारंग पुत्र श्री करतार चन्द निवासी बी-25, एम० डी० एम० ई० पार्ट- नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रांक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रथे होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुषी

प्रोपर्टी नं० बी-25 जिसका क्षेत्रफल 206 वर्ग गज नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट I नुई दिल्ली में है ।

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज ^I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 23-11-1979

प्ररूप आई• टी• एन• एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देण सं० श्राई० ए० सी० /एक्यु०/I/1168/11-79/---श्रत:, मुझे डी०पी० गोयल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाजार मूक्य 25,000/- वपये से प्रक्षिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो क्षेत्रफल 8 बीघा 10 विस्वा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांव सुलतान पुर नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी पापकी बाबत सकत प्रक्रिक नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, प्रवः, उन्त प्रधिनियम की घारा 269न्ग के प्रनृ-सरण में, में, उन्त धिवियम की धारा 269न्य की उपवारा (1) के अधीन निम्नविश्वित व्यक्तियों, सर्वात् ।—— (1) श्री किरत सिंह सुपुत्र सरदार कुर्बान सिंह निवासी के 244, ग्रेटर कैलाग-I, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धनबीर सिंह मोदी सुपुत्र श्री दयाल सिंह मोदी निवासी एल-19, कालका जी नई दिल्ली-19। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त मन्यों और पर्वो का, जो जनत ध्रधि-नियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ध्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

खेती की भूमि क्षेत्रफल 8 बीघा 10 विश्वा खसरा नं० 50 मिन ईस्ट (4-7) श्रौर 52 मिन ईस्ट (4-3) में टेप-बेल श्रौर चारदीवारी वेल गांव सुल्तानपुर नई दिल्ली

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

प्रकृष आई० टी० एन० इस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरोंज ^I, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नयम्बर 1979

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी पंख्या 265 है तथा जो गुलमोहर एवेन्यू, जामिया नगर श्रोखला नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन तारीक मार्च 1979

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च 1979 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म मुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयोत् :---

(1) श्रीमती बेगम सयीदा खुरसीद धर्मपत्नी खुरसीद धालम, खान निवासी 2-मोतीलाल नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चौबरी मुखतार एहमद खान सुपुत्र चौधरी अब्दुल माजिद खान निवासी 2068 कूचा नाहार खान, दरियागंज, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्ची

एक डबल स्टोरी मकान जिसका म्यूनिसिपल नं० 265 है जो गुलमोहर ऐवेन्यू, जामिया नगर, श्रोखला नई दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 1052,76 वर्ग मिटर निम्न प्रकार से स्थित है।

ईस्ट प्रोपर्टी एम० मुजिब

वेस्ट रोड

नार्थं प्लाटनं० 4 ग्रीर 5

साउथ प्रोपरटीज श्रीमती णाहजहां वेगम ग्रौर श्री सालमन खरसीद

> षी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजर, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

मोहरः ः

प्ररूप थाई• दो•एग• एस•---

आयकर अधितियन, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के धंधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज [, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यु०/I/1172/11-79---म्रतः, मझे डी०पी० गोयल

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के बिधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मूल्य 25000/- इपए से प्रधिक है

भौर जिसकी संख्या पलेट नं० 6 ए (दूसरी मंजिल) कोमिष्यल, कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाण-2 नई दिल्ली में स्थित है (भौर इसमें उपाबह अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री-कार्त के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-3-1979

को पूर्वोकत सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास'करने का गारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया स्था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से जन्त अम्तरण लिखित में

- क) प्रस्तरण से दृई जिसी धाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी (हिया गार वर्ष किमी खत या प्रनर पास्तियां की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये, था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के समुखरण में, में, उनत प्रधिनियम की घारा 289-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नेनियात ध्यक्तियों, प्रयात :— (1) मैंसर्स डी० एल० एफ० बिल्डमं नरेन्द्रा पेलेस निलियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली

(भन्तरक)

(2) श्रीमती श्रमृत कौर धर्मपन्ती श्रोहार सिंह 8ए/47 डब्स्यू० ई० ए० करोलवाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह नृजना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के सर्जन के भिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धान्नेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीया स 45 दिन की सर्वाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, सो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (च) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर ज्वल श्वाबर सम्पत्ति में दितबह किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्तावारी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्त्रक्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर वर्षों का, वा उदत विका नियम के प्रध्याय 20-क में परिवाणित है, बही धर्ष होगा, को उस अन्वाय में दिया गया है।

बनुसूची

पनेट नं०. 6ए (दूसरी फ्लोर) कोमणियल कम्प्लेक्स ग्रेटर केलाण-II, नई दिल्ली-110048 जो निम्न प्रकार से है।

ईस्ट भादरलैंड वेस्ट सिनेमा

नार्थ कालकाजी

साऊथ डी० एस० एफ० सिनेमा कम्प्लेक्स

जी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज , दिल्ली, नई दिल्ली-110001

तारीख: 23-11-79

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • --

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भागकर भागृक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोंज I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

पावकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बरुवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूक्ष्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 7 (ग्र० फ०) है तथा जो सिनेमा कम्मलेक्स ग्रेटर कैलाण II नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपा-वढ श्रापुत्रों में पूर्ण कम ने विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिलत बाजार मूह्य से कम के दृश्वमान प्रतिप्रंत के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंवापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिप्रंत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिप्रंत का पन्त्रह प्रतिगत से धिष्ण है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर प्रम्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिप्रंत निम्नविश्वित स्रदेश्य से उन्त धन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है:—

- (कः) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की भावत, उक्त भिन्न निवम के भ्रमीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में समी करने या जससे अचने में सुविधा के निष्; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायंकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, ग्रायकर प्रक्रिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्नात् :---8---366G1/79 (1) मै० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि० 21-21, नरेन्द्रा पैलेम, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शुष्मा खन्ना पत्नि श्री चन्दर मोहन खन्ना इ-56, ग्रेटर कैलाण II, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त्र) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

क्यब्दीश्वरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० ७ (ग्राउन्ड फ्लोर) सिनेमा कम्प्लेक्स ग्रेटर केलाण II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है

पूर्वं ∜ 40 फुट चौड़ी सड़क

पश्चिम 40 फुट चौड़ी सड़क ग्रेटर कैलाण II की

उत्तर चिरागदिल्ली कालका जीरोड

दक्षिण ∱ रिह्नायणी प्लाटनं० ई-588 व ई-615 ग्रेटरकैलाण -II दिल्ली

> डी० पी० गोयल मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर भिवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भिधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज , नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एकपु०/I/एस० ग्रार०-III/ 3-79/1178—-ग्रतः स्झे, डी०पी० गोयल

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपए से भिधक है

श्रौर जिसकी संख्या 'दुकान नं० 10 (ग्र०फ०) है तथा जो मिनेमा कर्म्प्लैक्प, ग्रेटर कैलाण-II में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15 मार्च 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरंग से तुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिवित्यम के ग्रंबीन कर देने के ग्रन्तरंक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितयम, या धन-कर भिष्ठितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाचा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण के धनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पिनतमों अर्थात:—— (1) डी॰ एल॰ एफ॰ यूनाइटेड लिमिटेड 21-22, नरेन्द्रा प्लेस, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नर्ड दिल्ली-110001

(अन्तरक)

(2) श्री हरीण कुमार पास्मी निवामी मी/171, ग्रेटर कैलाण नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवादियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविव या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविव्व, जो भी प्रविव्व बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथड़ किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पक्टोकरण:—इसमें प्रपुनत शक्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रिष्टि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही वर्षे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गयां|है।

अनुसूखी

दुकान नं ० 10, ग्राउन्ड फ्लोर क्षेत्रफल 302.2 स्कवयर फीट में स्थित है सिनेमा कम्प्लेक्स ग्रेटर केलाग-[[, नई दिल्ली

> डी० पी० गोयल स**क्षम** प्राधिकारी महायक **श्रायकर** श्रायु**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज ^I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

ायकर मोर्घानयम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भागकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० मी० /एक्यू०/I/1189-/11-79---यतः मुझे डी०पी० गोयल

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यम से प्रधिक है

भ्रोर जिसकी सं० ई-572 है, तथा जो ग्रेटर कैलाण नं० [[, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-3-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उन ह दृश्यनान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दर् प्रतिकात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती. (अन्तरितियों) के बांच ऐसे प्रन्तरण ह लिए तय पास ग्रामी हन्य, निम्नाताकत उद्देश्य से उस्त अन्तरण तिकित में महानिक हा । होना नहीं किया ग्राम है:---

- (क) प्रम्तरण में बुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रश्नितियम के सम्बोत कर देते के प्रम्तरक के दायित्व में कमी करत या उससे जनते में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसा किसो बार या किसा बन रा अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

यत: थब, उनत भिधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उनत भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अ**धी**त:—

- श्रीमती रनजीत साहनी धर्म पत्नी श्री छत्तरिमह साहनी निवासी 65/40, नई रोतहक रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- ईश्वर चन्द गुप्ता,
 23/2, युसुफ सराय, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरण: --इमर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभावित है, वही श्रष्टं होगा, जो उम श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फी होल्ड रेजिडेन्सल प्लाट नं० 572 ब्लाक नं० ई क्षेत्रफल 550 वर्ग गज, 459-87 वर्ग मीटर, स्थित ग्रेटर कैनाण, नं० 11, जोिक विराग दिल्ली रोड, रेवेन्यु स्टेट, गांव बाहापूर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

ईस्ट : सर्विस लेन

वेस्ट : रोड

नार्थ : प्लाट नं० ई-574

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

ता**रीख:** 23-11-79

. प्र≢प पाई• टी० एन• एस•------

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीत नूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय ह आया हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-I/1218/11-79--यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'जकत प्रधितिसन' कहा गया है), हो धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर मंगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ब॰ से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० एग्रीकल्चरल लेंग्ड 333 बीघा 12 विश्वा है तथा जो गांव तमेहरौली नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मार्च, 1979 में

1908 (1908का 16) कं अधान माच, 1979 म पूर्वोत्त संपत्ति के उति न नाजार पूज्य से कम के दूष्यमान प्रविक्तल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूर्वोन्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दूष्यमान प्रतिक्रल स, ऐस दृष्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह् प्रतिशत स प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के नोज ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया मया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण निक्कित में न(हाविक रूप से काथेन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम, के प्रधीन कर बेने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी क्रक्तेया उससंबंबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किया घन या ग्रन्थ धास्तिमों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भव: सन्, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री हरपाल सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० सारबजीतिसिंह जनरल एटार्नी, श्री दिलशेर सिंह निवासी युनाईटेड स्टेट ग्राफ अमेरिका।

(ग्रन्तरक)

 मास्टर श्रर्रावन्व गोनका, ग्रौर मास्टर ग्रमीताबा गोनका निवासी 30मूर्ति मार्ग, वसन्त बिहार, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का यह यूवा जारों करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इप नूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो मो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रावीहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दां भीर पदीं का, जा उक्त अधिनियम के भश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

टुकड़ा भूमि का जिसका क्षेत्रफल 33 बीघा 12 विश्वा, किला नं० 19 (4-16) 20(4-16), 21(3-11), 22(4-5), तथा 30(1-16), रिटन्गल नं० 29 श्रोर किला नं० 1(4-16), 2(4-16), 10(2-8) श्रोर 9-2(8) of Rect. No. 46 जोकि कन्स्ट्रक्शन श्रोर ट्यूब बैल स्थित हद बसट नं० 31, रिवेन्यु स्टेट गांव मेहरोली, वेहली।

डी०पी० गोयल स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख 23-11-79 मोहरः प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निक्षा सं० म्राई० ए० सी०/एक्य्/III /1234/11-79---यत: मुझे डी०पी० गोयल

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए से ग्रधिक है

धौर जिसकी सं० एग्रीकल्चरल लेण्ड, 17 बीघा 4 विण्वा है तथा जो फार्म मकान में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विण्ता है) रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए, श्रीर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी द्यान या श्रन्य श्रास्सियों को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम, की भारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— श्री मनमोहन श्रहुजा सुपुत्र श्री हरी मोहन श्रहुजा निवासी एक्स-3, हौज खास, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

मैंसर्स तेज प्रोप्राइटर्स प्राईवेईट लिमिटेड,
 3, जोर बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणित की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त भ्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

ऐग्रीकत्चरल भूमि साथ फार्म मकान, खसरा नं० 1018, 1021, 1026, 1027, 1034/2, 1035 भीर 1036, कुलएरिया 17 बीघा 4 विथ्वा ।

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I,दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-11-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस----

भ्रायकर भिर्वितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई बिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

निर्देण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्य्०/I/1235/11-79—भ्रतः मुझे डी० पी० गोमल

प्रांबकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 12 है तथा जो जयपुर इस्टेट, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 31 मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिन्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिध-नियम के ग्रग्रीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ात: म्रज, उक्त मधिनियम, की धारा 269—ग के मनुसरण क्त भरिनियम की धारा 269—ध की उपघारा (1) के धीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थात् :-- श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी श्री राम रखा कुस्टार निवासी, 12-जयपुर इस्टेट, पूर्वी निजामुद्दीन, नई दिल्ली ।

(ध्रन्तरक)

2. डा० सुरेश गुप्ता, पुत्र श्री श्रार० बी० सिम्रो प्रसाद निवासी बी-48, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्ति पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

एक ढाई [मंजिला मकान नं० 12, जिसका क्षेत्रफल 616.22 वर्ग गज जोकि जयपुर इस्टेट, पूर्वी निजामुद्दीन में स्थित है।

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-11-79

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एम०----

म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

निर्वेण मं० आई० ए० मो० एक्यू०/1170/11-79-यतः मुझे डीं० पी० गीयल

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं एस-3 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख मार्च, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः भव, उम्त अधिनियम की धारा 269-म के भ्रनुसरण में, मैं, उम्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीतः —

- श्री त्रिलोचन सिंह मुरेन्द्र सिंह ग्रीर श्रीमती ग्रमर कौर पु० ग्रीर पत्नी स्व० श्री एस० निरंजन सिंह निवासी 14-बी, फगवारा माडल टाउन, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- श्री नरेश चन्द पुत्र श्री केवल किणन निवासी एम-6, ग्रेटर कैलाण (मार्किट), नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० एम-3, जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है तथा जो ग्रेटर कैलाण-I, नई दिल्ली में स्थित है।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-11-79

प्रकप भाईं । टी • एन • एस • ----

अरायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्व, महायक घायकर धायुक्त (निरीक्क)

ध्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

निर्देश मं० प्रार्ड० ए० मी० /एक्यू०-[/1174/11-79---प्रतः मुझे डी० पी० गोयल

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इशके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 289-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द• से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई-149 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावश्र श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्य प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तर विक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) सम्तरण स हुइ किसी साय की वावत उक्त आधि-नियम के सन्नीन कर देने के सन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; धौर/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी अन या घम्य बास्तियों को, जिन्हें भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम, या अनकर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उन्त भिष्ठिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त भिष्ठिनियम की धारा 269-व की उप-घारा (1) के अधीन निम्नत्तिकत व्यक्तियों अर्थात्।---

- श्रीमती संतोष मैंनी,
 85, बल्लभ भाई नगर, इन्दौर
 श्रव 12-डब्ल्यू० मेन पटेल, रोड, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरक)
- श्री गुरिबन्दर सिंह खुराना ई-118, ईस्ट ग्राफ कैलाण, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

की यह मूचना जारी अपरके पूर्वोक्त संतित के पर्वन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त संपत्ति के भर्तन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 39 दिन की घवधि, जो भी घवधि
 बाद में समाप्त होती ही; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की कारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवद किती मन्य व्यक्ति द्वारा, सम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रश्नुत ग्रन्थों भीर पर्थों का, जो ग्रिकिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभावित हैं, वही भर्च होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई-149, क्षेत्रफल 251 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाण-[[नई दिल्ली में स्थित है।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन र्रज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-11-79

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 5 श्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० 111-350/अर्जन/79-80:—- स्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड सं० 8/15 सर्कील नं०- 23, सीट नम्बर 67 होल्डींग नम्बर 4 (पुराना) 6 (नया) है तथा जो अशोक राज पथ पटना में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के राजार स्थान के स्थान की स्थान

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त घछि-नियम, के घडीन कर वेने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः, ग्रबः, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री धब्दुल मोइज सपुत्र सेख धब्दुल धजीज मुरादपुर थाना पीरवहीर पटना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती साविति देवी पत्नी श्री जय नाथ प्रसाद "राधीका निवास", श्रनुग्रह नारायण रोड़, न्यू ऐरीया कवम कुग्रां जिला--पटना।

(ध्रन्तरिती)

- (i) मैसर्स टाप टेलरिंग, मुरावपुर पटना ।
- (ii) मैसर्स बीग वेन वाचेज, मुरावपुर, पटना। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रयधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उसंग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का हिस्सा 2 माना 8 पाई जिसका रकवा .37 कड़ी है जो मुरावपुर, अशोक राज पथ थाना पीरवहीर पटना में स्थित है भीर पूर्ण रूप से:—-वस्तावेज संख्या 1805 विनांक 26-3-79 में वर्णित है भीर जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजिकृत है।

ज्योतीन्त्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, सिहार, पटना

विनोन : 5 प्रस्तूबर, 1979

मोहर:

9-366GI/79

प्रकप द्वाई० टी० एन० एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के घश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीकण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, धिनांक 5 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० 111-350/म्रर्जन/79-80:--म्रत: मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 (पुराना) 15 (नया) सर्किल नं० 23 सीट नं० 67 ही लड़ींग नं० 4 (पुराना) 6 (नया) है तथा जो श्रशोक राज पथ पटना में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-3-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और प्रश्तरक (अम्बर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से इक्त अन्तरण लिखित में बालाविक रूप से खबित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त पश्चित्तियम, के प्रधीन कर देने के प्रभारक के दायित्व में कभी करने या उच्छे यचने में सुविधा के लिए; घौर/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या भग्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिवित्यम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में मुनिशा के सिए;

अतः सर्व, उक्त भविनियम को धारा 268-में के सनुबरण कें, में एक्त पविनियम की बारा 269 व की उपभारा (1) के अधीत. निम्न्सिखित व्यक्तियों, सर्वांत्र :--- (1) श्री बीबी सजदा ख़ातुन पन्तिन महमद नसीघद्दीन, महल्ला गृदरी थाना खाजकला, पटना सीटी जिला पटना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रनिल प्रसाद (2) सुनिल प्रसाद (3) रंजन प्रसाद (4) प्रवेग कुमार गुप्ता सपुत्र श्री जय नाथ प्रसाद राधीकानिवास, श्रनुग्रह नारायण रोड़, न्यू ऐरीया, कदम कुन्नां, पटना-3।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1. नसर्स टॉप टेलरिंग, मुरादपुर पटना।
2. मेसर्स बिंग बेन वाचेज, मुरादपुर, पटना।
(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में
सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी घाछीप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्य अ्थिकत द्वारा मधोहस्ताकारी के पास विकाद में किए जा सकेंगे।

रपच्छी चरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के ग्राह्मीय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं गर्ये होगा, जो उस अध्याय में बिमा गया है।

भनुसूची

मकात का हिस्सा 2 प्राना 8 पाई जिसका रकवा .37 कड़ी है भीर जो मुरावपुर प्रशोक राज पथ थाना पीरवहीर पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1808 दिनांक 26-3-79 में विणित है भीर जो जिला प्रवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर ष्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारी**वः : 5 प्रन्त्वर**, 1979

प्रकृप साई • डी • एन • एस • -----

बायकर ब्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269म (1) के श्रमीत तुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन परिक्षेत्र, पटना

पटना, विनांक 5 अन्तूबर, 1979

निदेश सं० III-352/म्रर्जन/79-80:---म्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्द प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 28,000/-क्षम से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० वार्ड-ं० 8 (पुराना) 15 (नया), सर्कील नं० 23 सीट नं० 67 होल्डींग नं० 4 (पुराना) 6 (नया) है तथा जो भगोक राज पथ पटना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे वृष्यमान प्रतिपत्त का पन्तर्त का पन्तर्त (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्य के लिए तय पामा गया प्रतिपत्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक अप से किंवत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त धर्विक नियम के बधीन कर देने के धर्मारक के सायिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के जिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रश्य प्रास्तियों को जिम्हें भारतीय प्राय-कर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाद्यिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सर्वः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-य के प्रमुख्यक में, में, एक्ट व्यधिनियम की बारा 269-व की चपवारा (1) के अधीन, निव्यक्तिया व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री असरफ श्रालम सपुत्र सेख श्रब्दुल हमीय महल्ला मुरादपुर, पटना (2) बीवी श्रनवर ख़ातुन पत्नी गयासुद्दीन हछल, मस्जीद लेन, मुरादपुर पटना (3) बीबी सहदा खातुन पत्नि श्रब्दुल कलाम हजल पुरानी चौक, फथहा जिला पटना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रनील प्रसाद (2) सुनील प्रसाद (3) रंजन प्रसाद (4) प्रवेश कुमार गुप्ता सपुत्र जय नाथ प्रसाद 'राधीका निवास' श्रनुग्रह नारायण रोड़, न्यू ऐरीया कदम कुश्रां, पटना।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1 मैसर्स टॉप टेलरिंग मुरावपुर , पटना ।
2 मैसर्स बीग बेन वाचेज, मुरावपुर, पटना ।
(वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षिभोग में
सम्पत्ति हैं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनम सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीख से
 45 दिन की सर्वित्र या वस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वित, को मी
 सर्वित्र बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्ष्रताक्षरी के पास चिक्तित में किए जा सकेंगे।

क्यब्बीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वों का, जो उक्त प्रधिक नियम कि प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रची होना जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान का हिस्सा 2 म्राना 4 20/33 दाम जिसका रकबा 0.37 कड़ी है जो मुराद पुर भ्रशोक राज पथ थाना पीरवहौर पटना में स्थित है भीर पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1864 दिनांक 28-3ब79 में वर्णित है भीर जो जिला भ्रवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 5-10-79

प्ररूप पाई टी एन एस----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 5 श्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० III-353/प्रजंन-79-80:— प्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 (पुराना) है 15 (नया) सर्कील नं० 23 सीट नं० 67 होल्डींग नं० 4 (पुराना) 6 (नया) है, तथा जो प्रशोक राज पथ पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन, तारीख 30-3-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और यह कि प्रन्तरित (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त मधिब नियम, के भ्रधीन कर वेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौरया
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भ्रव, उक्त ग्रधिनियम की धार 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यतियों भर्मात →

- (1) श्री जुनेव श्रालम सपुत्र सेख श्रव्दुल हमीद महुल्ला मुरादपुर थाना पीरबहौर पटना (2) बीबी श्रमगरी खातुन सपुत्र डा० सेख श्रव्दुल हमीद, पत्थर की मस्जीद सुलतान गंज, पटना (3) नसीरजद्दीन सपुत्र श्रली हसन, मुरावपुर थाना पीरबहौर पटना (4) बीबी नूरजहान खातुन पत्नी हैदर खान, सुलतान दानापुर (5) बीबी मोद्दना खातुन पत्नि नियाज श्रहमद खान, तरहट्टी बाजार कलकत्ता—39, (6) बीबी सौसवा खातुन पत्नि चिरागजद्दीन, मनदाई रोड़, पत्थर की मस्जीद, पटना। (श्रन्तरक)
- (2) अनिल प्रसाद (2) सुनिल प्रसाद (3) रंजन प्रसाद (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिध-नियम के प्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं भ्रथें होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान का हिस्सा 1 धाना 17 है वाम जिसका रकवा .37 कड़ी है जो मुरादपुर भ्रशोक राज पथ पटना में स्थित है श्रीर पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1926 दिनांक 30-3-79 में विणित है भीर जो जिला भ्रवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजिकृत है।

ण्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन परिक्षेक्ष, बिहार, पटना ।

तारी**ख**: 5-10-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 5 श्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० III-354 धर्जन/79-80:---श्रतः मुझे, जयोतीन्द्र नाथ, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से

प्रधिक है

भौर जिसकी सं० वार्श्व नं० 8 (पुराना) 15 (नया) सकींल नं० 23 सीट नं० 67 होल्डींग नं० 4 (पुराना) 6 (नया) है, तथा जो भ्रशोक राज पथ , पटना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुबं सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्टीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-3-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत उक्त शिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भाय भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितियम, या धन-कर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:--- (1) 1. श्री राजधर म्रालम सपुत्र सेख ग्रब्दुल हमीद 2. सुश्री सहिदा खातुन सपुत्री डा० सेख भ्रब्दुल हमीद, मुरादपुर, थाना पीरवहार, पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री भ्रतिल प्रसाद 2. सुनिल प्रसाद 3. रंजन प्रसाद 4. प्रवेश कुमार गुप्ता सपुत्र जय नाथ प्रसाद 'राधीका निवाश' श्रतुग्रह नारायण रोड़, न्यू ऐरीया कदम कुँग्रां, पटना।

(ग्रन्तरिती)

(3) 1. मैसर्स टॉप टेर्लारंग मुरादपुर, पटना ।
2. मैसर्स बिग बेन वाचेज, मुरादपुर, पटना ।
(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उनत सम्यत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्र कितो अन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त गब्दों और पदों का, जो ग्रायकर ग्रिध-नियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

मकान का हिस्सा 1 श्राना $13\frac{5}{11}$ दाम जिसका रकबा 0.37 कड़ी है जो मुरादपुर ग्रामोक राज पथ, पटना में स्थित है श्रीर जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1877 दिनांक 28-3-79 में विणित है श्रीर जो जिला श्रवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकरी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: ५ म्रक्तूबर, 1979

प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एव॰----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म(1) के भ्रधीन सूचना

मारव सरकार

कार्यालयः सङ्गयक मायकर मायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत, पटना पटना, दिनांक 5 श्रक्तूबर, 1979

निवेश सं० III-355/भ्रर्जन/79-80--भ्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र

नाथ, शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), भी घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है मि स्थावर सम्पत्ति जिसका चित्रत बाजार मूल्य 25,000/-६० से मधिक है

भौर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 (पुराना) 15 (नया) सर्किल नं० 23 सीट नं० 67 होल्डींग नं० 4 (पुराना) 6 (नया) है, तथा जो भ्रशोक राज पथ पटना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 28-3-79

को बूर्वोक्त संपत्ति के डिलित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से मधिक है भीर प्रन्तरक (पन्तरकों) भीर पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उन्त अन्तरण विकित में वाश्यविक उप से जिल्ला हों लिया गया है —

- (क) ग्रन्तरण से हुई फिटी याय की वावत उक्त शिक्ष-नियम के श्रधीन कर देने के शक्तरक के वासिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के खिए। श्रीए/सा
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी कत या भ्रम्य भास्तिमीं को, जिन्हें भारतीय भागकर ग्रह्मित्रमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रह्मित्रमम, या अन-कर श्राधित्रमम, या अन-कर श्राधित्रमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती हारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाका काहिए का, स्मिन में सुविधा के लिए;

श्रवः सन, उन्त श्रधिनियम की श्रारा 269-ग के धनु-श्रद्ध में, में, उन्त श्रिष्टानियम की श्रारा 269 व की उपकारा (1) के श्रधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, ग्रवंश्---

- (1) श्री जफर श्रालम सपुत्र सेख प्रब्दुल हमी

 मुरावपुर थाना पीरबहौर पटना (2) बीबी सरवरी

 खातुन परिन खुरणीद श्रालम, पुरानी चौक, फतुहा

 जिला पटना, (3) सुश्री सोलेहा खातुन संपुत्री सेख

 श्रब्दुल हमीद, मुरादपुर थाना पीरबहौर, पटना ।

 (श्रन्तरक)
- 2. (1) ग्रनिल प्रसाद (2) सुनिल प्रसाद (3) रंजन प्रसाद (4) प्रवेश कुमार गुप्ता सपुत्र जय नाथ प्रसाद 'राधीका निवास' अनुग्रह नारायण रोड़, न्यू ऐरीया कदम कुआं, पटना ।

(भ्रन्तरिती)

(1) मैसर्स टॉप टेलरिंग, मुरावपुर, पटना ।
 मैसर्स बीग बेन वाचेज, मुरावपुर, पटना ।
 (वह व्यक्ति जिसके घ्रिधभोग में
 सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के घीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकरी के पास विकित में किए जा सकेंगे।

श्वन्तीकरण:--इसमें प्रवृक्त कव्यों और पर्यो का, को उक्त प्रश्चिमियम के ग्रध्याय 20-क में परिचाणित है, वहीं प्रचे होगा, को सस कश्याय में विया बचा है।

अनुसूची

मकान का हिस्सा 2 म्राना $4\frac{20}{33}$ दाम जिसका रकवा 0.37 कड़ी हैं जो मुरादपुर भ्रशोक राज पथ, पटना में स्थित हैं भ्रीर पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1876 दिनांक 28-3-79 में विणित हैं भौर जो जिला भवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजिकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन परिक्षेन्न, बिह्वार, पटना ।

तारीख: 5--10--79

प्रकप भाई । टी । एन । एस -----

आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म(1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 21 न्यम्बर, 1979

निदेश सं III-364/ग्रजंन/79-80:---ग्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक आयकर ग्रायुक्त ग्रजंन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इतनें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-स्पर्ये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० नया होल्डींग नं ० 1292 वार्ड नं ० VII राचीं म्यूनसपेलटी है, तथा जो जेल रोड़, पूरव (ईस्ट) थरपकना रांचीं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-3-79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्लरित की गई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्दह प्रतिमत अधिक है भीर यह कि भग्तरक (अग्लरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के जिए तय परा गा प्रतिकत, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त धग्तरण लिखिन में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िक्सी भ्राय की बाबत उक्त श्रिक्षित्यम के भ्रधीत कर देने के भ्रग्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के खडीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुलेता सरकार पत्नी श्री मुगील कुमार सरकार जेल रोड, रांची।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गौरी शंकर प्रसाद, ग्राधिवक्ता साहिद रोड़, पोस्ट ग्राफीस के समीप गया।

(म्रन्तरिती)

(3) श्री पारस नाथ स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया श्रपर बाजार, रांची ।

> (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप---

- (क) इस तूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर नूचना की तामील से 30 दिन की भविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी यन्य व्यक्ति द्वारा, धभोद्क्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्ही इरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदीं का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

वनुषुची

जमीन का रक्धा 8 कट्टा 4 छटांक दो मन्जीला पक्का मकाम सिंहत जो जेल रोड़, थरपकना के पूरव रांची में स्थित है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 3098 दिनांक 30-3-1979 में विजत है तथा जिला निबन्धन पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजिकृत है।

ज्योतीन्द्र नाय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 21 नवम्बर, 1979

प्रकृप भाई • टी • एत • एस •---

आयकर घछिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269व (1) के घछीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 18-9 1979

फा० सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/93/79-80—-यतः मुझे, एस० के० बिलय्या

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-व० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 10/1 तथा 10/2, मौजा दुधलगांव खुर्द है, तथा जी दुधलगांव खुर्द में स्थित है, (श्रीर
इससे उपावत श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बुलढाना में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-3-79
को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान की
प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्तह
श्रीतशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकाल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत श्रीत-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी कदने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च धन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए।

स्रतः प्रव, उक्त स्रिधिनयम की धारा 265-ग के **वन्** जरण में में, उक्त प्रविनियम की धारा 265-व की उपवारा (1) के अधीन निकासिबात व्यक्तियों, स्वात्।——

- (1) श्री भागवत श्रोंकार भारंवे, दुधलगांव खुदं, पोस्ट विद्याली, ता० मलकापुर, जि०: बुलढाना (श्रन्तरक)
- (2) श्री वासुदेव सावलराम कोल्हे, दुधलगांव, पोस्ट: चिखली, ताः मलकापुर, जि० बुलढाना (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी अटके, पूर्वोस्त सम्पत्ति के झर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकातन की तारी का से 48 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा, सबोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरन्:---इसमें त्रमुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त ग्रीध-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रम होया को उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुवृत्ती

कृषि योग्य 13.28 एकर जमीन जिसका सर्वे नं० 10/1 तथा 10/2 है, तथा जो मौजा दुधलगांव खुर्द, पोस्ट: चिखली ता० मलकापुर, जिला: बुलढाना में स्थित है।

> एस० के० बिस्लय्या सक्षमम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीब: 18-9-1979

प्रकृष माई॰ दी॰ एन॰ एस॰---

आवकर ग्रीविनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रीन पूर्वना रत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, ठम्कर-बंगला, गिरीपेड़ नागपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

फा॰ सं॰ ग्राय॰ ए॰ सी॰/ग्रर्जन/94(1)/79-80--यतः मुझे, एस॰ के॰ बिल्लय्या ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

प्राप्त से प्रधिक हैं

प्रीप्त जिसकी म्युनिसिपल सं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे नं०
12360 है तथा जो श्रीरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपाबब्ध प्रानुसुची में श्रीर पूर्ण क्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय श्रीरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च 1979
को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिणत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती
(श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में स्विता के लिए;

- (1) मैसर्स श्रीरंगाबाद गिनिंग एण्ड प्रैसिंग फैक्टरी श्रीरंगाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेन्द्रकुमार महेन्द्र सुराना, वाच सैंड चौक ग्रीरंगाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज्न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूषना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविध, को औं प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्दों का; को उक्त घितियम के घड्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्य होगा को उस घड्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

एरिया 22204 स्ववेयर फीट जगह, जिसका म्युनिसीपल नं॰ 49-43, तथा सीटी सर्वे नं॰ 12960 है, तथा जो जालना रोड, भौरंगाबाद में स्थित है।

> एस० के० बिल्लय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 25-9-79

प्रकप भाई • डी • एम • एस •--

आयकर प्रचितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सुचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर पायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ठक्कर बंगला गिरीपेठ नागपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

फा• सं० म्राय० ए० सी०/गर्जन/94(2)/79-80—यत: मुक्ती, एस० के० विलय्या बायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपए से अधिक है श्रौर जिसकी म्युनिसीपल नं० 4-9-43, सीटी सर्वे नं० 12960 है तथा जो श्रौरंगाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी को कार्यालय, श्रौढ़ंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 79 के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोस्त सम्पत्ति का खन्ति बाबार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का। पन्द्रहः प्रतिज्ञत से प्रश्चिक है बौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरित (मन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कवित नहीं कियागया 🕻 ।---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उनते अधि-नियम, के मधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिकी हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाका चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिक्;

अतः मन, उनत बधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में। में, उनत भविनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बबीन निम्निविधित व्यक्तियों, भवीत्:-

- (1) मैसर्स ग्रीरंगाबाद जितिंग एण्ड ग्रैसिंग फैक्टरी, ग्रीरंगाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वसंती देवी कान्तीलाल सुराना, वाच लैण्ड चौक, ग्रौरंगाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्थेन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कः) इस सूचना के राजपत्र में पकाचन को नारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्कीकरण :--इसर्में प्रयुक्त अन्तों घीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20 क में परिभाषित है, बहो प्रश्नेद्रीमा जा उस प्रध्याय ने दिया गया है।

प्रमृत्यो

एरिया 46835 स्क्वेयर फीट जगह, म्यूनिसीपल नं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे नं० 12960 हैं, तथा जो जालना रोड, भौरंगाबाद में स्थित है।

> एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 25-9-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

याप हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

निर्देश सं ०फा० श्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/94(3)/79-80— यतः मुझे, एस० के० बिलय्या, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक हैं

भीर जिसकी सं व्युनिसीपल नं व 4-9-43 तथा सीटी सर्वे नं 12960 तथा जो भीरंगाबाद में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भीरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-श की उपधास (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीन्:—

- (1) मैसर्स भौरंगाबाव जिनिंग एण्ड प्रैसिंग फैक्टरी, श्रौरंगाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री गौतमकुमार सुराना, वाच लैंग् चौक, श्रीरंगाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त मध्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एरिया 33915 स्क्वेग्नर फीट जगह जिसका म्युनिसीपल नं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे नं० 12960 है, तथा जो जालना रोड ग्रीरंगाबाद में स्थित है।

> एस० के० बिल्लय्या सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 25-9-1979

मोहरः

प्रकर पाई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

भायकर प्रितिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनौंक 25 1979

निदेश सं फा० सं० आय० ए० सी०/म्रर्जन/94(4)79-80 ---यत:, सुझे, एस० के० बिलय्या

ध्रायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी म्युनिसिपल तं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे नं० 12960 है तथा जो श्रीरंगवाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रीरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधिन, तारीख मार्च 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिए बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के जिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और धन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, जिन्निशिवत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखत में वास्तिकक, जिन्निशिवत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखत में वास्तिकक कप से कृषित नहीं किया गया है।——

- (क) मन्तरण से तुई किसी प्राय की बाबत, उक्त बाधि-निवम के मधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। शीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या बन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

धतः प्रव उन्त प्रविनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-थ की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवांक्।---

- (1) मैसर्स श्रौरंगाबाद जिनिंग एण्ड ग्रैसिंग फैंक्टरी, श्रौरंगाबाद (श्रन्सरक)
- (2) श्री जयवंत हजारीमल सुराना, वाच एण्ड चौक, भौरंगाबाद (भन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की धविध, को भी धविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बादा;
- (च) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खंधे 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भंधोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हींकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, भी उन्द्व ग्रीमियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं हीगा को उस अध्याय में विवागया है।

अनुसूची

एरिया 46637 स्क्वेयर फीट जगह. जिसका म्युनिसीपल नं० 4-9-43, तथा सीटी सर्वे नं० 12960 है, तथा जो जालना रीड, भौरंगाबाद में स्थित है।

> एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 25-9-79

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰~

धायकर मिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के घटीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर दिनौंक 25 सितम्बर 1979

निदेश सं० फा० सं० स्राय० ए० सी०/म्रर्जन/94(5)/79-80—यत:, मुझे, एस० के० बिलय्या

भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से ग्रिविक है

श्रीर जिसकी म्युनिसीपल नं० 4-9-43 तथा सिटी सर्वे नं० 12960 है तथा जो श्रीरंगाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रीरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमाम प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से खिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भाष-नियम के भधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठित्यम, या धन-कर भ्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सिए।

श्रदः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में; में, उक्त श्रविनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अञ्चीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, श्रवीत् ः—

- (1) मैसर्सू भौरंगाबाद जिनिंग एण्ड प्रैसिंग फैक्टरी भौरंगाबाद (भन्तरक)
- (2) श्री कान्ती लाल जयवंत सुराना वाच लेण्ड चौक श्रीरंगाबाद (भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की ठारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, ओ उक्त धिक नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं धर्म होगा जो उस धरुमाय में दिया गया है।

धनकरी

एरिया 40625 स्क्वेयर फीट, जिसका म्युनिसीपल नं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे नं० 12960 है, तथा जो जासना रोड, ग्रौरंगाबाद में स्थित है।

> एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 25-9-1979

प्ररूप आई० टी० एम० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ठक्कर बंगला गिरीपेड़ नागपुर नागपुर, दिनांक 25 दिसम्बर, 1979

फा॰ सं॰ म्राय॰ ए॰ सी॰ /94(6)/79-80--यतः मुझे, एस॰ के॰ बिलय्या

मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- व्यए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी म्युनिसीपल सं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे सं० 12960 है तथा जो ग्रीरंगबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रीरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्राधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रंधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्स ग्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उक्त समिनियम, की घारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त समिनियम की घारा 269-ण की खणकारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैसर्स श्रीरंगाबाद जिनिंग एण्ड प्रैसिंग फैक्टरी, श्रीरंगाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विजयादेवी प्रेमचन्द खुराना, वाच लैण्ड चौक, ग्रीरंगाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजणन में प्रकाशित की तारीख से
 45 विनं की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जी भी
 श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पवों का, जो उक्त भर्धि-नियम, के भन्नाय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रथ होगा जो उस ग्रन्थाय में विया गया है।

ग्रमुस्ची

एरिया 38675 स्क्वेयर फीट, जिसका म्युनिसीपल नं० 4-9-43, तथा सीटी सर्वे नं० 12960 है, तथा जो जालना रोड श्रीरंगाबाद में स्थित है।

> एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज; नागपुर

तारीख: 25-9-79

प्रक्रम भाई० टी.व एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के धाधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ठनकर बंगला गिरीपेठ नागपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

फा० सं० भ्राय० ए० सी०/भ्रर्जन/94(7)/79-80--यत:, मुझे, एस० के० जिलया भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25:000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी म्युनिसीपल नं० 4-9-43, सर्वे नं० 12960 है, तथा जो जालना रोड श्रीरंगाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भौरंगबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1979

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) घौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हे भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ऋधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में समिक्षा के लिए:

ग्रत: ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:---

- (1) मैसर्स भौरंगाबाक जीनिय एड प्रैसिंग फैक्ट्री, भौरंगाबाद (भन्तरक)
- (2) श्री प्रतापमलजी खुराता, वच लैण्ड, चौक, भौरंगाबाद (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी क्मिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त भवि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रय होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्यूची

एरिया 3,5625 स्बवेयर फीट जगह, जिसका म्युनिसीपल 4-9-43 सिटी सर्वे नें० 12950 है, तथा जो, जालना रोड, ग्रीरंगाबाद में स्थित है।

> एस० के० बस्लिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, नागपुर

तारीख: 25-9-1979

प्रक्रम धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर माय्कत (निरीक्षण) झर्जन रेंज ठक्कर बंगला गिरीपेठ, नागपुर-10

नागपुर, दिनांक 29 सितम्बर 1979

फा० सं० आई ऐसी/95-79-80/सन्यू-यतः, मुझे, एस०के० बिलय्या बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूल्य

25,000/- र• से अधिक है

ष्पीर जिसकी प्लाट नं । 10, सर्वे । नं । 20, डिवीजन नं । 8, है तथा जो नागपुर में स्थित (भौर इसमें उपलब्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बुक्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित माजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्डह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ध्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त सन्तर्भ सिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया वया है :---

- (स) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के शन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या पन्य चास्तिवों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रविनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के जिए।

बतः सब, उनत समिनियम की बारा 269-व के अनुसरण में, मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, प्रचीत् :---

- (1) श्री सरदुल सिंग विशाकासिंग सादले, रामवासपेठ, नागपुर (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गुरुदीपकौर जैबसिंग सादले, रामदास पेठ, नागप्र (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में **कोई थी ग्राक्षेप :--**-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सुषना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीला से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब भिसी बाग्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो मा, को उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रयंहोगा जो उस प्रध्याय में बिना गया है।

अनुसूची

एरिया नं० 10, सर्वे नं० 20, डिबीजन नं० 8 तथा जो वर्धा रोड, रामदास पेठ में स्थित है।

> एस० के० विलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 29-9-79

प्रकृष भाई•डी•एन•एम•----

मायकर बितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के श्रश्नीत मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निवेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/79-80/1364---श्रतः, मुझे कु० का० राय

ग्रावकर प्रिविनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'चवा प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान है, तथा जो जगवलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधंकारी के कार्यालय, जगवलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधंनियम, 1908 (1908 का 16) के, श्रधीन, तारीख 19-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वात करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृत्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे वन्तरका के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित चहेन्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई निसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अश्रीम कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपने बचन में सुविद्या के निष्; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्रथीतः—

- (1) अभी विजय कुमार सामन्त पुत्र स्वर्गीय श्री डा॰ डी॰ सामन्त डिप्टी सैक्ट्री, फाइनेंस, उडिया सरकार भुवनेश्वर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री काशी नाथदास पुत्र श्री बसुदेव नाथ दास, भेडागंज वार्ड, जगदलपुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी जरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी क्पक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, ओ भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्पक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रह्मोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

क्ष्यक्षीकरण :--इसमें प्रयुक्त सन्धी भीर पर्यो का; जो उपत ध्रिमियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अबं होगा, जो उस भ्रष्ट्याम में दिया गया है।

अनुसूची

एक पक्का मकान साथ पक्का कम्पाउण्ड गीट नं० 64, पलाट नं० 17/28 व 17/29 एरिया 5000 वर्गफट नया-पारा बार्ड, जगवलपुर।

> कृ० का० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 5-11-1979

मोहर:

11-366GI/79

प्रकप माई०टी० एन॰ एस०-

धायभर धिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्राय्कत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाब, दिनांक 5 नवस्रर 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/79-80/1365~ यतः मुझे, कु० काँ० राय झायकर प्रसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000/- र॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भिम है, तथा जो पड़ारिया में स्थित है (भीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जाजगीर, में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 12-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूक्यमान प्रतिकाल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्यमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिगत से प्रधिक है और भन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है। ——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रचिनियम के प्रधीन कर देने के धम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; घौर/या
- (ब) ऐसी किसी पाय या किनी घन या प्रस्य भास्तिकों की, जिन्हें भारतीय भामकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भवित्यम या धन-कर भवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मुक्तिया के लिए;

मतः, यंत्र, उन्त प्रविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की घारा 269-ण की उपकारा (1) के अधीन निम्निनिखत व्यक्तियों,प्रयात:--

- (1) श्री संत कुमार सिंह पुत्र श्री गोपालसिंह (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मृष्युन्जम सिंह पुत्र गतरन सिंह ग्राम पड़ारिया तहसील जांजगीर जिला-विलासपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये कार्यवाद्वियां करता है।

उनत सम्मत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में बोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजयत में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्म्बर्धकरमः ---इतमें प्रयुक्त सक्यों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि हु: न. 449, 394, 302, व 497 आप 25.07 एकड़ स्थित ग्राम पड़ारिया।

> क्रु० का० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-11-1979

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के भाषीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेस सं० आई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/ 79-80/1366-श्रतः मुझे, कृ०का० राय

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- हब से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अकान है, तथा जो सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्र नुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शिवक है भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त प्रश्वरण निम्नलिखत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मब, उक्त प्रश्चितियम की धारा 269-ग के झनुसरण में में, उक्त प्रश्चितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नक्षितित व्यक्तियों, प्रशीतः—

- (1) श्री बी० एस० सर्राफ एडवोकेट पुत्र श्री परमानन्द सर्राफ व (2) डा० समरेन्द्र सर्राफ पुत्र श्री बी० एन० सर्राफ एडवोकेट, लब्मीपुरा, सागर (ग्रन्तरक)
- 2: (1) श्री राजकमार पुत्र श्री कुंजीलाल कैंगरवानी व (2) श्री विजय कुमार पुत्र श्री कुंजी लाल कैंगरवानी, जवाहर गंज वार्ड, सागर। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वींक्त सम्पति के अर्जन के लिए एतद्दृदारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस पूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना ने राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकड किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हपड्डीकरण:--इनम प्रयुक्त प्रक्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान स्थित गल्ला मण्डी, तिलक गंज सागर।

कृ० का० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त) श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-11-1979

प्रकप बाई • ही • एन ० एस •----

आयकर मिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं० माई०ए० सी० एक्बी०/भोपाल/79-80/1367----म्रतः मुझे कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 2-4-1979

को पूर्विकत सम्पत्ति के उकित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ध लिखित में बास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बक्ने में सुविधा के लिए; बीष/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रचट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उस्त अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उस्त प्रक्रिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिकित व्यक्तियों अर्थात :---

- 1. (1) श्री बी० एल० सर्राफ एडवोकेट व (2) समरेन्द्र सर्राफ लक्ष्मीपुरा सागर (अन्तरक)
- 2 (1) श्री हरीशंकर (2)श्री मदल मोहन (3) श्री श्रशोक कुमार सभी पुत्र श्री कुंजी लाल कैंसरवानी जयाहर गंज वार्ड सागर (श्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीवत सम्पक्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी वा के 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवित, जो भी भवधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस शब्याय में विया मया है।

अमुसूची

मकान स्थित गल्ला बाजार तिलक गंज वार्ड सागर।

कृ० काँ० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षक सहायक श्रायकर आयुक्त) श्रजैन रेंज, भोपाल

ता**रीख:** 5-11-1979

प्रकृप भाई • टी • एन • एस •----

बायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल-79-80/1368 ---श्रतः मझे, कृ० कौ० राय,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन समय प्रधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिकायम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-3-1979 को पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है भीर धन्तरल (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नकिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में सम्तिक छ से हिंदी नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरम से हुई किसी आय को बाबत उपन विध-नियम के असीन कर देने के धन्तरक के वासिस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिये; शीर/मा
- (ख) ऐती किया आय या किया घन या अभ्य धास्तियों को, धिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिबे;

जतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपवारा (1) अधीन निस्नलिखित अक्तिमों, भर्वात् :---

- (1) श्री शंकर नरहर रहालकर 20/1 सिख मोहल्ला इन्दौर (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण जी डासौरिया 11/1 लोधीपुरा इन्दौर (2) श्री मोहन लाल 33, कारादीपुरा इन्दौर

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्यक्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई मा प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की झविधिया तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सविधि, जो भी सविधि बाद में समाण्य होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितसद्ध
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकींगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पत्तों का, जो उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परिमाणित है, वही मर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुप्रश्नी

मकान नं० 20/1 पुराना नं० 19 पीछे का भाग स्थित सिख मोहल्ला, इन्दौर।

कृ० काँ० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रजेन रेज, भोपाल

तारीख: 5-11-1979

प्रकार आई। हो। एन। एस। अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के धधीन सूचना

कार्याजय, सहायक मामकर मामकत (निरीजन)

ऋर्णन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/79-80/1369प्रतः मुझे,-कृ० काँ० राय,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसम इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ध के प्रधीन समम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मुख्य 25,000/- ४० के प्रधिक है और

जिसकी सं कान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, रिम्नलिखित बहेण्य से उक्त पन्तरम लिखन में कास्तिक कप सं कथित नहीं किया गमा है:--

- (क) अन्तरण से दुई किसी बाद की बादत उक्त प्रक्षितियम, के प्रधीन कर देने के बाखरक के बाजिस्व में कमी करने या उससे दवने में मुत्रिधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बार या किसी बन वा पर्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर शिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम, या धन-कर शिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया ववा वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के सिए;

अतः, ग्रब, उक्त श्र**धिणवन की बारा 269-न के अनुसरण** में, मैं, उक्त श्रधिनियम की बारा 269-म की उपकारा (1) के भ्रजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री शंकर नदहर रोहेटलकर 20/1 सिख मोहल्ला, इन्दौर (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्री म्रर्जुन कुमार पुछ श्री लक्ष्मी नारायण राठौर (2) श्री राजेन्द्र नागर मैन रोड इन्दौर (3) श्रीमति सुशीला पत्नि श्री म्रशोक कुमार 33 कागदी परा इन्दौर (म्रन्तरिती)

को यह सूनना जारी ऋदते पूनौंनत सम्मत्ति के कर्णन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की नारीबा से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के धीतर भूकोंकत क्यक्तियों में से किसी क्यकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में

 हितवत किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्साक्षरी
 के पास विश्वित में किये जा सकेंगै।

राव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्वो भीर पर्दो का, जो उक्त शिविनयम के मध्याय 20-क में परिनाधित है, वही अर्थ होगा को उन अध्याय में विया गया है।

धनुषुची

मकान नं 20/1 पुराना नं 19, का सामने का भाग स्थित सिंख मोहल्ला, इन्दौर ।

> कृ० काँ० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-11-1979

मोहर

प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एन॰---

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के भाषीत सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर, 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/ 79-80/1370— अतः मुझे, कृ० कां० राय,

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के ग्रधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से भिष्क है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है ग्रौर इससे छपाबद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, 2-3-1979

1908 (1908 का 16 के प्रधीन, 2-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित बाजार मूह्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मूह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से प्रधिक है पीर प्रन्तरक (श्रन्तरकों) पीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितयों), के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित सहेश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जनत अधि-नियम, के समीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; धीर/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी छन या क्रम्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिविनयम, या धनकर घिविनयम, या धनकर घिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्ः

- (1) श्री दत्तारया बापट पुन्न श्री कृष्ण वापट 78, रात्रजी बाजार गली नं० 2 इन्दौर (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्री मसू लाल (2) श्री नारायण व (3) श्री भागीरण (ग्रवयस्क) (द्वारा माली गले हायर श्रीमती पन्ना बाई पत्नी श्री शंकर लाल) सभी पुत श्री शंकर लाल 33 रेणम वाला लाइन, इन्दौर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीत:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समंग्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनती स्रिध-नियम के सच्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी सर्व होगा जो उस सम्याय में दिया गया है ।

अनुपुची

मकान नं० 78 रकबा 2630 वर्गफुट स्थित रावजी बाजार, गली नं० 2 इन्दौर इन्दौर-1

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीकः 5-11-1979

पश्चप गाउँ व टी व एत व एत व क्या कार्यकर अग्नित्म, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 व (1) के ग्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेण मं० ग्राई० ए०सी०/एक्वी०/मीपाल 79-80/1371-- ग्रतः मुझे, क्र० काँ० राय ग्रायं तर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसमें इसके परवात् 'उन्त ग्रीविनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन सभाम श्रीविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 23-3-1979 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिकृत सम्बन्ध (अन्तरिती) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त मन्तरण लिखित में शाम्तरिक का में किया गरा है (मन्तरिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त मन्तरण लिखित में सम्बन्ध का में किया नहीं किया गरा है (---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबस, उनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्यरक के दाधिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीराया
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भाग-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए।

जतः धव, उनत अधिनियम की बारा 269-ग के अनुतरण में, में, उनत अधिनियम की बारा 269-न की उपकारा (1) अधीन निम्मलिबित व्यक्तियों, अर्वात:---

- (1) श्रीलक्ष्मी कान्त मिश्रा पुत श्री धयोष्ट्या प्रसाद मिश्रा करवला पारा रायपुर । (धन्तरक)
- (2) श्रोमतो गंगादेवी णर्मा पुत्री श्री विजय राम णर्मा निवासी महासमुन्द, जिला रायपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह यूचना आरी करके पूर्वीका सम्पति के मंजीन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

बात सम्पत्ति के प्रजैन के प्रम्बन्ध में कीई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मब्बि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मब्बि, को बी भविष बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकामन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सक्ये।

स्पष्टी कर गः -- इस में प्रयुक्त गर्कों और पदों का, जो उस्त अक्षि-निसम के सक्ष्याय 20-क में परिणाणित हैं, बही सब होगा जो जस अस्याय में बिया गया है।

धनुसूषो

मकान वियरिंग नं० 34/1 रकवा 3810 वर्गफुट करवला हार्जीसंग सोसाइटी, रायपुर।

> कु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपास

तारी**ख** 5-11-1979 मोहर: प्रकप आई० टी॰ एम॰ एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6नवम्बर, 1979

निर्देण स० ग्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/79-80/1372-ग्रतः मुझे, कु० कां० राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीमिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मुख्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि श्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रीमिक है और

जिसकी संव मकान है, तथा जो सतना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुख्नी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मतना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-4-79 को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के मानयवृष्ट प्रतिका के लिए एक्तरित की गई है भीर मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिग्रत अधिक है गौर ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिश (अन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर ग्रन्तरण निधित में ग्रन्तिक कप से कवित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधितियम के संघीत करें देने के घल्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे सनने में स्विधा के लिए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रथ्य प्राहितयों की किस्तें पारतीय आध-कर ध्रिवियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त प्रधितियम, या घन-कर ध्रिवियम, या घन-कर ध्रिवियम, १०६७ (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ ध्रक्तियम, १०६० प्रकार नहीं किया गया था या किला आता चारिए का छिपाने में सुविद्या के लिए;

- (1) श्री सन्तोष पुत्र श्री विश्वनाथ तिवारी सतना (भ्रन्तरक)।
- (2) श्री परसराम पुन्न श्री तहल मल सिधी (2) मच्चा नन्व पुन्न श्री टहलमल सिधी व श्री सेवक राम पुन्न श्री गुलाब राम सिधी सतना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तक्सबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी वाक्ति सारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर सकत क्यांवर सम्पत्ति में द्वितवस किसी धन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्ष-नियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्बे होगा गो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रमुस्पी

मकान बियरिंग पुराना नं० 886/1 एण्ड 887 व नया नं० 1007 बार्ड नं० 3 रचुराज नगर सतना।

> कृ० को० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-11-1979

प्रकाश साई । टी । एन । एस ---

आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के घंधीन मूलना भारत सरकार

कार्यात्रय, यहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, भोपाल

मोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० प्राई०ए०सिं०/एनसें०/मोपाल/79-80/1373-भतः मुझे कु० कां० राय, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उनित धाजार मुझ्य 25,000/- क०

से प्रधिक है भीर

जिनको सं० महान है, तथा जो बिनायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूत्रं में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, बिलासपुर में, रिजस्ट्रकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीकान, 3-4-1979

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूस्य उनके वृश्यमार में कि से एए पृश्यमान प्रतिफल का पनदृष्ट्र प्रतिकात से मिलक है पौर अस्मरक (अस्तरकों) प्रोर अस्मारिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्मरण के लिये तय पात्रा गया प्रतिकत्त, निम्नलिधित छहेग्य से अन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कविन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से कुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के पशीन कर देने के घम्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे वचने में ट्विधा के निए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर ग्रीव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उनल ग्रीव्यतियम, या अस-पर शिव्यतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया भाना जाहिए बा, स्थिपने में श्रीबंधा के निश्रे।

यतः, धव, उकत अधिनियम की धारा 269-म के अनुवरण में, में, एकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निविद्यत व्यक्तियों, धवाँक:---

- (1) प्रभुचरन दुबे पुक्त स्व० श्री प्रयामाचरन दुबे विदिणा (2) वसंतचरण दुबे पुत्र स्व० श्री विद्याचरण दुबे एल० आई० जां० कालोनी, इन्दौर
- (2) (1) शिव कुमार (2) श्री लखन कुमार दोनों पृत्न श्री कुलेश्वरनाथ, मदरवाजार, बिलासपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अजंन के लिए कार्यवादियों करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाजेप :----

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी क्यांक्तियों पर सूचना भी तानील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचोंकत क्यांक्तयों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारी आप से 4-5 दिन के भीतर उन्तर स्वावर सम्पत्ति में हिस अप किसी आरम्य क्यमित द्वारा, धाधी हस्ताक्षरी के पाड़ विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाधित हैं, बढ़ी अर्थ होका, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुची

मकाम (भकाम ग॰ 110 ए॰) स्थित गौडपारा, बिलामपुर ।

कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक स्त्रायकर (स्रायुक्त) स्रजन रेंज, भोपाल

तारीखाः 6-11-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० माई०ए०सी:०/एक्वी:०/भोपाल 79-80/1374 मत: मृझे, कृ० कां० राय,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इस में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ इपए से अधिक है

मीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (भीर उपबढ़ अनुसुक्ती में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकित प्रधिकारों के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रोकिरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, 19-3-1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाधि-नियम के भाधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) रेसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269च की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथीत्:—

- (1) श्री बिहारो लाल (2) श्रा रमेश कुमार पुत श्री बीरूमल, बंजारी रोड, रायपुर।
- (2) श्रीमती कान्तादेवी पत्नि श्री बट्ट्रललाल (2) श्रीमती शान्ती पत्नि श्री मनोहर लाल लाखनगर, रायपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मिति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचता से राजनप्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तरतन्त्रन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की अपिध, जो भी अपिध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में पे तिती वाकित बादा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्याक्त ग्रारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धी हरण: - इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उसत श्रधि-नियम के श्रद्धाय 20 ह में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रम्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकाम मं • 12/12 का घाधा माग रकवा 1100 वर्ग-भूट स्थित बंजारो रोड, रायपुर।

> कृ० कौ० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षणी) ग्रजन रेंज, मोपाल

तारीख: 6-11-1979

मोह्रद:

प्ररूप भाई ० टी० एन० एस०----

भायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन क्षेत्र, भोवाल भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० भाई० ए० सो० एक्जी/भोपाल/ 79-80/ 1375--भतः मुझे, कु० को० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त भिधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269—ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ४० से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत, 19-3-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरित (श्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल कि लिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसे किसी घाय या किसी धन या घ्रन्य घ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर घ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मैं, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यम्तियों भ्रामीत :---

- (!) श्री बिहारी लाल व श्री रमेश लाल पुत्र बीरूमल, बंजारी रोड, रायपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गर्गा देवी पहिन श्री गुलाबराय व श्रीमती राधा देवी पहिन श्री धवंदमल, लाखनगर, रायपुर। (श्र तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधो हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो छक्त ध्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ध्रर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

मकाग नं • 12/12 का स्नाधा भाग रकवा 1100 वर्ग-फुट स्थित वंत्रारी रोड, रायपुर।

> क्र॰ कौ॰ राय मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-11-1979

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस०-

आयकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भिर्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्त्री/भोपाल/ 79-80/1376---यतः मुझे कु० कां० राय

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इसके परचात 'उक्त धर्मितियम' कहा गथा है), की धारा 269-ध के मधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर सें स्थित हैं (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से बणित हैं), रजिस्ट्री हर्ना श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 6-4-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है मौर यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रस्तरण निख्व में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के शक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीक/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, फिनाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः। भ्रतः, उक्त प्रधिनियमं की धारा 269-ग के भनुसरण में ,में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री विकम भेन मधुसूदन राव मसकर 5, रेस कोर्सरोड, इन्दौर। (श्रन्तरक)
 - (2) श्री नन्दराम पुत्र श्री दयाराम 26. बनगी गली, इन्दौर। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप--

- (क) इंग भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतृर उक्त स्थावर सम्मति में हितब 4 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीहरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर तरों का, जी उक्त भिष्यतियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा जो उम भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अन्सूची

महान नं 26 का भाग स्थित बनशी गली, इन्दौर।

कु० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 6-11-197**9**

मोहर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/
1377—श्रतः मुझे, कृ० कां० राय,
श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है
श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,
13-4-1979
को पर्वोक्त सम्पत्ति के जन्नत बाजार मल्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मैं वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भीध-नियम, के भीधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; भीर/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः, प्रवं, उक्तं प्रधिनियमं की धारा 269-गं के पनु-भरण में, मैं, उक्तं प्रधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के प्रधीन निस्तिखित व्यक्तियों, प्रपत्ः—

- (1) श्री विकम मधुसुदन राव मतकर 5, रेम कोर्स रोड, इन्वोर। (ग्रन्तरक)
- (2) सर्वं श्री भजन भाई विकस भाई पटेल व (2) श्री प्रवीन कुमार भजन भाई पटेल 26, बक्शी गली, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त गड्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं० 26 का भाग अवशी गली, इन्दौर।

क्ट० कॉ॰ राय, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-11-1979

मोहरः

प्रकृष आई॰ टी॰ एन॰ एम॰-----

आयकर अधितियस, 1961 (19**61 का 4**3) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजेन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नषम्बर, 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80/ 1375- गतः, मुझे, कु० १७० ३०

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान प्रकान 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्रिक्षकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है श्रीर जिंग्नि सं० मंग्नान हैं, तथा जो इन्दौर में स्थित हैं (ग्रीर इसने उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणित हैं), रिजिट्टीकर्ग श्रिव्या श्रीव्या कारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजिट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 30-3-1979

को पूर्वीक्त सम्वित के उचिन नाजार मूल्य से अन के दृश्यमान प्रतिकल के लिए सन्तरित की गई है और मृजे यह विश्वाम हरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाआर मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रति त संप्रतिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर सन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच वृचे सन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत भ्रम्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित मही किया गया है:——

(क) अन्तरण स इड किसो पाय की नाबत. उपत ग्रांखिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के ग्रांथिस्व में कमी गरने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

4) 1

(ख) ऐसी िन्सी जाप पर किए झन पर अन्य प्राध्नियों, की जिस्तें भारतीय सामकर श्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भवितियम, या धन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के बयोजनार्थ भन्तिस्ती द्वारा पक्ट नहीं किया विशा का या किया बाना अधिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अव, उपत अधिनियम का बारा 2004-ग के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्निसिखित अधिनियों अर्थात् :——

- (1) श्री देवराज भाई व (2) श्री जगजीवन भाई पुत्र श्री देसा भाई सोनी बजाज खाना, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्द्र ान्ता बाई परिन श्री काणीमल जी व (2) श्रीमती निर्मला कुमारी परिन श्री नरेन्द्र कुमार जी 68, बजाज खाना, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी धार्खेंप :--

- (क) अप सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होनो हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी स्थानित दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितक कि किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोतृश्ता । रीके पास लिखित में किए पा मकेंगे।

स्पब्धीकरकः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का, को उक्त ग्रीक-नियम के ग्रष्टमाय 20-क में परिभावित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उन श्रष्टनाय में दिना गना है।

अनुसूची

स्युनिसिपल मकान नं० 68, रिक्स दसैरा बाकार, ककाक खाना, इन्दौर।

कृ॰ कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-11-1979

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/ 1379- बात:, मुझे, कु० कां० राय,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें; इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से श्रधिक है।

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्सौर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, इन्सौर में, रिवर्ट्रा-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 31-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के भाषीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या प्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्रीमती सुजन भाई पहिन श्री किशन (2) श्रीमती सरस्वती बाई विधवा पहिन श्री तेजकरन जी व (3) श्री राजेन्द्र पुत्र श्री तेजकरन 36/2, जैन रोड, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री धनश्यामदास 48/4, बजाज खाना, इन्दौर। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रीधनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है '

अनुसू**ची**़े

म हान गं० 8 का भाग स्थित नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर।

> कु०क ०र सक्षम प्राधिकारी. महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, भीपाल

ता**रीख**ः 6-11-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रापुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर, 1979

भायकर, मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात्, 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संयक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 31-3-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भायया किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत :──
13—36601/79

- (1) श्रीमती सुगन बाई पश्नि श्री किशनजी (2) श्रीमती सरस्वती बाई विधवा पत्नि श्री तेजकरन जी व (3) श्री राजेन्द्र पुत्र श्री तेजकरन 36/2, जैल रोड, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बालिकणन पुत्र श्री घनश्याम दास सोनी 48/4, बजाज खाना, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सुवता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्म्ब्डोहरण:----इननें प्रगुना गण्डों स्नौर पदों का, जो उन्त स्रक्षित्यम के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित है, वही स्रथं होगा जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

महान न० 8 का भाग स्थित नेता जी सुभाष मार्ग, इन्दौर।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी. सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख**: 6-11-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ एक्वी० /भोपाल/ 79-80/1381—-श्रनः, मझे, क्र० कां० राय,

शायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भौर इससे उपाबस धनसूची में भौर पूर्ण के कूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 31-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह कि प्रनिरेशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित गहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिगियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भ्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्मालिखित व्यक्तियों, भ्रथीत:—

- (1) श्रीमती सुगन बाई पत्नि श्री किशान जी (2) श्रीमती सरस्वती बाई विधवा परिन श्री तेज करनजी व (3) श्री राजेन्द्र पुत्र श्री तेज करन 36/2, जैल रोड, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- (2) भगवान दास सोनी पुत्र श्री घन श्याम दास सोनी 48/4, बजाज खाना, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **ध**र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाज की तारीख से 45 बिन की अवधि या तित्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :--
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान न० 8 का भाग स्थित नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, भोपाल

नारीख: 6-11-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रापकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 6 नवम्बर 1979

निर्वेष सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी०/ भोपाल/1382/79-80--- अतः, मुझे, कृ० कां० राय, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908/ (1908 का 16) के श्रिधीन, 30-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिन बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रब, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269—ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—— (1) श्री गंगा धर पुत्र श्री कृष्णाराव भटवाडेकर मकान नं० 420, तिलक पथ, इन्दौर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री हीरजी भाई दमेचा मकान नं० 32, गली नं० 2, जैल रोड, इन्दौर। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गव्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 120 प्लाट का क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट स्थित तिलक पथ, इन्दौर।

> क्कु० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीखाः 6-11-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण)

> श्चर्णन रेंज, भोपाल भोपाल, दिसांक 7 नवम्बर, 1979

निर्धेण सं० ग्राई० ए० सी०/एँक्बी०/भीपाल/1383/79-80—श्रतः, मझे, कृ० कां० राम, श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवंति 'उकत श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रुपये से अधिक है

मीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्हौर में स्थित है (भीर इससे उपबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रान्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधि -नियम के भधीन कर देने के भ्रान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भ्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269य के श्रनुसरण में, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रवीम, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयांत्:— (1) श्री राम दुसारे पाठक पुत्र श्री मेबाराम पाठक बजरंग नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नागेश्वर लराव पुत्र श्री घोंडूजी चिखले 9/8, परदेसी पुरा, इन्दौर।

(भ्रग्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध; जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्परकीकरण:→-इतमें प्रपुक्त गर्व्हों और पदों का जो जसत श्रक्षि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं वहीं श्रर्थ होगा जो जम श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंकान नें 9 का सदर्ने पौरणन स्थित रोड नें 9, परदेसी पुरा, इन्दौर।

> कृ० कां० राय, संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1979

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एववी०/भोपाल 79-80/1384—-प्रतः, मुझे कृ० कां० राय, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्राधिक है ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्धौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबंध ग्राम्ची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 21-3-1979

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्प श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए मुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269म के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्री रामदुलारे पाठक पुत्र श्री मेवाराम जी पाठक बजरंग नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भागीरथी बाई विधवा पत्नि श्री पाँडरंग राव चिकले 9/8, परदेसी पुरा, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होत हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भ तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं० 9 का नार्थन पोरशन स्थित रोड नं० 8, परदेशी पुरा, इन्दौर।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1979

रपर्से भश्चिक है

प्ररूप साई≉ डी•एन्० एस०--

कायकर अधिनियम; 1961 (1961का 43) की धारा · 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ऋर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक ७ नवम्बर, 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/1385—अत:, मुझे, कृ० कां० राय, अत्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त भधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार पृत्य 25,000/-

श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो खण्डवा में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खण्डवा में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 19-3-1979

को पूर्वोक्त सम्यान के उचित याजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विषशाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक वे निए तय पाय। गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शक्त कर कर से क्षित नदी किया गया है।

- (स) श्रम्लरण से हुई किसी भाग की सावत, जनत श्रिष्टिमयम के अधीन कर देने के प्रनारक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में गुड़िश के जिए। भीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

भतः प्रव, उत्त ग्रिजिनियमं की शारा 269ना के भनुसरण में, में, उत्त ग्रिजिनियमं की शारा 269न्थ की उपवारा (1) के बाजीन, निश्नितिवित व्यक्तियों, जवाँत् ।——

- (1) श्रीमती गोपी बाई विधवा परिन श्री हरी बल्लें शक्ला ब्राह्मणपुरी करमवीर प्रेस गली, खण्डवा (2) श्री मनेन्द्र कुमार पुत्र महाशंकर पुरोहित राजपुरा, बाड़ी की फेल, बुरहानपुर। (ध्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश चन्द्र व रहेश चन्द्र पुत्र श्री भगवान दास जी गजराती, रामगंज, खण्डवा। (श्रन्तरिती)

की यह तूबना जारी करके पूर्वीका समाति के सर्वेत के निए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन की अविद्या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूजना की तामील से 30 दिन की अविद्या जो भी
 भविद्या बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्डित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधि-नियम, के शब्दाय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होना, जो उस शब्दाय में दिया समा है।

ग्रनुसूची

तीन मंजिला मकान रकबा 2108 वर्गफुट स्थित हरी-गंज (करमवीर प्रेस गली) खण्डवा।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-11-1979

भो**ह**र :

प्रकृष भाई • टी • एन > एस • -----

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के सभीन मुक्ता

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निवेश सं० ग्राई० ए०सी०/एक्वी/भोपाल/ 79---- 80/ 1386--ग्रत: मुझे के० के० 'राय,

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें प्रके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पश्च विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृश्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खुला प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त सम्पांत का उविश्व बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत स्रक्षिक है, भीर यह कि सन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरक के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बाक्तविक कप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त श्रीति-भिन्नम, के ग्रामीन कर देने के श्रन्तरक के शामित्व प्रें कभी करने पा उससे अचने में सृविद्या के लिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्रास्तिवों को जिन्हें भारतीय धाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या बाया किया बाना चाहिए बा, खिपाने में सुविधा के लिए;

भता, शब उक्त ग्रिशिनियम की श्रारा 269ग के अनुसरण में मैं; उक्त शिक्तियम की बारा 269-च की उपबारा (1) के श्रिपीन निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात्।—— 1. श्री सण्जन सिंह पुष्त श्री हुलारामल मेहता पार्टेनर मेसर्स ज्वाय विरुद्ध 208, जवाहर भाग इन्हार (श्रन्तरक) 2. श्री अजय पुत्र श्री समरथ मल जैन, 27/1, बैराठी कालोनी, इन्हीर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ब्राबंन के लिए। कार्यवाधियों करका हं।

चक्त सम्पत्ति के मर्बन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राज्यां में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस मूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ स्थिति द्वारी, ग्रेषोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त लक्ष्यों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रधितियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं पर्वदोगा जो इस भ्रष्याय में दिया गया है।

ग्रमुसूची

खुला प्लाट नं० 12 क्षेत्रफल 4280 वर्गभुट स्थित बल्लभ नगर, इन्दौर ।

> के० के० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-11-1979.

मोहरः

प्रकृष प्रार्थ है। एत एम ----

आयकर त्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, पहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/79—80/ 1387—अत: मुझे के० के० राय,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीत मझन प्राजिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मध्यति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 17-3-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उजित बाजार मृह्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृह्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर पन्तरस (पन्तरकों) और पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घम्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिध; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

धत: मन, उन्त भविनियम की बारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त भविनियम की बारा 269-म की सपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित न्यनित्यों, भवौत:--

- 1. श्री ग्रन्बुल रज्जाक पुत्र श्री विसमित्ला द्वारा श्री यार मोहम्मद पुत्र श्री श्रन्दुल माजिद 11/2, रानी पुरान इन्दौर । (ग्रन्तरक)
- 2. नोराई सोसायटी 50 दौलतगंज, इन्दौर की ओर से प्रश्नियक्ष अब्दुला अन्सारी पिता मोहम्मद शफी निवासी 17, दौलतगंज, मैंन रोड, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाद्वियों करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, ओ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितक के किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्निष्टीकरग:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भीर पर्दो का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धी

एक मंजिला मकान नं० 49, रकबा 858 वर्गफट स्थित दौलतगंज, इस्दौर ।

> के० के० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-11-1979

त्रकृष आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

ग्रायकर अग्रिनियम, 1961 (1961का 43) की ग्रारा 269व (1) के ग्रिपीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7-11-1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/ 1388—श्रतः, मुझे, के० के० राय,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/-र• से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 6-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के छचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्झाइ प्रतिकृत से प्रधिक है धौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण कि बिखित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी धाय की वावत जक्त चित्रियम के श्रधीन कर देने के शन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य धारितयों को, जिन्हें भायकर ग्रिप्तिमयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रित्यम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रेपोचनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के निए;

मतः सन, उत्तर अधिनियम की धारा 20%न के बनुसरण में, में, उत्तर विधिनियम की धारा 20%व की उत्तरारा (1) अधीन, विश्वनिविध व्यक्तियों, बवीद् 1--14--366GI/79

- (1) श्रीमती बान बाई पुत्री ग्रब्धल हुसैन मन्दसीरवासा व (2) श्री कलीमुद्दीन पुत्र हाजी मुल्ला राजव अली बोहरा 280, जवाहर मार्ग, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सकींना बाई पत्नि श्री श्राबिद हुसैन बोहरा 140, रानीपुरा, इन्दौर। (श्रन्तरिती)
- (3) सर्वश्री फलरुद्दीन, कीकाभाई, ग्रली भाई, व देव चन्द ईश्वर चन्द (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रकृत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी
 घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवत किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रमुक्त बन्दों भीर पर्दों का, जो उनत प्रतिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बड़ी पर्य होगा, जो उस प्रध्याय में विषा यथा हैं।

प्रमुखी

मकान नं० 23, स्थित साउध तौड़ा, इन्दौर।

के० के० राय, सक्षम भिक्षकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीवं** : 7-11-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निर्देश सं० घ्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/ 1389—-ग्रत:, मुझे, के०के० राय, घ्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से श्रिधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० खला प्लाट हैं, तथा जो इन्वौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, 9-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह है कि अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) श्री भेंरो सिंह पुत्र श्री गिरधारी सिंह रानावतं 20/3 न्यू० पलासिया, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री नारायण व श्री जगदीश पुत्र श्री सेवाराम जी छात्ररिया 41, जवाहर मार्ग, इन्दौर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्तं सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया हैं।

भ्रनुसूची

खुला प्लाट क्षेत्रफल 11,250 वर्गफुट बियरिंग नं० 33, पलासिया हाना, इन्दौर।

> के० के० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 7 नवम्बर, 1979

निवेश सं० आई ए सी/एनवी/भोपाल 99-80/1390--भतः, मुझे कु० कां० राम,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा

जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन, 15-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भधि-नियम के भधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत:, भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री बाबू राव पुल श्री गोतिन्द राव गायकवाड 9, बैराठी कालोनी न० 1, इन्दौर। (म्रन्तरक)
- 2. श्रीमती दुर्गाबाई पत्नी श्री नारायन राव जोगी व (2) श्रीमति प्रभा देवी पत्नी श्री मधुकर जोगी सागोर जिलाधार (वर्तमान निवासी 6, बैराठी कालोनी नं० 1, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण: → -इसमें प्रयुक्त वाब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्य होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

सीन मंजिला पक्का मकान रकबा 2000 वर्गफुट 6, बैराठी कालोनी नं० 1, इन्दौर।

> क्ट॰ कां॰ राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख 7-11-1979 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० ग्राई ए सी/एक्बी/भोपाल 79-80/1391---श्रतः मुझे क्व० कां० राय,

मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र॰ से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 26-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या श्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त प्रधिनियम्, की भारा 269-घ की उपधारा (1) के भवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:— श्री डूगर सिंह पिता श्री बोथलाल जी सुराना निवासी 42, कोयला बाखल, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार पिता श्री मोती लाल जी भंडारी जैन निवासी 59, बड़ा सर्राफा, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त प्रिधिनियम', के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

चार मृजिला मकान नं० 42 रकबा 410 वर्गफूट, स्थित कोयला बाखल, इन्दौर।

> क़० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**य 7-**11-1979 मोहर: प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०—

भायकर मितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर द्याधुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज भोपाल भोपाल विनौंक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० भ्राई ऐसी/एक्वी/भोपाल 79-80/1392---श्चतः, मुझे कृ० कां० राय, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से घछिक है श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्णरूप ने वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालयं, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 30-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

> (क) म्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिशिनयम के ग्रिशीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रवं, उक्तं श्रिधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तं श्रिधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रव्यांदः—→

- श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री कृष्ण चन्द्र राज खत्नी, राजनिवास केम्प कटनी वर्तमान पता नया बाजार, लश्कर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती कमलादेवी पत्नी श्री शिवनारायण शिवहरे व श्री सुभाष चन्द्र शिवहरे पुत्र श्री शिवनारायण निवासी खुला सन्तार, मोरार। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

धनसूची

मकान का भाधा भाग स्थित डनरा मण्डी, जिला ग्वालियर!

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1979

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰एस॰---

मामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 289व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपास

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० ग्राई ए० सी०/एक्वी/भोपाल 79-80/1393---भ्रत:, मझे के० के० राय,

प्रायकर प्रविनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्वीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूह्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा

जो ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रिधीन, 31-3-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृष्यमान प्रतिकत्त के लिए सम्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके बृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे बृष्यमान प्रतिकत के पन्त्रह प्रतिशत धिस है भीर सम्तरक (सम्तरकों) भी सम्तरितो (पन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त सम्बरण निखित में वाह्तिक हर ने किया नहीं किया गया है :--

- (क) धन्तरन से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के घंधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; धौर/या
- (क) ऐती किसी माय या किसी छन या बन्य मास्तियों को, जिल्हें कारतीय माय-कर मिमियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिमियम, या धन-कर मिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना काहिए था, जिनाने वें सुविधा के शिए;

भतः सब, उनः स्थितियम की बारा 269-ग के समुसरण में, में, उन्त स्थितियम, की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, सर्पात्:——

- 1. श्री खुशीराम पुत्र श्री हीरा नन्द काकवानी, नई बस्ती, वेतनरी हास्पिटल के पास कतनी (वर्तमान नया बाजार लश्कर)। (श्रन्तरक)
- श्रीमित कमला देवी पत्नी श्री शिव नारायण शिवहरे, व श्री सुभाष चन्द्र पुत्न श्री शिवनारायण शिवहरे, खुला सन्तार, मुरार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजैत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो और भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोबत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी बन्य क्यंकित हारा, अधोहस्ताझ दी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्धों धीर पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रदि-भावित हैं, वही धर्य होगा, को उस सक्याय में विवा नया है।

अनुसूची

मकान का भाधा भाग स्थित डबरामण्डी, ग्वालियर।

के० के० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1979

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० ग्राई ए० सी०/एक्वी/भोपाल/ 79-80/1394--भतः, मुझे के० के० राय, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की ारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से

तथा जो इन्दौर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 12-3-1979

अधिक है ग्रीर जिसकी सं० मकान है,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कैंप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की वावत, उक्तः अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविद्या के किए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किका जाना चाहिए वा, जिपानें में सुविधा के लिए।

अत: अव, उक्त ग्राधिनियम, की ग्रारा 269 में अनुः सरण में, मैं, उक्त ग्राधिनियम की धारा 269 में चनुकारा (1) के स्वतीत निम्मविक्तिय व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री पंच्छूलाल मायाराम कश्चयप 93, तिलक पथ, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- श्री चन्द्रकान्त बाल कृष्ण मोडक 15, जती कालोनी, इन्दौर (वर्तमान तिलक पथ, इन्दौर)। (श्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती विद्यावती खण्डेलवाल श्री ग्रोमप्रकाण प्यारे लाल खण्डेलवाल व श्री के० सी० निगम । (वह व्यक्ति जिसके श्रभियोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अख्याय 20-क में परिधाबित है, ब्ही अबंहोगा, जो उस अख्याय में वियागया है।

अनुसूची

मकान नं० 93 रकबा 1800 वर्गफट स्थित तिलकपथ, इन्दौर।

> के० के० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-11-1979

मोहर 🛭

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत संस्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई एसी/एक्बी/ भोपाल/79-80/1395----ग्रतः, मुझे के० के० राय,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-3-1979

(1908 का 16) के श्रधान 28-3-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों)
और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए
तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण
लिखित में वास्तविक कप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धश्तरक के दायित्व में कमी करने या उकते बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, धिविनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रिधिनियम, की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री सुरेश चन्द्र पुत्र टी०सी० गप्ता 13/36 शक्ति नगर, दिल्ली। (भन्तरक)
- 2. श्रीमिति श्ररजा राज्य लक्ष्मी पत्नी श्री रमैंग्या ई-3/100, श्ररेरा कालोनी, भोपाल। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को जी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्यों का, जो उन्त प्रधिनियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस घट्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 100 पर बना मकान ई-3, प्राईवेट सेक्टर, श्ररेरा कालोनी, भोपाल।

> के० के० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-11-1979

with community to the community of the c

प्ररूप आई • टी • एन • एस •----

आयक्तर अधिभियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कौचिन-16 एरणकुलम, दिनाक 23 जून 1979

निदेश सं० एल० सी० 305/79-80---यतः, मुझे, के० नारायणा मेंनीन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'बन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करनें का कारण है कि स्थादर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से मिश्रक हैं श्रोर सिजकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो कालिकट में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कालिकट ने रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 17-3-1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बुख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिकल का परवड़ प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित बद्देश्य से उक्त प्रश्वरण लिखित में बास्तविक कप कपित नहीं किया गया है।--

- (क) प्रश्वरण से धुई किसी प्राय की बाबत, इक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्वरक के दायित में कमी करने या उससे बलने में मुविधा के निए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को; जिन्हें भारतीय धायकर अक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए था, छिपामे में सुविधा के सिए ।

असः गव, उक्त प्रक्षिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) श्री सी०वी० खालिद (2) सी० वी० मोयद्दीन बावा (3) एन० पी० झबूबकर (4) सी० वी मुस्तफा (मी० वी० खालिद के द्वारा)। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सफीया।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वेन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की शब्धि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शब्धि, जो भी शब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर पर्यो का, जो उत्त घान-नियम के धान्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस धन्याय में विया गया है।

अनुसूचो

4/5th right over the property as per Schedule attached to doc. No. 230/79, dated 17-3-1979 of SRO Calicut.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम.

तारीख: 23-6-1979

मोहर:

15---366GI/79

प्रकप मार्च हो। एन० एस।

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के सधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-16

एरणाकुलम, दिनौंक-16 तारीख 19 सितम्बर, 1979

निदेण सं० एल० सी० 341/79-80--यतः मुझे, के० नारायणा मेनोन

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्याम् 'उना अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ इपये ने प्रधिक है और जिसकी संब अनुसुची के अनुसार है, जो विवेन्द्रम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कम में विभिन्न हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, विवेन्द्रम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-3-79 को

(1908 का 16) के अक्षीन 8-3-79 की
पूर्योक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि ययापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत मधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धौर
पन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विश्वित में महाविक का ने किया नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण ने हुई किसी साय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या छन्छे बचने में सुविक्षा के लिए; धौर/या
- (भ्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भाश्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त मिधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री टी०पी० मुकुमारन (ग्रन्तरक) गीता भवन, आसरामथ् चेंरी, क्वीलन~2
- (2) मैंसर्सं कानिच्याय होटल्स (प०) लिमिटेंड (श्रन्तरिती) (द्वारा मैंनेंजिंग डायरेंक्टर बाबू थाँमस) कानिच्याय हाउस अरनगाथ रोड, कोचिन-18

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी उर पूर्वोक्त
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पप्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनयम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा जो उन भ्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

50 Cents of land in Survey No. 646/2 of Vanchiyoor Village, Trivandrum.

के० नारायणा मेनोत, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 19-9-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

यापकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-16

कोचीन-16 तारीख 21 सितम्बर 79

निदेश सं० एल सी० 347/78-80-यतः मुझे, के० नारायणा मेनोन

मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन मझम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्गत्ति, जियका उचित बाजार मून्य 25,000/- इपए से श्रिधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कालिकट में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध धनुसूची में और पूर्ण स्था से विश्तत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बेस्ट हिल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 14-3-1979 को

पूर्वीक्त सम्पति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रतिरित को गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृत प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (श्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिलिबत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण में हुई किसो श्राय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम के प्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें सारतीय आयक्तर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमति के० देविक ग्रम्मा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० सी० काढर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में उमाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपश्टीकरण:--इयमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त ब्रिधितियम के श्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा तो उस श्रक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9/10 th right over 20 cents of land and buildings as per schedule attached to doc. No. 566/79.

के० नारायणा भेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम.

नारीख: 21-9-1979

प्ररूप भाई०टी० एन० एस० -

भायकर भिर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के भिर्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-16

कोचीन-16, दिनांक 12 भ्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० एल० मी० नारायण, मेनोन

79—-ग्रतः मुझे के०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोचीन, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोचीन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिंधिनियम के भंधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ध्रतः मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री रमेश डी० बा०

(भ्रन्तरक)

2. श्री कुलसुम श्रहमद श्रौर फिरदास श्रसलम

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो जक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

13 cents with Bldg. as per Doc. No. 1010/79, dated 16-3-1979 of the Ernakulam.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 12-10-79

ब्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कीचीन-16

कोचीन-16, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 355/79-80—-यतः मुझे के० नारायणा भेनोन

क्षायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो कण्णूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कप्णूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूह्य से कम के के लिए घन्सरित की गई हैं दुश्यमान प्रतिफल विश्वास करने का कारण यह यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ब्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिखित में वास्तविन रूप से कषित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उनत घछि-नियम के घघीन कर देने के घम्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत घिष्टिनयम, या धनकर धिष्टिनयम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के यनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के प्रधीन निम्निकाल व्यक्तियों, अर्थातः --- 1. श्री के० जे० जोर्ज

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती नैला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तं सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भी तर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रक्षाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढडोकरग:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पवों का, जो जनत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया हुआ है।

अनुसूची

13½ cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 780/79.

के० नारयणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,णरणाकुलम

तारीख: 7-11-79

प्ररूप आई० एन० टी० एस०----

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्योजय, महायस घायसर घायस्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एराणकुलम

एरणाकुलम-16, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 356/79-80---यतः मुझे के० नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूहम से कम के वृश्यमान प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रविश्वत से श्रीषक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दश्य से उनंत अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किवा गवा है: ---

- (क) प्रगतरण से हुई किसी भाग की बायत उक्त भाज-नियम के भंधीन कर देने के भन्तरक के वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौरीया
- (ख) ऐसी किसी घाय या निसी वन या घर्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीयं घायकर धिवनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त धिवनियम, या वन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) में प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त पश्चितियम, की बारा 269-य के धनुसरण में, में, उक्त प्रश्चितियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के श्रश्चीन, निम्मणिबित व्यक्तियों, धर्मीत्।---

- 1. (1) रोजा (2) तोमज (3) जैकब (ग्रन्तरक)
- 2. श्री टी० ए० मुहम्मद,

(ग्रन्तरिती)

को पह सुवार गारी करके पूर्वीका सम्माल के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत समाति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:---

- (का) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की धनिधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिधि, जो भी धनिधिवाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राज्यत में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वह किसी अन्य व्यक्ति हारा मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किएजा सकेंगे।

स्रक्वोत्तरण: --इसमें प्रयुक्त शक्वों भीर पदों का, जो छक्त भिधिनियम के भ्रष्टमाथ 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टमाय में विवा गया है।

अमुसुची

18.520 cents of land with buildings in Sy. No. 2346/1, 2, 3 of Ernakulam Village.

कें० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकूलम

तारीख: 7-11-79

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

माथकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेण सं० एल० सी० 357/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संत्रीत निसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ४० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं ० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो पुन्लूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णक्ष से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय पुन्लूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 25-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्षत्र के लिए प्रत्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि श्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रिक्ष है भीर श्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरित्रियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए स्व पाया गया प्रतिक्रन, निम्तिखित उद्देश्य से जक्त सम्तरण लिखित में वास्तविक अप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबल उक्त ग्रिधितियम के ग्रिधीत कर देते के भ्रस्तरक के दाजित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए द्या, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः ध्रवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~ श्री गोविन्दा पिल्लैं

(भ्रन्तरक)

2 श्री प्रवहाम चाको

(ग्रन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के अर्जन के अर्जन के अर्जन है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्रवदीक्षरण :---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्दी का, जो सक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 acres of rubber estate with buildings thereon as per schedule attached to doc. No. 82/79.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-11-79

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 358/79-80—यनः मुझे के० नारायणा मेनोन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु०से प्रधिक है ।

स्रौर जिसकी सं० प्रनुसूची के स्ननुसार है जो पुलून्र में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय अनयल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26-3-1079

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रश्चितियम, या धन-कर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित्:—— 1. श्री गोविन्दा पिल्लं

(अन्तरक)

2. श्री कुर्यन चाको

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 acres 88 cents of rubber estate as per Schedule attached to Doc. No. 1178/79.

के० नारायणा मेनोन सझम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-11-79 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रारकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, एरणाकुलम

एरणाकूलम, विनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 359/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम', गहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रधिक है

भीर जिसकी सं अनुसूची के भ्रनुसार है जो पुन्लूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्रनचल में रिजस्ट्रोकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 26-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रधिक है और अन्तरित (भ्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या ध्रम्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—
16—366G1/79

1. श्री गोबिन्दा पिल्ले

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्रन्नाम्मा ग्रवहाम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रीधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुचीी

4 acres 90 cents of rubber estate in Sy. No. 319/1/67 of Anchal Village.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सहायक स्नायकर स्रायुक्त श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-11-79

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 360/79-80—मतः मुझे के० नारायणा मेनोन
आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्तम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्यमें से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक क्प से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई निसी माय की बाबत उक्त, मधि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, मारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

त्रतः, मन, उनत मिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उनत मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,निम्निक्षित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :— 1. श्रीमती सरस्वति कृष्ण मूर्ती

(ग्रन्तरक)

2. श्री के० एन० सूर्य नारायणन

(भ्रन्तरिती)

.को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसुची

8.125 cents of land with buildings in Sy. No. 1678/1, 2 of Ernakulam Village.

के॰ नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 9-11-79

प्रारूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

कां मकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269म (1) के संधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीशण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 361/79-80-यतः मुझे, के० नारायण मेनोन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख 25,000/- इपए से श्रिधक है

श्रीर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16-3-1979

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ध्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिकत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरम से हुई किसी प्राय की वावत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्त के वाधित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविश्वा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी बाद या किसी बंत या सन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय थायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 में 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रीयिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भूश था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उन्त प्रधिनियम की धारा 369ग के अनुसरण में, में, जन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— 1. श्रीमती सरस्वती कृष्णामूर्ती

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मीनाक्षी सूर्यनारायण

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द मंपत्तिके अर्जन के संबंब में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी ससे 45 विन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि जो भी अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति गएा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बढ़ किसी भस्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी पास लिबित में किए जा सकीं।

स्वस्तीकरण: -- इनमें प्रयुक्त शब्दों और पर्झ का, जी उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में गरि-भाषित हैं, बही पर्थ होगा, को उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

 $10.825\ cents$ of land with buildings in Sy. No. 1678/1 of Ernakulam Village.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीय: 9-11-79

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायंकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोष्जिन-15, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेण सं० एल० सी० 362/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के भ्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— र० से भ्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एलरणाकुलम में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-3-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उदित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उदित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रीर श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल लिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक खप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः ग्रव, उक्त भ्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रश्नीन, निम्निजित क्यक्तियों भर्षात्:— 1. श्री ए० सीताराम मध्यर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीकान्तन सूर्यनारायण

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगत्ति में हित- बढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त गड्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

7.725 cents of land with buildings in Sy. No. 1678/1, 2, 3, 4 of Ernakulam Village.

कें० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 9-11-79 मो**ह**र:

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-16 एरणाकुलम, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेण सं० एल० सी० 363/79-890—यतः, मुझे, के० नारायण मेनोन

याय कर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार मूख्य 25,000/- चवत् से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनसूची के श्रनुसार है जो पालघाट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोल्लनगोड में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 27-3-79 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निये शन्तरित का पई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का जवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकृत पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक ए से किंवत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त व्यक्षित्यम के भधीन कर देने के सन्तरक के वाशिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी निसी माय या जिसी घन या अन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया चाना चाहिए या या, खिपाने में सुविधा के सिए।

जातः सन्त, तन्त धिविनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में उन्त धिविनियम की धारा 269-च की उमधारा (1) के बाधीन निस्तिलिक्ति स्थितियों, अर्थात्:---

- श्री एल श्रमलगु सुन्दरम चेट्टियार तथा ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- श्री भ्रार० एम० मुथुपलिनयप्पा चेट्टियार तथा 15 अन्य । (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विश को प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पदों का, जो उक्त धिविस्थान, के शब्दाय 20-क में परिभावित है, अही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

ग्रनु सूची

842 acres of Coffee and Cardamom estates as per Schedule attached to doc. No. 376/79.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख । 9-11-79

प्रकप धार्द० टी० एत० एस०----

प्राथकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेश सं० राज० /सहा० भ्रा० श्रर्जन/604—यतः मुझे एम० भ्रार० भ्रथवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चिंतत बाजार मूल्य 25,000/- धपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25-ए है, तथा जो उदयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक 19-3-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बालार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत कनत अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए। पौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी वन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

शतः सब, जनन अधिनियम की घारा 269-ग के चनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के घडीन निम्मनिवित व्यक्तियों, घर्षीत्:--

- श्री श्याम सुन्दर पुत्र श्री शोभालाल जी गेलड़ा, निवासी ई-73, चितरंजन मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। (श्रन्तरक)
- मैसर्स लेक सिटी एन्टरप्राइज उदयपुर पार्टनरिशप फर्म क्वारा मैसर्स टाया एण्ड सन्स, बड़ा बाजार, उदयपुर। (श्वन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मजंन के सिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त संपत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी ग्राक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीब से 45 विन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (खाः) इस पूनता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा नकेंगे।

स्पश्डीसरब :---इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जबत शिक्षित्यम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मधं होगा, जो उस मझ्याय में दिया बया है।

प्रनुसुची

प्लाट नं ० 25-ए, न्यू फतेहपुर पर स्थित गेलड़ा कुटीर नामक मकान सम्पत्ति का छठा भाग जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रमांक 750 पर दिनांक 19-3-79 की पंजीबद्ध विकय पल में भीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० म्रार० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 9-11-79

प्रकप बाई• टी• एम• एस•----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-च (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1079

निदेण सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/602—यतः, मुझे, एम० ग्रार० ग्रग्रवाल

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूस्य 25,000/- रु• से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25-ए, है तथा जो उदयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19 मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए धन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रश्च प्रतिकृत से प्रविकृत है भीर धन्तरकों भीर धन्तरित (बन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिकृत, निम्नतिविद्यत बहेन्य से उक्त धन्तरण विश्वित में बास्तविकृत कुप से कवित नहीं किया गया है!—

- (क) अन्तरण ये हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त प्रतिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कभी करने या प्रसंखे बचने में स्विधा के लिए; प्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी क्षण या अन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर कवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत कवित्यम, या अन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया वा या किया वाना वाहिए वा, कियाने में स्विका के निए;

थत। प्रव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के बनुसर्व में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उप-धारा (1) के प्रधीन, निक्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात् !~~ श्री रोशन लाल पुत्र भेरुलाल जी गेलड़ा, निवासी 64, धूलेश्वर गार्डन, सी-स्कीम, जयपुर।

(म्रन्सरक)

 मैसर्स लेक सिटी एन्टरप्राईजेज पार्टनरिपप फर्म, द्वारा मैसर्स टाया एण्ड सन्स, बड़ा बाजार, उदयरपुर। (श्वन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप !-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की भविध या तत्संबंधी अपनितयों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की भविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपनितयों में से किसी अपनित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी धन्य भ्यक्ति द्वारा; शक्षी हस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:→-इसमें प्रयुक्त शब्दीं पीर पर्वो का, जो उक्त प्रक्षित्यम के मध्याय 20-क में वरिभाषित हैं, बही मर्ग होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

धमुज्जी

प्लाट सं० 25-ए, न्यू फतेहपुरा, उदयपुर में स्थित 'गेलड़ा कुटीर' नामक मकान सम्पत्ति में छठा हिस्सा जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रमांक 746 पर दिनांक 19-3-79 को पंजीयद्व विकय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० म्रार० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख : 9-11-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेश सं० राज० /सहा० श्रा० घर्जम/ 601---यतः मुझे एम० घार० श्रायाल

म्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25ए हैं, तथा जो उदयपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19 मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्सास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर अन्तरक (अन्तकों) श्रीर यह कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित रूप में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भाररीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269 ग की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थात् :--- श्री चतरसेन पुत्र श्री शो भालालजी गेलड़ा, निवासी 4 तिलसन बर्ग, कनाडा ।

(भ्रन्तरक)

2. मैससं लेक सिटी एन्टरप्राइज उदयपुर पार्टनरिशप फर्म द्वाराटाया एण्ड सन्म, बड़ा बाजार, उदयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उस्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 25 ए न्यू फतेहपुर में स्थित गेलडा कुटीर नामक सम्पत्ति में छठा हिस्सा जो उप पंजियक उदयपुर द्वारा कम संख्या 747 पर संख्या 747 पर दिनौंक 19-3-79 को पंजि-बद्ध विकय पत्न में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० स्रार० स्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जयपुर

तारीख : 9-11-1979

भारत मरकार

कार्यानय, सद्दायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेप जयपुर

जयपुर, दिना १ ७ नवम्बर, 1979

निर्देश सं० राजिश्महा० श्राः श्रार्जन/६०५- श्रदः सुझे एम० श्रार्श्यग्रयाल

भ्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-द्ध के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करत का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन भाजार मन्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठिक है

पोर जिसकी में 250 हैं, तथा जा उदयपुर में स्थित है (श्रीर असल उनाबढ़ अनुभूची में श्रीर जो पूर्ण में में बिणित है) रिजर्हा कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजर्ही कर्ण कि कि कि माने , 1979 की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूच से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है मीर मुझे यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरिक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्तिलिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्तिलिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिकर इप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, **उक्त** प्रश्नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याप या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायदार भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भनः भन, उनन भविनियन को धारा 269-ए के भनुसरण में, मैं, उनन अधिनियम को धारा 269-ए को उनवारा (1) के अधीन निम्नोनियम को सारा भवीन :--17—366GI/79

- पानता रक्त बाई, विधवा श्री णोभालालजी गेलझ निकासी ६४, धुलेण्वर वाग, मी-रकीम, खदयपुर। (श्रन्तरक)
- थः मैं पर्न लें के सिटो इन्टरपाइज उदयपुर पार्टनरणिए फर्म इति सैनर्स टाया एण्ड सन्म, यहा बाजार, उदयपुर (श्रन्तरिती)

काय : सूत्रता जारी करके पुर्वोक्त सम्यति के प्रकृत ह निए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के यर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की स्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोका धारितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन पुरता के राजात में प्रकाणन को तारीज में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किपी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, भधीत्स्ताक्षरी के पान निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धांधानयम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अब होगा जी उन ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनसुची

प्ताट तंब 25 ी, फीह्युरा, उदयपुर में स्थित गेल्डा गुटीर तामक महान धमास्ति जो उप पंजीयक उदयपुर हारा फ्यांक 7 19 दितार 19 मार्च, 1979 पर पंजीयत जिन्म पन में मौर निष्तुत रूप स्थितरीण गदी।

> ्म० ग्रार० अग्रयाग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्वन रोज, जसपुर

नामीय: 9-11-1979

भोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रवीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक नवम्बर 1979

निदेण गं० 7श्म० /षहा० ग्रा० श्रार्गन्/ त0.6--- स्त: मुझे एम० श्राप्यः श्राप्तत्वाल

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उश्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्मन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से म्रधिक है

श्रीर नियक्ती नं ० २५ ए हैं, तथा जो उदयपुर में स्थित हैं (श्रीर इस र उन्न बढ़ यन् मुची में श्रीर जो पूर्ण का में विणित हैं) रिजिस्ट्री-इसी पित्र अपीत के अपीत दिनों हैं। रिण श्रीधिनियम 1928 (1908 हा 16) के अपीत दिनों हैं। 19 मार्च, 1979 को पूर्वीन मस्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वाम करने का कारण हैं कि ययापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत का प्रमुख प्रतिकृत का प्रविकृत प्रतिकृत का प्रविकृत प्रतिकृत का प्रविकृत श्रीर श्र

- (क) प्रनारण में हुई किसी ग्राय की वाबन, उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

न्नतः प्रव, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन जिम्निविखित व्यक्तियों, स्रर्थात् :---

- श्रीमती व तती कुमारी पृत्री श्री भोभाइ लाल जी गेल्ड् तिवामी-27-बी, अम्बा माता, स्कीप, द्वथपुर।
 (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स लेह सिटी एस्टरणाइक, उदयपुर पार्टनरिका फर्स द्वारा भैजन टाया एण्ड सन्ध, बड़ा वाकार, उदयपुर (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्त सम्पन्ति के धर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेतः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्मन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीरत पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशा की वारी ख़ में 45 दिन के भीतर उस्त स्थानर समाति में हिनबड़ किशो अत्य व्यक्ति दारा स्थानेहण्याक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

अनमची

्याप्ट ४० २६ ६ ल्यू को इत्यात उदयपुर भें स्थित माहान सम्बद्धित का छात्रा भाग, भो उत्योजित उदयपुर द्वारा कर्माक 748 पर दिनोत 19-3-79 को पंजीबद्ध विकय पत्र में स्रौर विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

> एम० ग्राट्र अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेज, जयपुर

तारीख: 9-11-79

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपु**र**

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा॰ ग्रर्जन/603 - -यन. मुझे एस० भार० ग्रग्नेवाल

स्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से स्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० 25 ए. तथा है जो उदयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार जो पूर्ण रूप से बॉलत है) र्राजस्ट्री-कर्ना अधिकारी के कार्यालय उदयरपुर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का जा 16) के अधीन तारीख 19 मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम है दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय का बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः स्रब, उक्त स्रधिनियम, की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, मैं, उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीग निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:--- श्रीमती सुशीला बाई पन्ति श्री यशत्रन्त सिंह मेहता पब्लिक पार्क, होस्टल, जीधपुर ।

(अन्तरक)

2 मैंसमं लेक सिटी एन्टरप्राईज उदयपुर, पार्टनर जिनकर्म द्वारा मैंससं टाया एण्ड सन्म बड़ा नाजार, उदयपुर (प्रन्तरिती)

को यह यूवना जारो करके पुश्रीका समान्ति के धर्जन के जिए कर्नवाहियां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में काई मी। प्राक्षेत्र ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित का नारील स 45 दिन की अपित्र या तलाम्बन्दी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रप्रिंग, जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वपित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजा के राजा ल मंत्रकागर का गरोख से 45 दिन के मानर उन्त स्थानर समिति में हिन्देख किसी प्रत्य व्यक्ति हारा प्रजीदस्तालरी के पास लिखित में किए जा परोंगे।

स्पष्टी हरगः :--इसर्थ प्रयुक्त अध्यो और इसं हा, जा उक्त पीध-नियम, के प्रकाय 20-ह में परिभाषित है, बहा अर्थ होगा जो उस प्रकाय में दिया गया है !

ग्रन्गुची

प्लाट रं० 25 ए. न्यू फतेहपुरा, उदयपुर में स्थित भेलड़ा कुटीर नामक मकान सम्पत्ति का छठा भाग जो उपपत्तियक, उदयपुर ढारा ऋटोंक 745 पर दिनांक 19-3-79 को पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूपसे विवर्णांत है।

> एम० ग्रास्० ग्रप्रवाल सञ्जम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन—गेंज, जयपूर

तारीखा: 9-11-79

प्रकृष गाई॰ टो • एन • एस • ----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) को आरा 269व (1) के अधीत सूचता

भारत भरकार

कायोत्तय, सहायक मायकर पायुक्त (विरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेश सं० राज०/महा० ग्रा० ग्रजंन/7610---- प्रतः मुझे एम० भ्रार० भ्रग्रवाल,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संतनि जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000'- ए० से स्थान है

श्रीर जिसकी स० शो सम है तथा जो जयपुर में स्थित है (शीर इससे उपाबड़ अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनिय 1908 (1908 का 16) के अवीन तारीख 8 मार्च, 1979 को पूर्वीकत सम्मति के लोग बत्वार मृश्य न कम के दूराभान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृश्य यह विश्वास करने का कारण है कि उपायूर्वीका नम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उच्चह प्रतिशत से अविक है और पनतरक (अनारकां) और अन्तरिता (अन्तरितयों) के बोच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिश्चित उद्देश्य से उका अन्तरण निजित में बास एवक रूप से कथिन नहीं किया गा है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसो प्राय की बावत सकत अधि-नियम, के प्रवीत कर देन के धन्तरक के वाधित्व में कर्ता करने या उत्तरे बनने वे सर्वित के लिए: प्रौरिया
- (च) ऐसा किसे पाय या का अस्य पत्य साम्बन्ध को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ धन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुख्यक के लिए:

खनाः प्रव, उनत अधिनियम की नारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उनत अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्रीमती प्रेम बाई पितन श्री सूरजमल जी नवलखा कुन्दीगरों के भैरों का रास्ता, चौकड़ी घाटगेट, जयपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जगदीण प्रसाद जयपुरिया एवं श्री सुणील कुमार जयपुरिया पुवान श्री गोकुल चन्द बी-9, शिवमार्ग, वनी पार्क, जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

क्षा यह प्रता बारा करक हुर्बाम सम्मति क यबंत के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्मनिक अर्जन के सबय में कोड को धाक्षप :-

- (क) इन सूबना के राजमब में बावान की नारोख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील स 30 दिन की भवधि, जा भी अवधि बाद व नमण्न होती हो, के भीतर पुर्वीकत का कियों ये कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचता के राजवत्र स प्रकाणत की तारीख में 45 दिन के भारर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए का सकेंगे।

, स्पब्दोकरण: --इसमें प्रवृक्त शब्दों स्रीर पदा का. जो उदक्ष अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषिक में, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यय में दिया गया है।

अनुम्ना

एस० एस० हाई वे पर प्रेम प्रकाण सिनेमा के सामने एक शो रूम जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 499 दिनांक 8 मार्च, 1979 पर पंजियद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० म्रार० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकंर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 9-11-79

प्ररूप भाई० टी• एन० एस०—————— भामकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजंग रेज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 9 तवस्वर 1979

निदेश सं० राज० सह ० प्रा॰ प्रजन/609—प्रत: मुझे एम० श्रार॰ ग्रग्रवाल,

धायकर धांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त स्थिनियम' कहा गया है),की घारा 269-प्य के सभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं े हैं तथा जो उई छोटी, श्रीगगा-नगर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से त्रणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रवीन तारीख 9 मार्च, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के चितत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उप्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में स्थिक है और धन्तरक (प्रन्तरकों) भार ग्रन्तरितों (ग्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्तिचित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निच्या पाथा गया प्रतिफल, निम्तिचित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निच्या प्रीया में सम्तरण

- (प) अन्तरत सं ६६ किया आए की बावत उक्त प्रधितियम के अधीन कर देते के घरतरक के क्षयित्व में कभी करने या जना जनते में पृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसा किसो साथ या किसो घन या सन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मं, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निविचत व्यक्तियों प्रयोग्:--- श्री परमानन्द पुत्र श्री मोहन लाल वक 3 ई, छोटी, श्री गंगानगर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री काल्याम पुत्र श्री नाथ्याम , चक्र 3ई, छोटी, श्री गंगानगर।

(प्रकारती)

भी यह दूबना नारी करक पूर्वान मणात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उन्त सम्यत्न ह प्रजैन क सम्बन्ध में कोई भा आक्षेप---

- (क) उप स्वता के राजपल में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन को अविधि पा गत्म-जन्धी व्यक्तियों पर स्वता की नामील में 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रवेशित क्यक्तियों में के किया व्यक्ति शरा;
- (ख) इस मुनता के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितसद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्डोहर्ग:--इमनं प्रयुक्त जन्दो ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिप्तियम के यध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्य

2 बीधा 3 बिस्वा कृषि भृमि जो चक 3 ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है श्रीर उप पिजयक श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 664, दिनांक 9 मार्च, 1979 को पंजियद्व विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> एम० ग्रार० यग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायस श्रायसर ग्रायका (निरीक्षण), श्रजन रोंज, जयपुर

नार्राखः : 9-11-79

प्रकप पाई० टी० एन० एस०----

आयक्तर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269**ष** (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

का र्राचिय, सहायक भाषकर भाषकत (निरीक्षण) -

श्रजंन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांब १ नवस्थर 1979

निदेश गॅ० राज०/सहा० ग्रा० श्रजेन/६०८ यतः मुझे एम० श्राप्त श्रग्रवाल,

भायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रिष्ठितियम कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिष्ठीत सभाम श्रिष्ठिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क• से अधिक है

स्रीर जिसकी मं० है तथा जो हनुभानगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुभूची में स्रीर पूर्ण रूप से विशित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन दिनांक 16-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूष्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दूयरमान प्रतिकल से, ऐसे दूयश्मान प्रतिकल का पश्चह प्रतिभत से प्रक्षिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरि-नियों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, दिस्तिब उद्देश में उक्त अन्तरम लिखित में वास्तिक क्रम से स्थान नहीं किया गरा है:—

- (त) प्रश्तरण से हुई किया ब्राय की बावत, उक्त ब्रिक्ष-नियम के ध्रश्नीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुब्बा के लिए; धीर/या
- (घ) ्या हिसो नाय गा किसा धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, प्रधीत्:-- श्री भगवानदास पुत्र श्री निरजूराम शर्मा हनुमानगढ़, टाउन, जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

 श्री राम चन्द पुत श्री मालदास, एडवोकेट, हनुमानगढ़ टाऊन, जिला श्री गंगानगर।

(ग्रन्तिरती)

को पह सूना। नारी हरह पूर्वीका संपक्ति के **धर्मन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका रंगति हियाना हमदेव में कोई भी प्राक्षीय:----

- (क) इस पूर्वना हे राजात में अहाणत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्वक्तियों पर सूचना की गामीन ने 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूजना के राजनेत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क, में परिभाजित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिमा भया है।

यमुमुची

3 बीबा और 16 विस्ता कृषि भूमि जो 15 एच० एम० एच० हन्भानगढ़ जिला श्री गंगानगर में स्थित है और उप गंजियक, हन्भानगढ़ द्वारा कम संख्या 357 दिनांक 16-3-79 पर गंजिबद्ध विक्रय पन में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० श्रार० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, जयपुर

ता**रीख**: 9-11-79

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के अधीन सू**चना**

भारत सरकार

कार्यालय, भवायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज. जयपुर जयपुर, दिनांक 9 नवस्वर 1979

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/६०७—ग्रतः मुझे एम० आर० ग्रप्रवाल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) । जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है।, को धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्रधिकारी को या विश्वास करने हा कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,00% है ये प्रजिक है और जिसकी संव — है तथा जो हनुमानगढ़ से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 16 मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सन्ति के उचित कातार मून्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्पन्ति का जिन्द रण्लार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रोर प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निजिधित उद्देश्य से उत्तर प्रन्तरण निवित में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है । यह

- (क) प्रस्तरण ते हुई कि तो आध्य की बाबन, उत्तत चिटिं नियम के प्रधीन कर तैने क अन्तरक का प्रशेषक में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के िहा । खौर/या
- (त) ऐसी किही प्राः या किसी धनया अन्य अन्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियस, 192: (1922 का 11) या उत्त अधिनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः ग्रव, उवन प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम भी भारा 269-घ की उन्त्र रा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात:---

- श्री श्रवण कुमार पुत श्री भगवानदास गर्मा निवासी हनुमानगढ़ टाऊन, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरक)
- 2. श्री राम चन्द पुत्र श्री मालदास, एडवोकेट, हनुमानदग टाऊन, जिला श्री गंगानगर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना वारी करके प्र्वोतन नम्मित के धर्जन र लिए कार्यवस्थित करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी बाक्षेप :---

- (क) इस सूवना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोच्य अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोच्य
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य टाक्ति हारा झुधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, ओ उक्त अधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसुची

5 बीवा कृषि भूमि जो 15 एच० एम० एच० हनुमानगढ़ जिला श्री गंगानगर, में स्थित है ग्रीर उप पंजिथक हनुमानगढ़ द्वारा पंजिबद्ध पत्र संख्या 358 दिनांक, 16-3-1979 ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० ग्रार० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंग रेंज, जयपुर

तारीख: 9-11-79

प्ररूप माई० टी० एन• एस०-----

अधिकर प्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ण (1) के प्रतीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

स्रजन रेज, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक अश्रक्तुबर, 1979

निदेश मं० ए० आर०-II/2760-4-78-79---प्रतः, मझे. पी० एल० संगटा

आयकर पश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इभके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सशम बाखिकारी को य≴ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मृत्य _ 25,000/- क⊳ थे प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० विलेख सं० ग्रार० 3871/72. सर्वे नं० एन० ए० 541, 232 (अंग) है तथा जो बन्द्रा में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में ब्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अभवेड् में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 6-3-79 पूर्वोक्त पम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम क दश्यमान प्रति-फल क निए भन्दरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र । प्रतिगत मधिक है स्रोर सन्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उद्देश ग्रस्तरण निश्चित में बास्तिक रूप ो अधिन नहीं किया गया है ----

- (का अन्तरा । हाई कियो धाय की अवस, उपन ग्रधितियम क भ्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के क्षायिस्य में कभी करने ए। इससे बचने में सविधा के सिए: धोर/या
- (ध) ए ए तिमी भाग या जिला धन था अन्य आस्तियौ को जिन्हें भारतीय चायत्रर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय। गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भनः मन, उन्त प्रोधनियम की धारा 289ना क मनसर्ग में, में, उक्ट अधिनियम, को धारा 269 व ती उपप्राद्य (1) के अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. प्रभाकर रामचन्द्र पाटकर।

(सन्तरक)

- 2. भार० के० पाटकर को-म्रापरेटिय हार्जिसग सोसायटी लि० । (ग्रन्तिरती)
- 3. (1) मि० विभ्वत दास चुनीलाल गांधी
 - (2) मि० शशीकुमार गोपाल वाघ
 - (3) मिसेन सुलोचना देवशंकर जोशी
 - (4) डा० सुरेन्द्र मोहन भटनागर
 - (5) मि० इंदुलता रनछोड़दास मोदी

- (६) नित्र गेना नगा पैक
- (७) सिठ तहार पुत्रसार प्रदर
- (८) मित्र प्राचार राजाराम सामेन
- (9) मिल प्रमावता गोगात लुगार
- (10) डा० दिलीन श्रीनिवास वैत्रासहर
- (11) मिसेस शारदा जन्मत येलोरे
- (12) मिसेस लीलाबाई गनपत उपानी
- (13) मि० काणीनाथ नुकाराम पंडित
- (14) मि० इंद्रजीत लक्ष्मीदास महता
- (15) मिसेस, कमना बाई दनावय नाडकर्णी
- (16) मि० भान्ताराम काशीनाथराने
- (17) मि० प्रमाकर रामचन्द्र पाटकर
- (18) मि० गजानन म्हंद देशाई
- (19) मि० किणोर प्रानवन्त्रभ मेहता
- (20) मि० दलाराम गणेश मानगे
- (21) मि० शशिकांत व्यंकटेश चोब्लकर
- (22) मिसेस सरोज चंपकलाल मेहता
- (23) मिसेस प्रसन्ता वंसतराव देशमख
- (24) मिनेस सुरेखा ग्रविनाण रेगे
- (25) मिसेस विठा होरालि
- (26) मि० पी० विद्लदान कामत
- (27) मि० टो०टी० वालावलकर
- (28) मि० महाबलेश्वर मोंजापा तेलंग।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करने पुर्वोनन सम्पति के निए कार्यशिद्धियों करता हू।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवश्रिया तत्मम्बंधी व्यक्तियों पर स्चना की वामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बार में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना क राजपदा में प्रकाशन की तारीबासे 4.5 दिम के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी भग्य न्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :- -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होया, जो उस धन्याय स विया गया है।

अ**म्**सूची

भ्रनुसूची जैसाकि विलेख नं० भ्रार० 3871/7*2/ब*म्बई उप रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 6-3-79 को रजिस्टई कियागया है।

> पी० एन० छ्गरा सक्षम प्राधिकारी महायक ऋषिकर ऋष्युक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख: 4-10-1979

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

भायकर भिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-व(1) के भ्रतीन सूजना भारत सरकार

हार्थानय, सहारक प्राक्तर प्रायक्त (ति**रीक्षण)** प्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 श्रक्तूबर, 1979

निदेश मं० ए० स्नार्ग्य $\Pi / 2767-3/78-79$ —स्नतः मुझे पी० एल० रूंगटा,

भायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 26 हिस्सा नं० 2 सी० एस० नं० 634 तथा जो मालाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णरूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26-3-1979 विलेख सं० 906/75 पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की मई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण जिखित में वास्तुविक एप में किंग्र नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो प्राय को बावत उक्त प्रक्रिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के शिवहत्र में कमो करने था उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रम्थ पास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, धिपाने में सविधा के लिए;

प्रतः ग्रवं, उक्त भविनियम की घारा 269-ग के धनुसरक में, में, उक्त भविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीन निम्तलिखित व्यक्तियों उर्घात:—

- (1) राजेन्द्र प्रसाद एम० श्रनवाल (2) लक्ष्मी कान्त बी० पोद्दार (3) जयन्ती लाल व्ही० मंघवी (4) उषा श्रार० श्रगरवाल (श्रन्तरक)
- 2. मालाङ भारत कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (श्रन्तरिती)
- (1) श्रीमती व्हि० जे० सोनी (2) मैसर्स पौवरिलट
 (3) श्रीमती एस० डी० शाहा (4) श्री जे०
 ग्रार० मेह्ता (5) एन० व्ही० शाहा
 (6) श्री एम० व्ही० शाहा (7) श्री जे०एन०

बाखय (8) श्री बी० डी० पारीख (9) श्री ई० कौटियन, (10) श्रीपी० एम० शाहा (11) श्रीव्ही० डब्ल्यू० भ्रापटे (12) श्री ए० एय० मुरर्ता (13) श्रीमती व्ही० एम० गाहा (14) श्रीमती मी० एम० प्रारेख (15) श्री के० ग्रार० घटा (16) श्री एम० ग्रार० **घटा** (17) श्रीमती एम० जे० कीठारी (18) श्री ए० जे० ध्रुव (19) श्रीमती पी० ग्रार० श्रमरपोटा (20) श्रीमती पी०एन० नायडु (21) श्रीमती प्रार० जे० गांधी (22) श्री श्रार० जे० महा (23) श्रीमती व्ही० मी० भाटिया (24) श्रीमती स्नार० आही० दोशी (25) श्रीमती बी० ग्रार० शर्मा (26) श्री डी० जे० ग्रोझा (27) श्रीमती के० ग्रार० भट (28) श्री एच० एम० विकल (29) श्री के० व्ही० विखारिया (30) श्रीमती एफ० श्रारं० मेट्टी (31) श्री एम० बी० जोशी (32) श्रीमती डी० एस० टंक (33) श्री सी० के० इंगले (34) श्रीमती के० जे० मेहता (35) श्रीमती सी० एस० वंजारा (36) श्री ए० एम॰ डेरे (37) श्रीमती व्ही॰ एम॰ रतनी (38) श्री म्राई० डी० शास्त्री (39)श्रीमती एस० एस० सखाले (40) श्री ग्रार० एम० ठनकर (41) श्रीमती ग्रार० पी० नाबीयार (42) श्रीमती एस० जी० साने (43) श्रीमती व्ही० जे० नायर (44) श्री एम० एन० चित्रे (45) श्रोमती एच०एम० मेहता (46) श्रीमती व्ही० ग्राई० राजदा (47) श्रीमती ग्रार० श्रार० शहा (48) श्रीमती के ० जे ० शर्मा 49. श्रीमती बी० एन० भाटिया (50) श्री म्रार० म्रार० मोहिते (51) श्री ग्रार० एस० गेलानी (52) श्रीमती के० जें भाटिया (53) श्रीबी एस० पटेल (54) श्रीमती एस० एच० भाटिया (55) श्रीमती व्ही० जे० कायल (56) श्री प्रार० एच० संसारी (57) श्री एम० पी० मोटिवरास 58. श्री के० ए० मिस्त्री (59) श्रीमती म्रार० एस० मेहता (60) श्री जे० सहेगल (61) श्री एम० ग्रार० गोहिल (62) श्रीमती रामा मेनन (63) डा० ए० बी० मेहता

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्मति के धर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकागन की तारीज से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी अमितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी अमित द्वारा;
- (अ) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य अ्थिकत द्वारा, अधोहस्ताश्वरी के पाय लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत ग्रिवित्यम के अध्याय 20-क में परिभाकित हैं, बहा प्रवं होगा जो उस भ्रस्याय में दिया गया दै।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 906/75/बम्बई उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 26-3-79 के रजिस्टर्ड किया गमा है।

पी० एल० रंगटा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 4-10-79 मोहर:

प्ररूप धाई+ टी+ एन+ एस+------

खायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन न्यना

भारत मरकार

कार्रीतन, सहारक प्रापंकर प्रापंका (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, **बस्बई**

बम्बई, दिनांक 21 नवम्बर, 1979

निदेश सं० ए०म्रार० II/2847-20/मार्च/79—म्रत: मुझे पी० एल० रंगटा,

भायकर श्रिप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धार 269-ख के भश्चीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

भीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० एफ०/1045/टी० पी० एस० मं० 4/प्लाट नं० 45 है तथा जो बंदरा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भीर जो पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय बंदरा में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 25-3-79 विलेख नं० 729/1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल नक्ष्म से कचित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाय की बाबत उक्त अधि-ियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भोर/या
- (खः) ऐसा किसी भाग या किसी भाग या भ्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रितियम, 1922 (1922 क) 11) या उन्त मिश्रितियम, या भ्रन-कर

पिक्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए ;

भवः धन, उन्त प्रधितियम की धारा 269-ग के प्रतुसरण में, मैं: उन्त प्रधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थान, निश्निजिखन व्यक्तियों, अर्चात :----

1. श्री भवानी शंकर दिवाकर कुलकर्णी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती द्यापेषा खातुन गुलाम हसन कि बीबी (ग्रन्तरिती)

अगेस्पेल लिटरेचर सोसायटी ईस्ट इंडिया लेदर इंडस्ट्रिज मुनीराली शिवाजी रिजर्न बैंक आफ इंडिया आपओत एसस्वेंग, इंडिया लि० सुन्विता फुइस फुड्स एण्ड फायवर्स लि० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह पूत्रता जारो करके पूर्वोक्त सम्मति के सर्जात के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्त तम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मां आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की भवधि या तत्तं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सें किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपथ में प्रकाशन की द्वारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रबं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भ्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 729/1979/बांदरा उप रजिस्ट्रार 4 भ्रधिकारी द्वारा दिनांक 25-3-79 के रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रुंगटा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 21-11-79

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, काकीनाडा

काकी गाडा, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० 906— ग्रातः मुझे के० मुब्बाराव ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पण्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रु० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो मुनगडा, कोत्तपेट तालूका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रकाजीप ट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-3-79 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधिक है श्रीर श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- श्री बण्नु वें कटनारायना मूर्णि,
 जिल्ला कोत्रोट, तालूका ,पूरव गोदावरी जिला।)
 (प्रन्तरक)
- श्री कुंाटना गोगाला कुष्णाम् ति, पु०ः सुब्बाराव, म् जनरम, पूरब, गोगानरी जिला।

(प्रश्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रित के प्रार्वत के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूवना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रामित जो भी श्रामित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों। ें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवता के राजात में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रवितियन के श्रद्धपाय 20-क में परिसाबित है. वही अर्थ होगा, जो उत्त अद्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

र्म्यकाजीनेट रजिस्ट्री स्रधिकारी से पाक्षिक स्रंत 15-3-79 में बंजी एत दस्तावेज नं० 251 में निगमित स्नुसूची संगत्ति।

> के० सुब्दाराव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्वेत होत्र, काको नाडा

तारीख: 7-8-79

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th November 1979

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Joginder Singh, an officiating Sentor Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the cadre of the UPSC, to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS), in the same Cadre on a temporary and ad hoc basis for a period of 2 months from 23-10-79 to 22-12-79 or until turther orders, whichever is earlier.

The 16th November 1979

No. A.32014/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Sham Parkash permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cutre on a purely provisional temporary and ad hoc basis from 23-10-79 to 22-12-79 or until further orders whichever is earlier.

Shri Sham Parkash should note that his appointment as senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and on ad lioc basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for semority in that Grade.

S. BALACHANDRAN,

Under Secy..

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 22nd October 1979

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on ad hoc basis as Section Officers in the same cudre for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :-

- S. No., Name and Period for which promoted as Section Officer

- Section Officer

 1. Shri G. P. Bhatta —10-10-79 to 24-11-79
 2. Shri S. N. Ghosh—10-10-79 to 24-11-79
 3. Shri O. P. Kathuria—10-10-79 to 24-11-79
 4. Shri Rajindra Singh—10-10-79 to 24-11-79
 5. Shri O. P. Kautta—10-10-79 to 24-11-79
 6. Shri S. N. Pandit—10-10-79 to 24-11-79
 7. Shri M. S. Asnani—10-10-79 to 24-11-79
 8. Shri Krishan Lal-I—11-10-79 to 25-11-79
 9. Shri Remal Dass—11-10-79 to 25-11-79

President A.32014/1/79-Admn.III.—The pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiateon an ad hoc basis, as Section Officers in the same cadre for the period indicated against each or until further orders. whichever is earlier :-

- S. No., Name and Period for which promoted as Section Officer
- 1. Sh. M. N. Arora—21-10-79 to 30-10-79 2. Sh. S. D. S. Minhas—29-9-79 to 15-10-79

S. BALACHANDRAN

Under Secv.

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi, the 22nd November 1979

No. A-19036/3/79-Ad.V.—In supersession of this office officiation No. A-19036/3/79-Ad.V dated 29-10-79, the notification No. A-19036/3/79-Ad.V dated 29-10-79, the Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri K. Fariduddin, an officer of the Andhra Pradesh Police on deputation as Dy. S.P. in the C.B.I. with effect from the afternoon of 7-9-79 and until further orders.

Q. L. GROVFR, Administrative Officer(E) C.B.L

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110001, the 25th October 1979

No. O.II-227/69-Fstt,—The President is pleased to appoint on promotion Shri Hema Ram, Subedar of CRPF to the rank of Deputy Superintendent of Police (Company Commander) Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post in 12 Bn. CRPF w.e.f. 23-8-79 (AN).

The 22nd November 1979

--- <u>------</u>

No. O.11-253, 70-Estt.--Consequent on his retirement from Government service Shri D. S. Brar reinquished charge of the post of Deputy Superintendent of Ponce, 22 Bn., CRPF, on the afternoon of 31-10-1979.

The 24th November 1979

No. O.II-1050/72-Estt.—The President is pleased to relieve IShri K. Shankar, Dy. S.P., Group Centre, CRPF, Avadi w.e.t. 18-10-79 (FN) on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

No. O.II-1284/76-Estt.—The Government of India regret to notify the death of Shri M. M. Bawa, Deputy Supdt. of Police, 23 Bn., CRPF on 13-9-79.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adn)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 15th November 1979

No. E-38013(3)/1/79-Pers.—On transfer from New Dellin Shri Sewa Singh assumed the charge of the post of Assit; Comdt., CISF Unit, IPCL, Baroda w.e.f. the forenoon of 23rd Oct '79

> Sd./- ILLEGIBLE Inspector-General CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 21st November 1979

No. 11/100/79-Ad,I-24488.—The President is pleased to appoint Shri O.P. Bhardwaj, an officer belonging to the Har-yana Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh, with effect from the afternoon of 14 November, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Bhardwai will be at Chandigain.

The 22nd November 1979

No. 11/97/79-Ad.1-24640.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Das, an Officer belonging to the Orissa Civil Service, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations. Orissa, Cuttack, by transfer on deputation with effect from the afternoon of 8th November, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Das will be at Cuttack.

P. PADMANABHA. Registrar General, India

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 5th December 1979

No. G(29)/All.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Barin Kumar Ghosh, Overseer, to officiate as Assistant Manager (Fechnical), Government of India Press, Aligarh, with effect from the forenoon of 12-11-1979, until further orders.

> P. B. KULKARNI, Joint Director (Admin.)

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT, OF E.A.) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 20th November 1979

No. 1172/A,-The undersigned hereby appoints Shri R. A. Patel, Head Accountant (Class III-non-Gazetted), Stamp Store, Nasik Road, to officiate as Assistant Controller of Stamps (Class II Gazetted post) in the Central Stamp Store in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 16th Nov. 1979 to 29th February, 1980 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

> N. RAMAMURIHY, Sr. Dy. General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 21st November 1979

No. 2369-CA. 1/96-79 Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders;—

SI. No.	Name of the Section Officer (Commercial)					Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A.O.(C)	Date of posting
(1)	(2)		- <i>-</i>			(3)	(4)	(5)
	S/Shri							
1.	H. C. Jain .	-			-	Member Audit Board & Ex- officio DCA, Bhopal	Member Audit Board & Ex- officio DCA, Bhopal	23-8-79
2.	A. K. Dey		-	•		Accountant General-II, West Bengal, Calcutta	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta	27-8-79
3.	V. Sundararajan			,		Member Audit Board & Ex- officio DCA, Madras	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	10-9-79
4.	R. D. Trehan .			-		Accountant General, Punjab, Chandigarh	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	14-9-79
5.	K. R. Balan .		-	•		Accountant General, Kerala, Trivandrum	Member Audit Board & Ex- officio DCA, Ranchi.	14-9-79
6.	R. S. Tripathi .		-	•		Member Audit, Board & Fx- officio DCA, Dehradun	Member Audit Board & Ex- officio DCA, Dehradun	14-9-79
7.	S. M. Deo .	-		•	-	Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior	Accountant General, Orissa, Bhabaneswar	25-9-79
8.	R. L. Singla .					Comptroller & Auditor General of India, New Delhi	Member Audit Board & Ex- officio DCA, Ranchi	27-9-79
9.	G. L. Narasımhan		-			Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	16-10-79

The 22nd November 1979

No. 2433-CA.1/116-79—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:

Sl. No	Name of the Section Of	ficer (C)	Office where working before promotion		Officer where posted on promotion as A.O.(C)	Date of Posting as AO (C)
(1)	(2)				(3)	(4)	(5)
S	S/Shri						
1.	L. C. Lunkar				Accountant General, Rajasthan, Jaipur	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	3-10-79
2.	V. V. Seshachalpatti Rao	•	•		Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	Accountant General, II, Andhra Pradesh, Hyderabad	16-10-79
3.	M. V. Ardhanari .		•		Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bangalore	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bangalore	19-9-79
4.	Satish Chandra		•		Accountant General, Rajasthan, Jaipur	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	3-10-79
5.	S. Natayanaswamy .				Accountant General-II, Tamil Nadu, Madras	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	28-9-79
б.	Murari Lal Gupta .	•	•		Accountant General, Rajasthan, Jaipur	Member Audit Board & Ex-officio DCA, (Coal) Calcutta	27-9-79
7.	Ramesh Chandra Hastir		-		Accountant General, Punjab, Chandigarh.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Calcutta	29-9-79
8.	V, Ramamurthy .	•			Accountant General, Karnataka, Bangalore	Member Audit Board & Ex-officio DCA (Coal), Calcutta	3-10-79
9.	N. C. Jain		-		Member Audit Board & Ex-officio DCA, New Delhi.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Calcutta	27 -9 -79
0.	S. K. Pal		-	•	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi.	27-9-79
11.	E. S. Rao		•	•	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	17-10-79
12.	M. P. Vedachalam .		٠		Accountant General-II, Tamil Nadu, Madras	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta	28-9- 7 9

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum 695 001, the 9th November 1979

No. Listt/Entt.VI/10-3.—Shri N. KAMALASANAN NAIR, Accounts Officer of the Office of the Accountant General. Kerala retired from service on superannuation in the AN of 31st October, 1979.

> P. G. N. NAMPOOTHIRI, Accountant General

COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 22nd November 1979

No. 1(3)-A/CPE/79—On transfer from the Planning Commission Shri B. N. Singh, Research Officer (ad-hoc Gr-IV/IES) is appointed as Senior Research Officer in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 1100-50-1600 on usual deputation terms with effect from the forenoon of 26th Oct. 1979, until further orders.

> J. N. KAUL, Under Secretary(\(\))

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110 022, the 20th November 1979

No. 44016(1)/73/AN-I.—The President is pleased, to appoint ad hoc, the following Junior Administrative Grade Officers of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000-125/2250) of that service, with effect from the forenoon of the 19th November 79, until further orders.

- (1) Shri B. V. Adavi
- (2) Shri K. Sundararajan,

R. L. BAKSHI Addl. Controller Genoral of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcuttu, the 9th November 1979

No 55/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Ollg Manager with effect with effect from the date shown against them, until further

- Shri J. B. Saxena, Oilg. GM(SG)/Level-II—23rd August, 1979.
 Shri R. G. Deolalikar, Offg. DDGOF/Level-II—23rd August, 1979.
 Shri S. P. Sinha, Offg. GM(SG)/Level-II—23rd August, 1979.

No. 56/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg Manager with effect from the date shown against, him until further orders:— Shri U. K. Shrivastava. Offg. D.M.—25th June, 1979.

No. 57/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. DM/DADGOF with effect from the date shown against him, until further orders:—

- 1. Shri D. R. Nugpal, AM(P).—30th June, 1979
 2. Shri K. C. M. Rao, AM(P).—30th June, 1979
 3. Shri S. Joseph, AM(P).—30th June, 1979
 4. Shri J. P. Sharma, AM(P).—30th June, 1979
 5. Shri N. K. Srivastava, AM(P).—30th June, 1979
 6. Shri C. S. Vasir, Offg. AM.—30th June, 1979
 7. Shri R. C. Arora, AM(P).—30th June, 1979
 8. Shri S. Rajagopalan, AM(P).—30th June, 1979
 9. Shri Mehar Singh, AM(P).—30th June, 1979
 10. Shri Mahesh Prasad, AM(P).—30th June, 1979
 11. Shri J. P. Alegaonkar, Offg, AM.—30th June, 1979
 12. Shri K. K. Garg, AM(P).—1st August, 1979
 13. Shri D. M. Gupta, AM(P).—1st August, 1979
 14. Shri S. N. Dutta, AM(P).—1st August, 1979
 15. Shri Sushil Thakur, AM(P).—1st August, 1979
 16. Dr. S. K. Ghosh, AM(P).—1st August, 1979

- 17. Dr. S. R. Chakraborty, AM(P)—1st August, 1979
 18. Shri S. C. Maji, AM(P)—1st August, 1979
 19. Shri B. B. Pharas, AM(P)—1st August, 1979
 20. Shri S. K. Pandey, AM(P)—1st August, 1979
 21. Shri V. K. Pandita, AM(P)—1st August, 1979
 22. Shri S. N. Patil, AM(P)—1st August, 1979
 23. Shri A. K. Haikerwal, AM(P)—1st August, 1979
 24. Shri S. D. Dimri, AM(P)—1st August, 1979
 25. Shri P. K. Sett, AM(P)—1st August, 1979

The 23rd November 1979

No. 58/79/G—On attaining the age of 58 years Shri Λ. L. Basu Choudhury, offg. Assistant Manager (subst. & permt. Foreman) retired from service with effect from 31-8-1979 (AN).

> V. K. MEHTA Assistant Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (DFPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 19th November 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (FSTABLISHMENT)

New Delhi, the 19th November 1979

No. 6/1161/79-Admn(G)/8115.—The President is pleased to appoint Shri Mahendra Pratap Singh, an officer of the Uttar Pradesh (Civil) Judicial Service and Deputy Legal Adviser in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports. New Delhi as Legal Adviser in the same office on ad hoc basis with effect from the 15th November, 1979 (FN) for a period of one year or till the post it filled on regular basis, whichever is earlier.

> C. VENKATARAMAN Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 17th November 1979

No. 6/414/56-AJmn(G)/8070.—On attaining the age of superannuation, Kum. S. D. Marathe relinquished charge of the post of the Joint Chlef Controller of Imports and Exports, Ahmedabad on the afternoon of the 31st October,

The 19th November 1979

No. 6/786/66-Admn(G)/8156.—On attaining the age of superannuation Shri Budh Ram relinquished charge of the post of the Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports (Central Licensing Area), New Delhi on the afternoon of the 31st October, 1979.

The 20th November 1979

No. 6/12/3/79-Admn(G)/8152.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Satya Prakash Sharma, Superintendent in National Sample Survey Organisation, Ambala Cantt. tis Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Amritsur in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st October, 1979, until further orders.

2. Shri Sharma as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/-.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

KANDLA FREE TRADE ZONE

Kutch-370 230, the 20th November 1979

No. FTZ/Admn/7/2/79/15182.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham Kutch hereby continues the appointment of Shri B. Mohan Singh, Examiner of Madras Customs Collectorate, as Appraiser,

in Kandla Free Trade Zone on the usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)/60. E. III dated the 4th May, 1961 as amended from time to time in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- w.e.f. 16-10-1979 (FN) for one year more from 16-10-79 to 15-10-1980.

> NIRANJAN SINGH Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 31st October 1979

No. A-1/1(385).—Shri S. P. Saxena, Permanent Dy. Director and officiating Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1979 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 17th November 1979

No. A-1/1(464).—The President is pleased to appoint Shri S. L. Kapur, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') to officiate on ad hoc basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General Supplies of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General Supplies of S ral of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of 6-11-1979.

The 26th November 1979

A-1/1(948).—Shri Babu Lal, Asstt. Director (IR) (Gr. I) in the Hendquarters office has been reverted to the non-gazetted post of Senior Feonomic Investigator with effect from the afternoon of 14-11-1979.

A-1/1(949)/79.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhasin, Asstt. Director (Stat.) (Gr. I) to officiate on ad hoc basis as Asstt. Director (IR) (Gr. I) in this Directorate General for a period of 6th months with effect from the forenoon of 15-11-1979 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

No. A-1/1(1143).—The President is pleased to appoint Shri N. Fugambaram. Grade IV officer of the Indian Statistical Service after completion of the on-the-job training, to officiate as Assistant Director (Stats.) (Gr. I) in the office of the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of 15-11-1979.

K. KISHORE Deputy Director (Administration)
for Directorate General of Supplies and Disposals

ISPAT, KHAN AUR KOII A MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 23rd November 1979

No. 7677B-/A-19012(3-CNM)/79-19B.—The resignation tendered by S/Shri C. N. Murthy & V. M. Niyogi, Asstt. Chemist, Geological Survey of India is accented with effect from the afternoon of 30th September, 1977, on their permanent absorption in the Mineral Exploration Corporation Ltd.

> V. S. KRISHNASWAMY Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur the 20th November 1979

No. A. 19012(104):78-Estt A.-Shri R. A. Mishra, Assistant Chemist on ad hoc basis) is promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in this department on regular basis with effect from 29th October, 1979 (A/N) until further orders.

The 22nd November 1979

No. A-19012(118)/79-Estt. A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, Shri V. D. Toke, Permanent Asstt. Store Reeper (Tech.) and Officiating Store Reeper (Tech.) Grade II, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate in the post of Assistant Stores Officer, in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 19-10-1979.

S. BALAGOPAL Head of Office

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Eelhi, the 27th November 1979

No. F. 11-9/79-A-1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri V. N. Kohli, Permanent Asstt. Archivist (Gr. II) (General) and Ofig. Asstt. Archivist (Gr. I) (General) to officiate as Archivist (General) (Class II Gazetted) on purely ad hoc basis with effect from 23rd November, 1979 (F.N.) and until further orders. He is transferred from Guide to Archivial Legislation.
This ad hoc appointment will not confer any right

claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to the

next higher grade.

Administrative Officer National Archives of India for Director of Archives

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 21st November 1979

No. F. 70-2/79-Estt. 29973.—Shri H. S. Sharma, Senior No. F. 70-2/79-Estt. 299/3.—Shri H. S. Sharma, Senior Zoological Assistant Central Regional Station, Zoological Survey of India, Jabalpur has been appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650—1200/- in the same Department at the Central Regional Station, Zoological Survey of India, Jabalpur, in a temporary capacity on ad hoc basis with effect from 9th November, 1979 (F.N.), until further orders. further orders.

> S. R. BHATTACHARJEE Administrative Officer Zoological Survey of India Calcutta

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-700019, the 27th November 1979

No. 35-2/78/Estt.—Sarvashri A. K. Sen and N. Sundi. Senior Research Assistants are appointed as Scientific Officer in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 24th and 25th October, 1979 respectively, until further orders.

> S. P. DAS GUPTA Director

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 20th November 1979

No. 9/51/49-Est.I.—On attaining the age of superaunuation, Shri R. B. Mhatry, Prot. Cameraman (CFU) in the Films Division. Bombay retired from service from the afternoon of the 31st October, 1979.

The 23rd November 1979

No. A-19012/5/74-Est I.—On his appointment to the post of Branch Manager in the Film Finance Corporation Ltd., Shri A. K. Narang, Pmt. Branch Manager, Films Division, Bombay is relieved of his duties in the afternoon of 31-5-1979.

N. N. SHARMA Asstt. Administrative Officer For Chief Produces

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd November 1979

No. A.12026/28/79(HQ)/Admn I—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Usha Srivastava. Investigator in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services New Delhi to the post of Research Officer in the same Bureau on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 23rd October, 1979 and until rurther orders.

S. L. KUTHIALA, Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 24th November 1979

No. 3-48/79-Estt.(I).—The ad hoc appointments of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij, and O. P. Bhasin in the posts of Superintendents (Grade I) are further continued w.c.t. 1-12-1979 to 29-2-1980.

B. N. CHADHA Director Administration.

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 21st November 1979

No. A-19023/5/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri P. I. Vashisht is appointed to officiate as Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at New Delhi in the afternoon of 9-10-1979, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Vashisht relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at New Delhi in the afternoon of 9-10-1979.

No. A-19023/12/79-A.III.—Shri R. K. S. Pillay, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Madras w.e.f. 10-10-79 (FN) on short-term basis for a period not exceeding 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Pillay relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Madras in the forenoon of 10-10-1979.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay 400 085, the 4th October 1979

No. PA/73(16)/78-R.IV.—The Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Anand Paikuji Dongre, as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 21, 1979 until further orders

The 11th October 1979

No. PA/73(16)/78-R-IV.—The Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt) Santosh Wattal, as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 26, 1979 until further orders.

The 16th October 1979

No. PA/26(3)/79-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Madhav Yeshwant Phadnis, Permanent Section Officer (Accounts), Roster No. A-2123 from the office of the Controller General of Defence Accounts as Assistant Accounts Officer in BARC in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the foremon of September 19, 1979 for a period of 2 years in the first instance.

The 29th October 1979

No. PA/68(6)/77-R-IV.—On transfer from the Office of the Divisional Manager (P) C. Rly., Bhusawal, the Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Upadhway Radhe Shyam as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Beryllium Pilot Plant Project of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 6, 1979 on fixed term for a period upto the afternoon of February 28, 1981.

No. PA/34(5)/78-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Sambhu Nath Sen, a permanent Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of September 1, 1979 until further orders.

A. S. DIKSHIT Dy, Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 21st November 1979

No. NAPP/Adm/1(161)/79-S/12836.—Chief Project Engineer. Narora Atomic Power Project appoints Shri Arun Kumar Bhattacharya an officiating Scientific Assistant 'C' in the Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1979, until further orders.

No. NAPP/Adm/1(160)/79-S/12837.—Chief Project Engineer. Narora Atomic Power Project, appoints Shri Romesh Kumar Malbotra an officiating Supervisor in the Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

No. NAPP/Adm/1(162)/79-S/12838.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Perumal Radhakrishnan an officiating Scientific Assistant (C) in the Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1979, until further orders

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 20th November 1979

No. AMD-1/7/79-Adm.—In supersession of this office Notification of even number dated 30th October, 1979, the Director. Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Fnergy hereby appoints Shri S. B. Baneriee, Section Officer (Accounts) of the Controller General of Defence Accounts as Assistant Accounts Officer on deputation in the Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 3rd October, 1979 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL. AVIATION

New Delhi, the 15th November 1979

No A. 32013/3/79-ES.—In continuation of this office notification of even number dated 21-6-1979, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of S/Shri S. Ranian and Chaman 1 al in the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection for a period of three months beyond 13-8-1979 or till regular appointment to the orade are made whichever is carlier on usual terms and conditions.

The President is also pleased to appoint Shri V. D. Sethi to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection on ad hoc basis for a period of 3 months with effect from 28-9-79 or till the post is regularly filled whichever is earlier.

The 20th November 1979

No. A. 12025/1/78-EC.—The President is pleased to appoints Shri Hemant Kumar Dixit in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Communication Officer with effect from 1-11-79 (FN) and to post him in the office of the Officer-in-Charge Aeronautical Communication Station, Gauhati until further orders.

No. A. 32013/1/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri Sarwan Kumar, Technical Officer in the office of the Director, Radio Const. and Development Units, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from 26-9-79 FN and to post him in the same office.

2. Senior Technical Officers will be assigned position in the combined eligibilty list of Senior Technical Officer/Senior Comm. Officer for higher promotion according to the date of their regular appointment in the grade subject to maintenance of inter se seniority in the grade of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer and subject to condition that in the case of officers appointed to the Civil Aviation Department on the basis of the Engineering Services Examination their Inter se seniority in the said Examination for appointment as Technical Officer/Communication Officer will also be maintained.

The 22nd November 1979

No. A. 12025/1/78-EC.—The President is please to appoint Shri R. Chandramauli in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officer with effect from 22-10-79 (FN) and to post

him in the office of the controller of Communication Aeronautical Communication Station, Bombay until further orders.

No. A. 32013/7/78-EC.—In continuation of this Deptt. Notification No. A. 32013/7/78-EC, dated 22-6-79, the President is pleased to sanction the continuance of ad hoc appointment of the following three Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer beyond 31-8-79 and upto 2-9-79 (two days):—

Sl. No., Name and Station of posting

- 1. Shri Vijay Panwar-A.C.S., Palam.
- 2. Shri K. K. Narayan--A.C.S., Calcutta.
- Shri A, K. Bansal—Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.

No. A. 35021/1/79-EC.—The President is pleased to place Shri S. K. Saraswati, Senior Technical Officer in the Office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi on deputation on foreign service terms with Gujerat Communications and Electronics Limited, Baroda as Senior Engineer w.e.f. 30-5-1979 (AN).

The 23rd November 1979

No. A. 32013/4/79-ES.—In continuation of this office notification of even number dated 24-7-1979, the President is pleased to continue ad hoc appointment of S/Shri N. Jayasimha and R. C. Gupta in the grade of Senior Aircraft Inspector for a period of six months beyond 13-8-1979 or till the posts are regularly filled, whichever is earlier.

The 26th November 1979

No. A. 32014/3/79-EC(Pt.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned two Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad hoc basis with effect from the date and station indicated against each:—

S. No.	Name			Station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
1.	Shri Gopal Singh			ACS, Gauhati	Radio Const. & Dev. Units,	10-9-79(FN)
2.	Shri G.S. Verma			A.C.S. Bhatinda	New Delhi. ACS, Varanasi,	7-11-79(FN)

No. A. 38013/1/79-EC—The undermentioned two Officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on 31-10-79(AN) on retirement on attaining the age of superannuation:—

S. No.	Name & Designation				Station	Date of retirement
	J.C. Das, Comm. Officer N.V. Pathy, Technical Officer	<u>:</u>	•	:	A.C.S. Calcutta Radio Stores Depot, New Delhi	31-10-79(AN) 31-10-79(AN)

R. N. DAS, Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Bangalore, the 16th November 1979

No. IV/16/421/79.C.1.—The following persons/firms/companies were penalised under the provisions of the Central Excise and Salt Act, 1944 and the Rule made thereunder since February, 1976 by the Collector of Central Excise, Karnataka Central Excise and Customs Collectorate, Bangalore.

1. M/s Shyam Steel Re-rolling Mills Ltd. Bangalore

A penalty of Rs. 15,000/- was imposed in addition to confiscation of excisable goods worth Rs. 92,400/- allowing it to be redeemed on payment of a redemption fine of Rs. 10,000/- for contravention of Rules 9(1), 52A, 53 read with 173.G(4), 173.G(1), 226 and 173.Q(1)(a)(b) and (d) of Central Excise Rules, 1944.

2. M/s Andhra Steel Corporation, Bangalore

A penalty of Rs. 25,000/- was imposed in addition to confiscation of goods worth Rs. 91,000/- allowing them to be redeemed on payment of a redemption fine of Rs. 45,000/- for contravention of Rule 9(1), 52A, 53 read with 173.G(4), 173.G(1), 226 and 173.Q(1)(a)(b) and (d) of Central Excise Rules, 1944.

3. M/s Bangalore Cables Private Ltd. Bangalore

A penalty of Rs. 15,000/- was imposed in addition to confiscation of goods worth Rs. 1,13,006/- allowing them to be redeemed on payment of redemption fine of Rs. 25,000/- for contravention of Rules 53 read with 173.G(4), 56B, 226 and 173.Q(1) of Central Excise Rules, 1944.

4. M/s Fit-Welcaps Private Ltd. Bangalore

A penalty of Rs. 80,000/- was imposed for contravention of Rules 53 read with 173.G(4), 56B, 226 and 173.Q(1) of Central Excise Rules, 1944.

5. M/s Bharat Metal Industries, Bangalore

A penalty of Rs. 10,000/- was imposed in addition to confiscation of excisable goods worth Rs. 2,41,640/- allowing them to be redeemed on payment of a redemption fine of Rs. 1,00.000/- for contravention of Rules 9(1), 52A, 53 read with 173.G(4), 43(2), 44(3), 173.G(1), 173.F, 226 and 173.Q(1)(a)(b) and (d) of Central Excise Rules, 1944.

6. M/s Khoday Industries, Bangalore

A penalty of Rs. 25.000/- was imposed for contravention of Rules 9(1), 52A, 174, 53 read with 173.G(4), 173G(1), 173.F, 226 and 173.Q(1) of the Central Excise Rules, 1944.

M. V. REDDY Dy. Collector (HQrs.) for Collector

Kanpur, the 26th March 1979

No. 12/79.—Consequent upon their promotion to the grade of Supdt. Central Excise Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-35-880-40-1000- EB -40-1200/- vide this office Estt. Order No. I/A/10/79 dated 2-1-1979 issued under C. No. II-11-Estt./79/123 dated 2-1-1979 and Estt. Order No. I/A/56/79 dated 27-1-1979 issued under C. No. II-11-Estt/79/3832 dated 27-1-1979, the following Inspectors (Senior Grade) Central Excise Group 'B' on the dates and places mentioned against each:—

Sl. No.	Name	Place of Posting	Date of joining		
1	2	3	4		
2. Sury	lish Pd. Sharma ze Pd. Agarwal Dhuraiya	IDO Agra IDO Kanpur II MOR Aligani	22.1.79 F.N. 22.1.79 F.N. 27.1.79 F.N.		
4, T,L	, Dharnl	Aligarh Division IDO Ghaziabad-II 18.1.79 F.N			

1	2	3	4
5. Ar	nrit La I Dewan	Supdt. (Audit) Hdgrs. Office	13.2.79 F.N.
	ishal Lal Deshmukh L.S. Arya	Kenpur, IDO Ghaziabad-II Supdt,(Audit) Hdqrs, Office Kenj	9.2.79. A.N.

The 27th June 1979 CORRIGENDUM

No. II-249-Estt/78/20477.—In partial modification to this office notification No. 1/79 dated 2-1-1979 issued under Endt. C. No. II-249-Estt/640-46 dated 8-1-1979, it is hereby ordered that the date of assuming charge as given in the said notification may be read as 14-7-1978 instead of 16-8-1978.

K. L. REKHI Collector

Madras-600034, the 26th July, 1979

No. II/3/22/79-Estt.—The following Inspectors of Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Group 'B' Until further orders and posted with effect from the dates noted against each, to the places specified against their names.

Sl. No	Name						Place where posted as Supdt. Group 'B'	Date of joining
	S/Shri		 	 				
1.	S. Balasundaram						Hqrs. Office, Madras	3-2-79
2.	M. Ponnaiah .				,		Valparai, MOR, Pollachi Dvn.	12-2-79
3.	T. Arumugham						Gudalor MOR, Coonoor Division	9-2-79
4.	K. Thirumalai .						Pondicherry Dvn.	21-6-79
5.	J.M. Jayaseclan					-	Dharapuram MOR, Erode Dvn.	2-6-79
6.	S.K. Karuppan .						Madras III Dyn.	1-6-79
7.	P.K.S. Ramakrishnan						Madras-I Dvn.	2-6-79
8.	G. Gopalakrishnan						Coimbatore II Dvn. (Tech.)	2-6-79
9.	K. Govindarajan						Puliampatti MOR Erode Dvn.	1-6-79
10.	P. Gopalan .						Kumbakonam MOR, Pondicherry Dvn.	14-6-79
11.	S. Janakiraman						Nagammam MOR, Pollachi Dvn.	16-6-79(A.N.)
2.	V.R. Kandasami						Coonoor MOR, Coonor Dn.	2-6-79
3.	K.L. Narayanan .						Nettupalayam MOR, Coonoor Dvn.	30-5-79
[4.	1.Md. Abdul Razaq Ki	han					Madras-II Dvn.	28-6-79
15.	A.G. Dorairaj .						MOR-XIII, Coimbatore-I Dvn.	7-7-79
ί δ.	S. Santhanakrishnan						MOR XI, Coimbatore-I	7 -7- 79
١7.	D. Nelson .						Hqrs. Office, Madras	4-7-79(A.N.)
18.	N. Badrachalam .						Kotagiri MOR, Coonoor Division.	<i>7-7-</i> 7 9
. 9.	P. Nagappachetty						Coimbatore-I Dvn. (Tech)	7-7-79

B. R. REDDY, Collector

DIRECTORATE GENERAL (WORKS) CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the November, 1979

No. 23/2/77-EC-II—The following officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government Service with effect from 31st October, 1979 A.N. (31-10-1979 A.N.).

S.N	o. Name of o	fficer						Present Designation
	S/Shri M.N. Lalwani Malkit Singh			•	:			E.O. to C.E. (SWZ), CPWD, Bombay. E.E., Construction Division I, A.&N. Administration, A.P.W.D., Rangat.
• •	S.D. Tulsiani C.R. Roy .		•				•	S.W. (PWD) D.A., New Delhi Executive Engineer (Civil). Executive Engineer (Electrical), Calcutta Aviation Elect. Division,
-7.						 		C.P.W.D., Calcutta.

S. S. P. RAU, Dy. Director of Admn., for Director General-Works.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY

AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Navaratna Investments Private Limited

Cuttack, the 19th November 1979

No. SO-718-3719(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Navaratna Investments Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Nandan Food Products Private Limited

Cuttack, the 19th November 1979

No. SO-531-3723(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Nandan Food Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Orissa Flying Club Limited

Cuttack, the 19th November 1979

No. SO-3721(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Orissa Flying Club Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Shrikshetra Construction Company Private Limited

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-390-3770(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Shrikshette Contruction Comany Private Limited, unless cause is shown to contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Utkal Cable Industries Private Limited

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-455-3780(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Utkal Cable Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Bhugabati and Company Private Limited

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-420-3778(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Bhagabati & Company Private unless cause is shown to the contrary, will be will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Sigma Steel Private Limited

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-386-3776(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Sigma Steel Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck out the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Utkal Chemical & Oil Industries Limited

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-89-3772(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Utkel Chemical and Oil Industries Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Iharan Mills Private Limited

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-294-3774(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Jharan Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL Registrar of Companies, Orissa

Notice Under Section 445(2) of the Companies Act, 1956 In the matter of M/s Acme Finance Private Limited

Delhi, the 19th November 1979

No. Co. Liqn. 3153.—By an order dated the 7-2-79 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Acme Finance Private Limited has been ordered to be wound up.

S. P. VASHISHTHA Registrar of Companies, Delhi & Haryana

In the matter of Companies Act, 1956 and
In the matter of
M/s. The Trust Association of the India Church Council
of the Disciples of Christ, Jabalpur

Gwalior, the 21st November 1979

No. 1025/Yadav/4212.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. The Trust Association of the India Church Council of the Disciples of Christ, Jabalpur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and In the matter of

M/s. Smart India Private Limited, Indore

Gwalior, the 21st November 1979

No. 970/Yadav/4215.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Smart India Private Limited, Indore, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and In the matter of

M/s. Mohanlal and Mohanlal (Indore) Private Limited,
Bhoval

Gwalior, the 21st November 1979

No. 872/Yadav/4218.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mohanlal and Mohanlal (Indore) Private Limited, Bhopal, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and In the matter of

M/s. Malwa Dhakar Corporation Limited, Bhopal

Gwallor, the 21st November 1979

No. 1047/Yadav/4221.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Malwa Dhakar Corporation Limited, Bhopal, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Balkrishna Shah & Co. Private Limited

Gwalior, the 23rd November 1979

No. 239/Tech/4266.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Balkrishna Shah & Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. ad-Envoys Advertising & Marketing Private Limited

New Delhi, the 21st November 1979

No. 4880/20298.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. ad-Envoys Advertising & Marketing Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

G. B. SAXENA Asstt. Registrar of Companies, Delhi

In the matter of the Companies Act. 1956, and of M/s Thakur Chip Boards Limited

Patna, the 21st November 1979

No. (706)78-79/4165.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Thakur Chip Boards Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE Registrar of Companies, Bihar, Patne

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. F. P. Wadia Brothers Private Limited

Ahmedabad, the 26th November 1979

No. 194/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s F.P. Wadia Brothers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. The Sainaney Trading Co. Prtvate Limited

Ahmedabad, the 26th November 1979

No. 1280/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s The Sainaney Trading Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Darshan Trading & Finance Pvt. Limited

Ahmedabad, the 26th November 1979

No. 1570/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Darshan Trading & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

J. G. GATHA Registrar of Companies, Gujarat

NOTICE

Kanpur, the 22nd November 1979

No. 13071/3621-Liqn.—By an order dated 14th/18th day of November, 1977 in Company Petition No. 13 of 1976 of the Hon'ble High Court of Judicature at Allahabad it has been ordered by the Hon'ble Court to wind up M/s. Ultravision Private I imited, 111/98-A, Ashok Nagar, Kanpur and the Official Liquidator, U.P., 33, Edmonstone Road, Allahabad has been appointed its Official Liquidator.

B. D. GUPTA Registrar of Companies, U.P., Kanpur

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. 906.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe.

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agriculture Land situated at Mungada, Kothapeta Tq. (and more fully described

in the Schedule annexed herato), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Ambajipeta on 3-3-1979,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Batchu Venkatanarayanamurthy, Uchilli, Kothapeta Tq. East Godavari District.

 (Transferor)
- (2) Sri Kumpatla Gopalakrishna Murthy, S/o Subba Rao, Munjavaram East Godavari District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 251 dated 3-3-1979 registered before the S.R.O. Ambatjipeta

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 7-8-1979.

(1) Sri Chava Venkatakrishnaiah, S/o Subbalah, Chandramoulinagar, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Sakurtby Ramiah, S/o Koti Lingam, Chandramoulinagar, Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. 919.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and belaring, as per Schedule situated at Chandramdulinagar, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 19-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The scheduled of the property as per the registered document No. 1274/79 dated 19-3-79 registered before the S.R.O. Guntur.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 920.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule at Opp. Krishna Mahal Theatre, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 30-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (i) Dr. K.V. Krishnamurthy, (ii) K. L. Prasunamba, (iii) K. V. Phani, (iv) and 5 minors K. Radhakrishnamurthy and Madhavilatha by guardian mother Prasanamba, 1-1-212, Chikkadapalli, Hyderahad

(Transferor)

(2) Sri Gummadi Venkata Ramanaih, S/o Sayanna, C/o Gowri Shanker Cace, Shyamaladas Agraha-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforceaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The scheduled of the property as per the registered document No. 1532/79 dated 30-3-1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 6-9-1979.

FORM LTNS.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 921.-Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said /.ct') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 20-3-1979,

for an appearnt consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s The Tenali Sri Ramalingaswara Rice Factory. Ltd., by Managing Director, Sri Ch. Eagaumohand Rao, 7/80, Brodiepet, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri Jaluri Subba Rao, Managing Parter M/s Saptagiri Dhall Mill, Balajıraopet, Tenali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said proporty may be made in writing to the undersigned;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The scheduled of the property as per the registered document No. 592/79 dated 20-3-1979 registered before the S.R.O. Tenail.

> K. SUBBA RAO Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 6-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 940.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Ramachandra Rao Road, Suryaraopeta Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada, on 1-3-1979, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of1 957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sid Act, to the following persons, namely :-20-366GI/79

(1) 1. Smt. Nidamarthi Saraswathi, 102, Venkatachala Modaliar Street, Mylapore, Madras-4.

2. Smt. Parasa Sarada, Vemurivari street, Vijayawada-2.

3. Smt. Tallapradgada Bharathi,

Ramachandrarao Road, Vijayawada-2.
4. Smt. Kolanukuduru Vani, No. 2, Rajammannar St. T. Nagar. Madras-17.
5. Nidamarthi Ramachandra Rao,

102. Venkatachalamodaliar Street, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) (i) Sri. Koneru Rameshkumar, (ii) Sri Koneru Murati Krishna, (iii) Sri Koneru Vijayakumara, Sons of Sri K. Ramachandra Rao, Director, Vani Niketan, Ramachandra Rao Road, Vijayawada-2.

(Transferee)

(3) M/s Vani Niketan, by Director Sri chandra Rao, Ramachandrarao Road, Suryaraopeta, Vijayawada. K. Rama-

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1294/79 dated 1-3-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

nagar, Vijavawada,

(2) M/s Popular Shoe Mart, Gandhinagar, Vijaya-

(1) Sri Chukkapalli Amarkumar, S/o Pitchaiah, Gandhi-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 941.-Whereas I, B. V. SUBRA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 26-13-4/2 situated at Sanyasiraju Street, Gandhinagar. Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vijavawada on 23-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1926 dated 23-3-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

> B. V. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 943,-Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 14-1-13 situated at Ramasomayajulu st. Vallabhai Road Junction, Opp: Municipal Office, Kakinada,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Rigistering Officer at Kakinada, on 9-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) (i) K. Lakshmi W/o Ramesh Rao.
(ii) A. K. Rajeswari. W/o A. K. Ramesh,
(iii) Balloori Mohana Rao,
(iv) Balloori Savithramma, W/o Ramakrishna Rao,
(v) Balloori Ramakrishna Rao,
C/o Shanthi Nivas Lodge, Kakinada.
Parties 1 to 4 are by General Power of Attorney

Holder Shri B. Ramakrishna Rao, Kakinada.

(Transferor)

(2) M/s Enterprises, Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1183 dated 9-3-1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

> B. V. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 944.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 5/132 situated at Kapileswarapuram Estate, Nuzivid. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzivid on 14-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Sri M. Srinivasa Apparao, Son of late M. Venkata Rangayya Appa Rao, No. 30, Hind Lane, B. N. Reddy Road, T. Nagar, Madras 600017.
 (ii) Sri M. V. S. Appa Rao, Son of M. Srinivasa Appa Rao, The United Vedia Insurance Comp.
 - (ii) Sri M. V. S. Appa Rao, Son of M. Srinivasa Appa Rao, The United India Insurance Company Limited, Madras-600014, Resident of No. 7, IV. Avenue Harrington Road, MADRAS-600031.
 - (iii) Sri M. Raghu Apparao, Son of Shri M. V. S. Apparao, No. 7, IV Avenue, Harrington Road, Madras-600031.
 - (iv) Smt. Kausalya Apparao, W/o late M. V. Parthasarathy Apparao, No. 30, Hnd. Lane, B. N. Reddy Road, T' Nagar, Madras-600017.
 - (v) Smt. M. Jagadeeswara Amma, W/o M. Srinivasa Apparao, residing No. 30, IInd Lane, B. N. Reddy Road, T' Nagar, Madras-600017.
 - (vi) Smt. J. Jayashree Kumar, W/o Sri R. Kumar, resident of No. 4, Damodar Murthy Street, Madras-600010.
 - (vii) Sri M. V. Goutham Apparao, Son of Late M. V. Parthasarathy Apparao, No. 30, IInd Lane, B. N. Reddy Road, T'Nagar, Madras-600017.

(Transferor)

- (2) (i) Registrar, Andhra University, Waltair-3.
- (ii) President and Correspondent, Dharma Apparao College, Nuzivid.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 622 dated 14-3-1979, registered before the S.R.O. Nuzivid.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada,

Date: 10-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 945.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36-8-33, situated at Tikek Street, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in resect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issut of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jalnadevi alias, Jatana Devi, W/o Sait Jawanmal, Near II Town Police Station, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri Nallamilli Veera Raghavareddy, S/o Peddakapu alias Venkata Reddy, Tilak Street, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1587 dated 30-3-1979, registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 10-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 946.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19-3-34 situated at Manthripagradavari street Kakinada. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 24-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- Sri P. Rajagopal, Prabhakar street, Ramaraopet Kakinada-4.
- 2. (i) Dr. Vaddi Venkateswara Rao,

(Transferor)

(ii) Smt. Dr. Vaddi Padma Rao, 19-4-34, Mantripagadavari street, Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1489/79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 10-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 947.—Whereas I, B, V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Vijayawada by the side of Rama Mandiram, Arundalpeta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (i) Sri Yalmanchilli Vasava Rao, (ii) Sri Yalamanchilli Radhakrishna, Sons of Venketeswara Rao, C/o M/s Y. V. Rao Petrol

keteswara Rao, C/o M/s Y. V. Rao Petro Bank, Indian Oil Dealers, Eluru Road, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) Sri P. Bhaskara Murthy, S/o P. Janardhana Murthy, Sonovision Electricals, Eluru Road, Vijaya-wada-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1870 dated March, 79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 10-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 948.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-4-32 situated at Seshagiri Rao street, Kakinada. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada, on 29-3-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1) (i) Sri Duriseti Sesha Apparao,

(ii) Smt. Duriseti Krishuakumari and
 (iii) Smt. Lakkaraju Sesha Kumari, strett, Ramaraopet, Kakinada-4.

(Transferor)

(2) Sri G. R. Lorne, President, The Fellowship of Indigenous Gospel Churches Ramaraopet, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1535 dated 29-3-1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 10-10-1979.

(1) Sini P. D. Satyunarayana, Poor Ahmed Stroot. Tanuku.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Imandi Kannamma, 32-21, Peet Ahmed Street, Tanuku.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 949.--Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 32-21 situated at Peer Ahmed Street, Tanuku,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Tanuku on March, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the Said Act to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 547 dated March, 1979 registered before the S.R.O. Tanuku.

> B. V. SUBBA RAQ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-10-1979.

Seel:

21-366GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 950.-Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (Land) situated at Pithapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram during March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) (i) Smt. Bongu Narayanamma, W/or Sri Suryanarayana, Fort Gate, Pithapuram.
 - Smt. Tirupathi Ramayamma, W/o Venkateswara Rao, C/o Sarvodaya Medical Stores,
 - Municipal Office shops, Rajahmundry. (iii) Smt. Bongu Nagarathnam, W/o Sri Venkatarao, 112, K. K. Nagar, C Rongu C.M.I.G. Madras-78.
 - Smt. T. Janaki, W/o Sri Tirupathi Eswaradas, Vizianagaram.

(Transferor)

- (2) (i) Chakkapalli Vishnumurthy, (ii) Chakkapalli Satyanarayanamma, (iii) Chakkapalli Papayamma lais Amaravathi,

 - (iv) Chakkapalli Padmavathi,

(Transftrees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 289 dated March 79 registered before the S.R.O. Pithapuram.

> B. V. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Kakinada.

Date: 10-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 951.--Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. (land) situated at Pithapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram during March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:---

- (1) (i) Smt. Bongu Narayanamma, W/or Sri Suryanarayana, Fort Gate, Pithapuram.
 - (ii) Smt. Tirupathi Ramayamma, W/o Venkateswara Rao.
 C/o Sarvodaya Medical Stores,
 Municipal Office shopes, Rajahmundry.
 - (iii) Smt. Bongu Nagarathnam, W/o Sri Venkatarao, 112, K. K. Nagar, C.M.I.G. Madras-78.
 - (iv) Smt. Koney Satyavathi, W/o Sri Venkatareddy, Care of Smt. Bongu Narayanamma.
 - (v) Smt. T. Janaki, W/o Sri T. Eswar Das, Vikianagaram. (Transferor)
- (2) (i) Sri Bandi Chandra Rao, S/o Sathyam,
 - (ii) Sm. Bandi Buchiraju, W/o Chandrarao, Madhavapuram, Pithapuram Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 336 dated March, 1979 registered before the S.R.O. Pithapuram.

> B. V. SUBBA RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 952.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-10-69 situated at Thotapalem village Near Vizianagaram,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizianagaram on 6-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Yarlagadda Seshayya, S/o Sri Yarlagadda Sriramulu, Vizianagaram.

(Transferor)

(2) M/s Vani Enterrises, represented by its partners Sri Yarlagadda Ranga Rao, (ii) Y. Chandrakumari, (iii). Y. Babu Rao, (iv) Smt. P. Rajyalakshmi and (v) Kumari P. Venkata Satyavani, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 572 dated March 1979 registered before the S.R.O. Vizianagaram.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 10-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s D. L. F. United Ltd., 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferce)

 S. Harbans Singh 2. S. Inder Singh 3. Gurdarshan Singh & 4) Dr. Kalyan Singh sons of Harnam Singh Sachdev, S/490-A, Greater Kailash New Singh Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

· ACQUISITION RANGE I.

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/11-79/1104,'.-Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 104 (Ist Floor) Office Flat, situated at Cinema Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 2-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 104 (1st Floor) Cinema Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi. The property is bounded as under :-

East: 40 Feet wide Road. West: 80 Feet wide Road of Greater Kailash-II colony North: Chiragh Delhi Kalkaji Road. South: Greater Kailash II (residenital Plot Nos. E/588

and E-615).

D. P. GOYAL. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 23-11-1979

(1) Shri Sunder Lall, N-124, Panch Shila Park New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1105/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land mg. 25 bighas 2 biswas situated at village Jaunapur, Tehsil Mehrauli, Distt. Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Master Tushar Pathak (Minor) S/o Shri Krishan Pathak of village Mohariya, Distt. Aligarh through his father Shri Krishan Pathak as guardian At present residing in Fouad Abbas Villa No. 2, Jumerah—Dubai (UAE).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 bighas 2 biswas situated in Village Jaunapur, Tehsil Mehrauli Delhi State Delhi. The details of which are as under:—

Killa No. 6/2 measuring 1 bigha 13 biswas.
Killa No. 7/2 measuring 1 bigha 13 biswas.
Killa No. 8/2 measuring 4 bighas 12 biswas.
Killa No. 9/2 measuring 3 bighas 16 biswas.
Killa No. 13 measuring 4 bighas 16 biswas.
Killa No. 14 measuring 4 bighas 16 biswas.
Killa No. 15 measuring 3 bighas 16 biswas.

D. P. GOYAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 23-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Prem Mohini Lal, N-124, Panch Shila Park New Delhi.

(Transferor)

(2) Km. Shardha Pathak (Minor) D/o Shri Krishan Pathak of village Mohariya, Distt. Aligarh through her father Sh. Krishan Pathak as guardian, at present residing in Fouad Abbas Villa No. 2, Jumerah, Dubai (UAE).

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I

ACQUISITION RANGE I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1106/11-79.—Whereas, 1, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land mg. 22 bighas 8 biswas situated at village Jonapur. New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 22 bighas 8 biswas comprising of following khasra Nos. situated in village Jonapur Tehsil, Mehrauli Distt. Delhi.

Killa No. 17 measuring 5 bighas 15 biswas. Killa No. 18 measuring 4 bighas 16 biswas. Killa No. 22 measuring 4 bighas 9 biswas. Killa No. 23 measuring 4 bighas 9 biswas. Killa No. 24 measuring 2 bighas 19 biswas.

D. P. GOYAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 23-11-1979

(1) Smt. Uma Arore, Gali No. 2, H. No. 4970 Shiv Nagar Karol Bagh New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Amrit Lal Sethi R/o B-IV/129, Lajpat Nagar New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/1108/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Compatent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-IV/129, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of th etransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-IV/129, Part II area 100 sq. yds. situated at Amar Colony, Lajpat Nagar, IV, New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Dated: 23-11-1979

(1) Shri Krishan Trimbak Ganpuley 14/10, Kalkaji New Delhi.

(2) Dr. Sukh Dev Sehgal A-1/2, Panchsheel Enclave

(Transferor)

(Transferces)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref. No. IAC/ΛCQ-I/1109/11-79.—Wherens, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14/10, situated at Kalkaji New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on leasehold lot measuring 1560 sq. ft. bearing No. 14/10, situated at Kulkaji, New Delhi-19.

D. P. GOYAL,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—366G1/79

Dated: 23-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt Shakunatla Devi Khanna W o late Sh Kastui Lal R/o R7-273/A, Tuglakabad Extension Colony (Kalkaji) New Delhi.

(Transferor)

(2) Sm. Kuldi Kaui W/o Vii Singh, R/o B-IV/58, Amat Colony Lajpat Nagar New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I. 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref No JAC/ACQ-J/1111/11-79.—Whereas D P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No B-IV/58, situated at Amar Colony, Lajpat Nagar New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 5-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-IV/58, Amar Colony Lajpat Nagar New Delhi Area 100 sq. yds. bounded as under:—

North: Property No. B-IV/59. South: Property No. B-IV/57. East: Serice Lane. West: Road.

D. P. GOYAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar.

Dated: 23-11-1979.

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/1113/11-79,—Whereas, I, D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 4, situated at Central Market, Lajpat Nagar
New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narain Dass S/o Bhoj Raj R/O II-F/99, Lajpat Nagar New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shi Arun Kumar S/O Krishan Lal R/O B-5, Cooperative Housing Society, NDSE-I, New Delhi. (Transferee)
- (3) Shri Suresh Paruthi, B.I. Line, Meerut Cantt.
 (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Area 263 sq. ft, situated at Central Market Lajpat Nagar New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 23-11-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1114.—Whereas, I. D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

D-16E, situated at Hauz Khas I-nclave New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

New Delhi on 6 March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Rani Chandra Kunvetha, s/o Late Maj Gen. Maharaj Shui Himat Singhji, r/o of D-16/E, Hauz Khas New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Pian Nath Sarin, 4, Doctor's Lane Gole Market. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two and a half storyed constructed on plot No. 16-E, Block No. D, Hauz Khas Fnclave, New Delhi with all the land underneath, measuring 275 sq. yds.

North: Plot No. D-16/D South: Plot No. D-16/F

East: Road West: Service Lane

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 23-11-1979

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. 1ΛC/Λcq-1/1118/11-78.—Whereas, f, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-150 situated at Defence Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi 7-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Punjab Oil Distributing Co. P. Ltd. through Shri S. S. Sahni Director, C-150, Defence Colony New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kirat Singh S/o Shri Amar Singh C/o M/s Zenith Sarce House, 2402-03, Hardhian Singh Road, Karol Bagh New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 21 storeyed building No. C-150 Defence Colony New Delhi measuring 401 sq. yds. bounded as under:—

East: Property No. C-151

West: Road North: Road South: Serice Lane.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 23-11-1979

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/1126/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land Mg. 31 bighas 9 biswas situated at village Mchrauli New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S, Chakravarty, 177, Jor Bagh New Delhi. (Transferor
- (2) Shri A. N. Bhandari, Padma Bhandari 13-B, Sujan Singh Park New Delhi and S. Bhandari, 6 Prithvi Ruj Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 31 blgha 9 biswas and bearing the following khasra numbers in the area of village Mchrauli, Tehsil Mchrauli New Delhi.

Khasra No.	Area Bighas	Biswas
2248/2141/577	<i>bigaas</i> 4	6
2142/2058/577	8	2
2249/2141/577	3	19
2247/2141/577	5	9
	31	9

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 23-11-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Rajbar Singh Sandhu through his attorney Dr. Randihir Singh Sandhu S-453, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saral Sudan, 5, Tolstoy Marg, New Delhi-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. 1AC/ACQ-I/SR-III/3-79/1131.—Whereas, I, D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-453, situated at Greater Kailash New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5 March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and half story H. No. S-463, Measuring 250 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

D. P. GOYAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 23-11-1979

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'sald Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD. NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1136.—Whereas, I. D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land mg. 14 Bighns and 10 Biswas, situated at village Satbari Tehsil Mchrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 28th March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Ram Singh, Gian Singh, Bhup Singh s/o Mohan Lal; and Bhagwat Singh s/o Mohan Lal for sale and as attorney of Mahbir Singh and Sukhbir Singh s/o Hoshiar Singh r/o Village Maidangargi, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Narain s/o Late Seth Jagat Narain r/o 6A, Jantar Mantar Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area area 14 bighas and 10 biswas, Khasra No. 320(4-16), 321(4-4), 323(5-10), situated in village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 23-11-1979

·----

FORM ITNS----

(1) Shri Ram Singh, Gian Singh, Bhup Singh s/o Mohan La!, and Bhagwat Singh s/o Mohan La!, attorney of Mahabii Singh and Sukhbir Singh s/o Hoshiri Singh, r/o Village Maidangarhi, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Yijay Narain s/o Late Seth Jagat Narain r/o 6A, Jantar Mantar Road, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-JII/3-79/1137.—Whereas, I, D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Agr. land mg. 14 Biswas, 6 Biwas situated at Village Sathari, Tehsil Mehruali, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12th March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the _ said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the vaid Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---23--366G1/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 14 Bighas and 6 Biswas, Khasra No. 317(3-18), 318(4-16), 319(4-4), 324(1-B), situated in village Salbari, Mehruali. New Delhi.

> D. P. GOYAL, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 23-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002 New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1154/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-28, situated at Greater Kallash Part II New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Om Prakash Aggarwai S/o Late Raghbir Prashad and Smt. Hemlata Aggarwai W/o Gian Chand Aggarwai R/o A-15/7, Vasant Vihar New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur S/o L. S. Puri R/o C-139, Defence Colony New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-28, measuring 250 sq. yds. in Greater Kailash-

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 23-11-1979

FORM IINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1155/11-79.—Whereas, I. D. P. Goyal

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land 19 bighas 4 biswas situated at Village Dehra Mandi Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 17th March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Chander S/o Shri Aman Dehra Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chander S/o Sita Ram R/o Usha Farms Bhati Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 bighas 4 biswas Mustatil No. 49 Kila No. 13(4-16), 14(4-16), 17(416) and 17(4-16) of Dehra Mandi Delhi.

D. P. GOYAL.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 23-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/-1/SR-1II/3-79/1156.Whereas, 1, D P. GOYAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land mg. 12 Bigha 8 Biswas situated at Dehra Mandi Delhi

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 16th March 1979

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Shri Ram Chander s/o Shri Aman r/o Dehra Mandi, Dolhi.

(Transferor)

(2) Shii Satish Chander s/o Shri Sita Ram r/o Usha Farms Bhati Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- I XPI NATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 12 Bigha 8 Biswas of Mustatil No. 49 Kila No. 23 area (4-16) Kila No. 3 area (4-16), and Mustatil No. 78 Kila No. 8/1 area (2-16) of Village Dehra Mandi, Delhi State, Delhi.

> D. P. GOYAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979

and the second control of the second control (1) Shri Lekhram s/o Shri Khimi r/o Dehra Mandi Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMP-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A. ASAF ALI ROAD. NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1157.—Whereas. I. D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to us the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land mg. 7 Bigha 5 Biswas situated at village Dehra Mandi, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 16th March 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(2) Shri Satish Chander s/o Sita Ram Usha Farms

(Transferee)

(Person(s) in occupation of the property).

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 7 Bigha 5 Biswas of Mustatil No. 78 Kila No. 4(4-16) and Kila No. 7(2-9) of village Dehra Mandi, Delhi State, Delhi.

> D. P. GOYAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delbi/New Delhi

Dated: 23-11-1979

FORM JTNS -

(1) M/s DLF Builders, 21-22, Narindra Place, Parlia ment Street, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Sudha Jaipuria C-48, N.D.S.F.-II, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I, 4/14A. ASAF ALL ROAD, NEW-DELHI-11000:

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/1159/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 16 (Ground Floor) situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II New Delhi-48 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16, Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under:—

East West North Others land Cinema

South

Kalkaji Road DLF Cinema Complex

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated: 23-11-1979

FORM ITHS

(1) M/s DLF Builders 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prabha Sukhani, B-31, Kailash Apartment, Kailash Colony, New Delhi-48.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII-110002.

New Delhi, the 23rd Noember 1979

Ref. No. IAC/Acq-t/1160/11-79,--Whereas I, D. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 1 (Ground Floor) situated at Commercial Complex, Greater Krilash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Shop No. 1 (Ground Floor) Commercial Complex, Greater Kailash-II New Delhi bounded as under :-

Others land EastWest Cinema North

Kalkaji Road DLF Cinema Complex, South

> D. P. GOYAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 23-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1161/11-79.--Whereas, J. D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 26913 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 6 (Ground Floor) situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17th March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s DLF Builders 21-22, Narindra Place, Parliv ment Street, New Delhi. (Transferos)
 - (2) M/s Indra Prastha, 8-Indian Oil Bhawan, Janpath New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under :-

East: Others land West: Cinema North: Kalkaji Road South: DLF Cinema Complex.

D. P. GOYAL Competent Authority, Inspecting Assu. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 23-11-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1163/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/sad bearing

No. E-223, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asaets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195/ (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—366GI/79

 Dr. D. P. Seth S/o late C. L. Seth, F-223, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri J. G. Khanna S/o late R. G. Khanna C-140, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed House No. E-223, Greater Kailash-II, New Delhi mensuring 251 sq. yds. bounded as under:—

Fast: E-221 House West: E-225 House North: Service Lane South: Road

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Deihi.

Dated: 23-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 4/J4A, ASAI: ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/1165/11-79. -Wherens, 1, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'strid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Agrl. land mg. 32 bighas 1 biswas situated at village Gadaipur New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ω (-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

(1) Maj. Genl. S. N. Bhatia S/o R. B. R. N. Bhatia and wife Smt. Savity Bhatia of D-430. Defence Colony New Delhi.

(Transfere.

(2) Shri Bhupinder Singh S/o S. Waryam Singh, Tri lok Singh Chail S o S. S. Harbal Singh, S. Dhiyan Singh S'o Harpal Singh & S. Amar Singh S/o S. Lehna Singh of Vill. Manpur Oja, Tehsil Bilaspur, Distt. Rampur U P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 bighas 1 biswas (about 6.7 acres) in village Gadaipur, New Delhi.

D. P. GOYAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, New Dethi

Dated: 23-11-1979

FORM ITNS-----

(1) Shri Gurbachan Singh S/o Ihanda Singh R/o 89, Hem Kanta near Nehru Place, New Delhi.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Kartar Chand Narang S/o Mool Chand and Shri Baldev Raj Narang S/o Kartar Chand R/o B-25, N.D.S.E. Part I, New Delhi.

(Transfereo)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGEA. 4/14A. ASAF ALL ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1167/11-79.--Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have tenson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-25, situated at New Delhi South Extension Part I New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-25, measuring 206 sq. yds. situated in New Delhi South Extension Part 1, New Delhi.

D. P. GOYAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 23-11-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

10550

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. 1AC/ACQ-I/1168/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agrl. land mg. 8 bigha 10 biswas situated at Village Sultanpur New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Kirit Singh S/o S. Qurban Singh R/o 244, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferois)

(2) Shri Dhanbir Singh Modi S/o Shri Dayal Singh Modi R/o L-19, Kalkaji New Delhi-19.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 8 bighas 10 biswas Khasra No. 50 min East (4-7) and 52 min East (4-3) with tube-well and boundary wall, Village Sultanpur New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 23-11-1979

(1) Smt. Begum Sayeeda Khurshid W/o Khurshid Alam Khan R/o 2-Moti Lal Nehru Place, New Delhi.

(Transferor

(2) Shri Ch. Mukhtiar Ahmed Khan S/o Ch. Abdul Majid Khan R/o 2068, Kucha Nahar, Khan Darya Ganj, Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/1172/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 265 situated at Gulmohar Avenue, Jamia Nagar, Okhla New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storey residential building bearing Municipal No. 265 situated at Gul Mohar Avenue, Jamia Nagar Okhla New Delhi measuring 1052.76 sq. meters bounded as under:

East Property of Prof. M. Mujech

West Road

North Plot No. 4 & 5

South Properties of Mrs. Shan Jahan Beham and Mr. Salman Khurshid.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi-

Dated: 23-11-197!

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M s DI F Builders 21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amrit Kaur W/o Onkar Singh 8A/47, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 3rd November 1979

Ref. No IAC/ACQ-1/1172/11-79. -Whereas. I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. Flat No. 6.5 (2nd Floor) situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed heteto), has been transeferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhy on 17-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the solid instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 MPLANATION: —The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6A (Second floor) Commercial Complex Greater Kolash-II, New Delhi-110048 bounded as under :—

East Others land West Cinema North Kalkaji

South DLF Cinema Complex.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 23-11-1979

Seal:

low, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said A. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a resaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of section 269D of the said Act, to the following

pe ons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196.

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110002

New Delhi the 23rd November 1979

Ref No IAC/ACQ-I/SR-III/3 79/1177 - Whereas. I, D P GOYAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act'), have sea on to believe that the aminovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/and bearing No

Snop No 7, in sinuated at Cinema Complex

Greater Kailash-II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 15th March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) DLF United Limited, 21-22 Natindra Place, Parliament Street New Delhi 110001

(Transferor)

(2) Smt Sushma Khanna w/o Shri Chander Mohan Khanna 1/56 Greater Kailash Fnclave-II, New

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPI ANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 7 (Ground floor) Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under :-

Fast

40 Feet wide Road 80 Feet wide road of Greater Kailash-II, West

Chirag Delhi Kalkaji Road North

South Greater Kailash II (Residential plot No. E-588 and E-615

> D. P. GOYAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi /New Delhi

Dated 23-11-1979

Seal ·

FORM 1.T,N,S.--

(1) DLF UNITED LIMITED, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi-110001,

(Transferor) -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harish Kumar Passi r/o C/171, Greater Kailash-I, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DFLHI-110002 (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

New Delhi, the 23rd November 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

Ref. No. IAC 'ACO-I 'SR-III '3-79-1178,—Whereas 1. D. P. GOYAL,

publication of this notice in the Official Gazette;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

> Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

Shop No. 10 (G.F.) situated at Cinema Complex, Greater Kailash-II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 15th March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 10, (GF) mg. 302.2 Sq. Ft. situated in Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> D. P. GOYAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said. Act, to the following persons, namely :---

Dated: 23-11-1979.

PORM ITNS-

(1) Smt. Ranjit Sahni w/o Sh. Chhattar Singh Sahni R/o 65/40, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ishwar Chand Gupta, 23/2, Yusaf Sarai New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1189/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-572, situated at Greater Kailash No. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at New Delhi on 27-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-366GT/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold residential plot of land bearing No. 572 Block No. E, measuring 550 sq. yds. i.e., 459.87 sq. meters situated in Greater Kailash No. 11 on Chiragh Dilli Road, in the revenue estate of village Bahapur New Delhi bounded as under:—

East Service Lane
West Road
North Plot No. E-574

D. P. GOYAL.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commussioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 23-11-1979

 Shri Harpal Singh S/o Late S. Sarbjit Singh for self and as general attorney on behalf of Shri Dilsher Singh R/o United State of Amerika.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Master Arvind Goenka and Master Amitabh Goenka R/o 30-Poorvi Marg., Vasant Vihar New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/1218/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land mg. 33 bighas 12 biswas situated at village Mchrauli New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land measuring 33 bighas and 12 biswas comprising of Killa Nos. 19 (4-16), 20(4-16), 21 (3-11), 22 (4-5) and 30 (1-16) of the Rectangle No. 29 and Killa No. 1 (4-16) No. 2 (4-16), 10 (2-8) and 9 (2-8) of Rect. No. 46 alongwith all the constructions and a tubewell existing thereupon situated in the Hadbast No. 31 within the revenue estate of village Mehrauli Delhi State, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 23-11-1979

(1) Shri Manmohan Ahuja S/o Hari Mohan Ahuja R/o X-3, Hauz Khas New Delhi.

(2) M/s Tej Properties Pvt. Ltd. 23-Jorbagh New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. 1AC/ACQ-III/1234/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Agrl. land 17 bighas 4 biswas situated at with farm house

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- person interested in the said (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land with farm house bearing Khasra Nos. 1018, 1021, 1026, 1027, 1034/2, 1035 & 1036 total area being 17 bighas & 4 biswas.

> D. P. GOYAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 23-11-1979

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Savitri Devi W/o Ram Rakha Kushtar 12-Jaipur Estate, Nizamuddin East New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. Suresh Gupta S/o R. B. Sheo Parshad R/o B-48, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 27th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1235/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 12 situated at Jaipur Estate, Nizamuddin New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building built on plot No. 12 measuring 616.22 sq. yds. situated at Jaipur Estate Nizamuddin East New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 27-11-1979

1.117

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natesh Chand S/o Kewal Krishan R/o M-6,

Phagwara Model Town Delhi.

(Transferor)

Greater Kailash (Market) New Delhi.

(1) Shri Trilochan Singh, Surinder Singh & Smt. Amar Kaur sons and w/o Late S. Naranjan Singh 14-B,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 27th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1170/11-79.--Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. M-3 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing No. M-3 (Residential) measuring 500 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

> D. P. GOYAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 27-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII-110002

New Delhi, the 27th November 1979

Ref. No. IΛC/ACQ-I/1174/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. E-149 situated at Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Santosh Maini, 85, Vallabh Bhai Nagar Indore at present 12-W, Main Patel Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Guivinder Singh Khurana E-118, East of Kailash New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-149, measuring 251 sq. yds, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 27-11-1979

FORM ITNS----

(1) Sim Abdur Worz Mo Shekh Abdul Aziz, Minadpur, P.S. Fubahere, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BORING CANAL ROAD, PATNA-800001 Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-350/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bibar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Ward No. 8/15, Cucle No. 23, Sheet No. 67 Holding No. 4 (old) 6 (New) situated at Ashoke Raj Path, Patha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 26-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ed—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ant/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(2) Sint, Sabitir De i w o Sti Jainath Prasad, (Radhikaniwas), Anograha Narayan Road, New Area, Kadarakuan, Dist, Paina.

(Transferee)

(3) 1. M.s. Top Tailoring, Muradpur, Patna.
2. M/s. Big Ben Watches, Muradpur, Patna.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A share of 2 annas 8 paise in a house property situated at Ashoke Raj Path, in a area .37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, P.S. Pubahore, Patua more fully described in deed No. 1805 dated 26-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 5-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-351/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Ward No. 8 (old) 15 (New) Circle No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 4 (old) 6 (New)

situated at Ashoke Raj Path, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 26-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betewen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforceald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Bibi Sajda Khatoon W/o Md. Nassiruddin, At Mohalla Gudri, P.S. Khajakala, Patna City, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) (1) Shri Anil Prasad, (2) Shri Sunil Prasad

(3) Sri Ranjan Prasad, (4) Sri Pravesh Kumar Gupta S/o Sri Jainath Prasad, Radhkaniwas, Anugraha Narain Road, New Area, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Top Tailoring,

Muradpur, Patna. 2. M/s. Big Ben Watches,

Muradpur, Patna.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A share of 2 annas 8 paise in a house property situated at Ashoke Raj Path, in a area 9.37 Karl at Muradpur, Ashoke Raj Path, P.S. Pribahore, Patna more fully described in deed No. 1808 dated 26-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

> J. NATH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 5-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the control of the cont

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BORING CANAL BOAD, CATNA-800001 Patna-800001, the 5th Outober 1979

Ref. No. 1H-352 (Acq/70-80: Whereas, I. J. NATH, Inspecting Assistant Commissions of Lecomestax, Acquisition Range, Biher Patra.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8 (cld) is token to the No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 4 (cld) 6 (sleet) situated at Ashoke Raj Parh, Parta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

26-366GI/79

(1) (1) Asraf Alam S/o Shekh Abdul Hameed,

Mohl. Muradpur, Patna.

(2) Bibi Anuwari Khatoon W/o Gayasuddin Hauil, Masjid Lane, Muradpur, Patna.

(3) Bibi Sahada Khatoon W/o Abdul Kalam Hauil, At Purani Chowk, Pathwa, Dt. Patna.

(Transferors)

(2) (1) Anil Prasad, (2) Shri Sunil Prasad,

(3) Sri Ranjan Prasad, (4) Sri Prabesh Kumar Gupta S/o Sri Jainath Prasad, Radhkaniwas, Anugraha Narain Road, New Area, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Top Tailoring, Muradpur, Patna.

2. M/s. Big Ben Watches, Muradpur, Patna.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the notice Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A share of 2 Annas 4-20/33 dam in a house property situated at Ashoke Raj Path, in a area 0.37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, P.S. Pirbahore, Patna more fully described in deed No. 1864 dated 28-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

> J. NATH Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 5-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-353/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 8 (old) 15 (New) Circle No. 23, Sheet No. 67,

Holding No. 4 (old) 6 (New) situated at Ashoke Raj Path, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 30-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Junaid Alam S 'o Sheikh Abdul Hamced, Mohalla At Muradpur, P.S. Pirbahore, Patna.
 - Bibi Assgari Khatoon D/o Dr. Shekh Abdul Hameed, Pathar ki Masjid, Sultanganj, Patna.
 - (3) Nasirhuddin S, o Ali Hassan, At Muradpur, P.S. Pirbahore,
 - (4) Bibi Noorjahan Khatoon Woo Haidar Khan, Sultanpur, Danapur.
 - (5) Bibi Moina Khatoon W/o Niaz Ahmad Khan, Saikin Terhati Bazar, Calcutta-39,
 - (6) Bibi Sosava Khatoon W/o Chiranddin, Mandai Road, Pathar ki Masjid, Patna.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Anil Prasad,
 (2) Shri Sunil Prasad,
 (3) Sri Manjan Prasad,
 (4) Sr; Prabash Kumar Gupta S/o Sri Jainath Prasad,
 Radhkaniwas, Anugraha Narain Road, New Area, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Top Tailoring, Muradpur, Patna.
 - 2. M/s. Big Ben Watches,

Muradpur, Patna.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A share of 1 anna 17-1/3 dam in a house property situated at Ashoke Raj Path, in a nrea 0.37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, Patna more fully described in deed No. 1926 dated 30-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH

Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 5-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-354/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8 (old) 15 (New) Circle No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 4 (old) 6 (New)

situated at Ashoke Rai Path, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-3-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Shri Magdhar Alam S/o Sheikh Abdul Hameed, Susri Sahiha Khatoon,

D/o Dr. Sheikh Abdul Hamecd, At Mudarpur, P.S. Pirbahore,

(Transferor)

(2) (1) Shri Anil Prasad, (2) Shri Sutil Prasad, (3) Sri Ranjan Prasad,

(4) Sri Pravesh Kumar Gupta S/o Sri Jainath Prasad, Radhika Niwas, Anugraha Narain Road, New Arca, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferce)

(3) 1. M/s. Top Tailoring, Muradpur, Patna.

2. M/s. Big Ben Watches, Muradpur, Patna.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A share of 1 anna 13-5/11 dam in a house situated at Ashoke Raj Path, Patna in a area 0.37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, Patna more fully described in deed No. 1877 dated 28-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

> J. NATH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 5-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-355/Acq/79-80.--Whereas, 1, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8 (old) 15 (New) Circle No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 4 (old) 6 (New) situated at Ashoke Raj Path, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 28-3-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) (1) Shri Jaha Alam, S/o Sheikh Abdal Hamced, Muradpur, P. S. Firabahare, Patna.
 (2) Bibi Satwari Khateon W/o Khursid Alam,

 - Purani Chowk, Fatwah, Dt. Patna.

 (3) Susti Holm Khatoon
 D'o Shoikh Abdol Hameed,
 Muradpur, F.S. Pirbahore, Dt. Patna.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Anil Prosad, (2) Shri Sunil Prosad, (3) Sri Ranjan Prosad,

 - (4) Sri Pravesh Kumar Gupta Seo Sri Jamath Prasad, Radhika Niwas, Anugraha Natain Koad, New Area, Kadambum, vator-3.

(Transferee)

- (3) 1. Mes. Top + Swing.
 - Munidous, Pales.

 2. M/s. Sig Fen Ver nes.
 Munidous, Photo.
 (Three It occupadous) de property)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undrisigned-

- (a) by any the contract and a period of 45 days for the street of public figures this notice in the Official Interpolated of 30 days from the series of dome to the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other gen in linerested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter EXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A share of 2 and a 4-10/13 dom in a house property situated at Asholic Pail of the 2 the in a area 0.37 Kari at Muradpur, Asholic Pail Pail. Patro more fully described in deed No. 1876 dated 29/3-77 registered with the District Sub-Registrar, Patua.

> J. NATH Competent Authority, Inspecting Asett. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 5-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patria-800001, the 5th October 1979

Ref. No. 111-364/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1931 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New holding No. 1292, Ward No. VII of Ranchi Municipality situated at Juil Road. East Tharpakna, Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sulat Sarkar W/o Shri Sushil Kumar Sarkar, Jail Road, Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Gauri Shankar Prasad, Advocate, Shaheed Road, Near Post Office, Gaya.

(Transferce)

(3) Shri Parasnath of State Bank of India, Upper Bazar, Ranchi. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kathas 8 Chattaks with double storeyed pucca building at Jail Road, East of Tharpakna, Ranchi more fully described in deed No. 3098 dated 30-3-1979 registered with the District Sub-Registrar, Ranchi.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 21-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 18th September 1979

No. IAC/ACQ/93/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 10/1 and 10/2, Mouja Dhudhalgaon Khurd, situated at Dhudhalgaon Khurd

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Buldhana on 15-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said histrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shr; Bhagwat Onkar Bharambhe, At: Dudhalgaon Khurd,

Post: Chikhali, Tah: Malkapur, Dist: Buldhana.

(Transferor)

(2) Shri Wasudeo Sawalram Kolhe,

At: Dudhalgaon Khurd, Post: Chikhali,

Post: Chikhali, Tah: Malkapur, Dist: Buldhana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13.28 Acrs agricultural land bearing Survey No. 10/1, and 10/2, Mouja Dudhalgaon Khurd, Post: Chikhali, Tah: Malkapur, Dist. Buldhana.

S. K. BILLAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 18-9-1979

FORM ITNS----

(1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory, Aurangabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surendra Kumar Mahender Surana, Watch land Chowk, Aurangabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1979

No. IAC/ACQ/94(1)/79-80.—Whereas, I, S. K. , BILLAIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Old Monda, Jalna Road, situated at Aurangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Aurangabad on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land 22204 Sq. Ft. out of Municipal No. 4-9-43, Cty Survey No. 12960, Old Monda, Jalna Road, Aurangabad. (With Bunglow 396 Sq.m.)

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 25-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1979

No. IAC/ACQ/94(2)/19-80.--Whoreas, I, S. K. BILLATYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960,

Jalna kood, situated at Aurangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurang; bad on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory, Aurangabad.

(Transferor)

(2) Smt. Vasantidevi Kantilal Surana, Watch land Chowk, Aurangabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apiece of land 46835 Sq. ft. out of Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, Aurangabad. (With building 193.04 Sqm.)

S. K. BILLATYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Nagpur

Date: 25-9-1979

(1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory, Aurangabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gautamkumar Surana, Watch land Chowk, Aurangabad.

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACOUISITION RANGE, THAKKARS BUNGALOW, GIRIPPTH NAGPUR

Nagpui, the 25th September 1979

No. IAC/ACQ/94(3)/79-80—Whereas, I. S. K. BILI AIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing

Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960.

Jalna Road, situated at Aurangabad

(and more fully drescribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Aurangabad on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Inspect

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I, hereby initate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27--366GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanced---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land 33915 Sq. Ft. out of Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Jajna Road, Aurangabad (With Bungalow 251 Sqm.).

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Nagpur

Date: 25-9-1979

(1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory, Aurangabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaiwantraj Hajarimal Surana, Watch land Chowk, Aurangabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1979

No. IAC/ACQ/95/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, situated at Aurangabad

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurangabad on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land 46637 Sq. Ft. out of Municipal No. 49-43, Cty Survey No. 12960, Jalna Road, Aurangabad. (With Bunglow 251 Sqm.)

S. K. BILLAIYA

Competent Authority,
-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
-Acquisition Range, Nagpur

Date: 25-9-1979

(1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory, Aurangabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT-COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nagpue, the 25th September 1979

No. JAC/ACQ/94(5)/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Old Monda, Jalna Road, situated at Aurangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aurangabad on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !!ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Kautilal Jaiwant Surana, Watch land Chowk, Aurangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land 40625 Sq. Ft. cut of Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, Aurangabad. (With bungalow 1000 Sq. Ft.).

S. K. BILLATYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-9-1979

FORM TINS -

(1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory, Aurangabad. (Transferor).

(2) Smt. Vijayadevi Premchand Surana, Watch land Chowk, Aurangabad,

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1979

No. IAC/ACQ/94(6)/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovabse property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Old Monda, Jalna Road, situated at Aurangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auraugabad on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land 38675 Sq. Ft. out of City Survey No. 12960, Municipal No. 4-9-43, Jalva Road, Aurangabad.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Nagpur

Date: 25-9-1979

FORM ITNS (i) M/s. Aurangabud Ginning & Pressing

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory, Aurangabad.

(Transferor)

(2) Shri Peatapmalji Surana, Watch land Chowk, Aurangabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE.
THAKKARS BUNGLOW, GIRIPFTH,
NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1979

No. 1AC/ACQ/94(7)/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Old Monda, Jalna Road, situated at Aurangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurangabad on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land 35625 Sq Ft. out of Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, Aurangabad.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Nagpur

Date: 25-9-1979

HORM ITNS----

(1) Shri Sardoolsingh Vishakasingh, Saddle, Randaspeth, Nugpur.

(Transferoc)★

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, THAKKAR" BUTOLOW GIRIPETH. MAGPUR

Nagian, 18., 25m September 1979.

N.o. IAC/AcQ. 957/9-80. —Whereas, S. K. BILLAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 10, Ramdaspeth, C. No. 20 Div No. 8, Nagput situated at Nagput

(and more fully described in the Schoolile appeared hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 2-3 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration are consideration and consideration are

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

(2) Smt. Gurdeepkaur W/o Jaibsingh Caddle. Ramdaspeth, Nagpur.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (b) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, Circle No. 20, Divison No. 8, Wardha Road, Ramdaspeth, Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 25-9-1979

PORM ITNS----

(1) Shri Rijoy Ko or Truckii, Too fale Shri Dr. D. Samant, Department of Chy France Orisia Govt. Rhuwaner far

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kushi Na i Das E/o Shri Basudeonathdas, Bhairaganj Want Ingdoipu

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1364 '79-80,---Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961),

have reason to belive that immorable projectly having a fair market value exceeding Ps. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jaydalpur,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on 19th March 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrum-int of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in oursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be used in writing to the out respect.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever speriod expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One pacer house with micea compound in Sheet No. 64, Plot No. 17/28 and 17/19 and 5000 sft at Nayapara Ward, Jagdalpur.

K. K. ROY
Competent Authority.
Inspective rest! Commissions of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-11-1979

(1) Shri Sant Kumar Singh, S/o Shri Gopal Singh, Agra. U.P

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mriyunjay Singh S/o Shri Satruhan Singh, Vili Fadaria, Teh. Janjgir, Distt, Bilaspur, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

BHOPAL Bhopal, the 5th November 1979

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1365/79-80.—Whereas, I K. K. ROY,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Agri Land situated at Vill. Padaria, Bilaspur Dist., and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Janigir on 12th March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in Vill. Padaria H. No. 9, L. No. 449, 394, 302 and 497 measuring 25.07 acres.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-11-1979

FORM I.T.N.3.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1366/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Sagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sagar on 31st March 1979,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—366GI/79

 Shri B. L. Saraf, Advocate S/o Permanand Saraf and Dr. Samrendra Saraf S/o Shri B. L. Saraf, Advocate, Laxmipura, Sagar.

(Transferors)

(2) Shri Rajkumar S/o Kunjilal Kesharwani and Vijay Kumar S/o Kunjilal Kesharwani, Jawaharganj Ward, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in Galla Bazar, Tilakganj, Sagar.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1367/79-80.—Whereas, I, K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Sagar,

(and more fully described in the Schedule anney d hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Sagar on 2nd April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri B. L. Saraf Advocate and Dr. Samrendra Saraf, Laxmipura, Sagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Harishanker, Madan Mohan and Ashok Kumar, sons of Shri Kunjilal Kesharwani, Jawaharganj Ward, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in Galla Bazar, Tilakganj Ward, Sagar,

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1368/79-80.—Whereas, I K. K. ROY.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Indore on 2nd March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ed.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shanker Narhar, Bahallar, 20/1, Sikh Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Prakashchandra, S/o Laxminarayan Dasauriya, 11/1, Lodhi Pura, Indore and Smt. Gitabai, W/o Mohanlal, 33, Kagadipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 20/1, Old No. 19, Back Portion situated at Sikh Mohalla, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1369/79-80.—Whereas, I K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2nd March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shankar Narhar Rahalkar, 20/1, Sikh Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Arjun S/o Laxminarayan Rathore Rajendra Nagar, Main Road, Indore and Smt. Sushila W/o Ashok Kumar, 33, Kagadipura, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of house No. 20/1, Old No. 19 situated at Sikh Mohalla, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-11-1979

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1370/79-80.—Whereas, I K. K. ROY.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore.

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26th March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dattatray Bapat S/o Shrikrishna Bapat, 78, Raoji Bazar, St. No. 2, Indore.

(Transferor)

(2) S/Shri Mannulal, Narayan and Bhagirath (Minor) (Through L/H Smt. Pannabai, W/o Shankerlal) all sons of Shankerlal, 33, Reshamwala Lane, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 78 on Rakba 2630 sft. at Raoji Bazar, St. No. 2. Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-11-1979

(1) Shri Laxmikant Mishra S/o Ayodhya Pd. Mishra, Karbala Para, Raipur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ganga Devi Sharma W/o Vijayram Sharma, Mahasamund, Distt. Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/1371/79-80.---Whereas, I K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 23rd March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nit been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Rakba 3810 sft. bearing No. 34/1 at Karbala Housing Society, Raipur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons namely:—

Date: 5-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1372/79-80.—Whereas, I K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Satna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Satna on 18th April 1979,

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Santosh Kumar S/o Biswanath Pd. Tiwari, Sama.

(Transferor)

(2) S/Shri Parasram S/o Tahalmal Sindhi and Sachhanand, S/o Tahalmal Sindhi and Sewakram S/o Gulabrai Sindhi, Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Old No. 886/1, Ward No. 3 and 887 and New No. 1007 at Raghurajnagar, Satna.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1373/79-80.—Whereas, I K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Bilaspur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 3rd April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Prabhucharan Dube, S/o Late Shri Shyamacharan Dube, Vidisha and Vasantcharan Dube, S/o Late Shri Vidyacharan Dube, LIG Colony, Indore. (Transferor)
- (2) S/Shri Shivkumar and Lakhankumar sons of Kuleshwarnath, Sadar Bazar, Bilaspur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Gondpara, Bilaspur, (H. No. 110-A).

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-11-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1374/79-80.—Whereas, I K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Raipur on 19th March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—366G1/79

- (1) Shri Biharilal and Rameshkumar sons of Shri Virumal, Banjari Road, Raipur. (Transferor)
- (2) Smt. Kanta Devi W/o Bhattulal; and Smt. Shanta W/o Manoharlal, Lakhenagar, Raipur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 12/12 on Rakba 1100 sft. (half portion) situated at Banjari Road, Raipur.

K. K. ROY
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhoral, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1375/79-80.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Raipur on 19th March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- .(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Biharilal and Rumeshlal sons of Shri Birumal. Banjari Road, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Sakhi Devi W/o Gulabrai and Smt. Radha Devi W/o Achandmal, Lakhenagar, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 12/12 on Rakba 1100. (Half portion) situated at Banjari Road, Raipur.

> K. K. ROY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1376/79-80.—Whereas, I,

K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Indore on 6th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vikramsen Madhusudan Rao Matkar, 5, Race Course Road, Indore.

 (Transferor)
- (2) Shri Nandram S/o Dayaram, 26, Bakshi Gali, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 26 situated at Bakshi Gali, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-11-1979

Seal

- (1) Shri Vikram Madhusudan Rao Matkar, 5, Race Course Road, Indore.
 - (Transferor)
- (2) S/Shri Maganbhai Vikrambhai Patel, and Pravinkumar Maganbhai Patel, 26, Bakshi Gali, Indore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1377/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indorc,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 13th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therafor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 26 situated at Bakshi Gali, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-11-1979

(1) S/Shri Devrajbhai and Jagjivanbhai sons of Shri Desabhai Som, Bajajkhana, Indore

(Transferor)

(2) Smt. Chandrakantabai W/o Keshrimalji and Smt. Nirmalakumari W/o Narendrakumarji, 68, Bajajkhana, Indore.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1378/79-80.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value 'exceding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 30th March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 68 situated at Kasera Bazar, Bajaj-khana, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/1379/79-80.—Whereas, I K K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Indore on 31st March 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pny tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Suganbai W/o Shri Kishan, Smt. Saraswatibai, Wd/o Late Tejkaranji and Shri Rajendra S/o Shri Tejkaran, 36/2, Jail Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Omprakash S/o Shri Ghanshyamdas 48/4, Baiaikhana, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 8 situated at Netaji Subhash Marg, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-11-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1380/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Indore on 31st March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Suganbai, Wd/o Shri Kishanji, Smt. Saraswatibai, Wd/o Shri Tejkaranji and Shri Rajendra S/o Shri Aejkaran, 36/2, Jail Rood, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Balkishan S/o Shri Ghanshyamdas Soni, 48/4, Bajaj Khana, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 8 situated at Netaji Subhash Marg, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),
Acquisition Runge, Bhopal

Date: 6-11-1979

NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1381/79-80.—Whereas, I K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, at 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 31st March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Suganbai, W/o Shri Kishanji, Smt. Saraswatibai, Wd/s Shri Tejkaranji and Shri Rajendra S/o Shri Tejkaran, 36/2, Jail Road, Indore.
- (Transferor)
 (2) Shri Bhagwandas Soni, S/o Shri Ghanshyam Das

Soni, 48/4, Bajaj Khana, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 8 situated at Netaji Subhash Road, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-11-1979

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/1382/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 30th March, 1979

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1 957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—366GI/79

(1) Shri Gangadhar s/o Krishnrao Bhatawadelar, H. No. 120, Tilak Path, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal s/o Hirjiabhai Dhamecha, H. No. 32, Street No. 2, Jail Road, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 120 on plot area of 1800 sft. situated at Tilak Path, Inodre.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ramdulare Pathak S.o Shri Mewaram Pathak, Bajrang Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Nageshwar Rao 5 'o Ghonduji Chikle, 9/8, Paradeshipura, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ BPL/1383/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 21st March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of House No. 9, situated at Road No. 8, Pardeshipura, Indorc.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1384/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 21st March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramdulare Pathak S/o Shri Mewaramji Pathak, Bajrang Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagirathi Bai, Wd/o Shri Pandurang Rao Chikle, 9 '8, Paradeshipura, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of House No. 9, situated at Road No. 8, Pardeshipura, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1385/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Khandwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 19th March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Gopibai Wd/o Harivallabh Shukla, Brahmanpuri, Karmaveer Press Gali, Khandwa; and
 Shri Mahendrakumar s/o Mahashanler Purohit, Rajpura Badi-Ki-Fel, Burhanpur.
 - (Transferor)
- (2) S/Shri
 1. Sureshchand and
 2. Rameshchand
 S/o Bhagwandasji Gujrati,
 Ramganj, Khandwa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three-storeyed house on Rakba 2108 sft. at Hariganj (Karmaveer Press Gali), Khandwa.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-11-1979

FORM ITNS ---

 Shri Sajjansingh S/o Hulasmal Mehta, P/o Joy Builders, 208, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi Ajay S/o Samiathmal Jain, 27/1, Bairathi Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1386/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Plot situated at Indoie

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Indore on 31st March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot No. 12, area 4280 sft. at Vallabh Nagar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1979

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC, 'ACQ/BPL/1387/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17th March ,1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Abdul Razzak S/o Bismillah, through Shri Yar Mohd. S/o Abdul Majid, 11/2, Ranipura, Indore.

(Transferor)

(2) Noorayee Society, 50, Daulatganj, Indore through Shri Abdulla Ansari S/o Mohd. Shafi Ansari, 17, Daulatganj Main Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house No. 49 on Rakba 858 sft. at Daulat-ganj, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopni

Date: 7-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX A@T, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1388/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Indore on 6th March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Banubai D/o Abdul Hussain, Mandsaurwala; and
 2. Shri Kalimuddin S/o Haji Mulla Rajabali Bohra,
 280, Jawahar Marg. Indore.

 (Transferor)
- Smt. Sakinabai W/o Abid Hussain Bohra, 140, Ranipura, Indore.

(Transferce)

(3) S/Shri Fakruddin; Kilabhai Alibhai; and Devchand Ishwarchand.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 23 situated at South Toda, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-11-1979

(1) Shri Bherosingh S/o Girdharisingh Ranawat, 20/3, New Palasia, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 S/Shri Narayan and Jagdish, Sons of Sewaramji Chhabriya, 41, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ, BPL/1389/79-80.—Whereas, 1, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and property on having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Open Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9th March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot comprising area of 11,250 sft. bearing No. 33, at Palasaia Hana, ndore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1390'79-80—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15th March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
31—366GI/79

Shri Baburao S/o Govindrao Gaikwad,
 Bairathi Colony No. 1,
 Indore.

(Transferor)

Smt. Durgabai W/o Narayan Rao Joshi; and
 Smt. Prabhadevi W/o Madhukar Joshi,
 Sagore, Distt. Dhar (Now at 6, Bairathi Colony No. 1, Indore).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed pacca house on Rakba 2000 sft. at 6, Bairathi Colony No. 1, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-11-1979

FURM IINS---

 Shri Dungarsingh S/o Bothlalji Surana, 42, Koyala Bakhal, Indorc.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Surendrakumar S/o Moti Lal Bhandari 59, Bada Sarafa, Indote.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1391/79-80,—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 26th March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four storeyed house No. 42 on rakba 410 sft. at Koyala Bakhal, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1392/79-80.—Whereas, J. K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 30th March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Saraswati Devi Raj W/o Krishanchandra Raj Khatri, Raj Niwas, Camp Katni, Distt. Jabalpur At present at Naya Bazar, Lashkar.

(Transferor)

(2) Smt. Kamladevi W/o Shivuarayan Shivhare and Shri Subhashchandra Shivhare S/o Shivnarayan, R/o Khula Santhan, Morar.

(Transferes)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of house situated at Dabra Mandi, Distt. Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGF, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1393/79-80,—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 31st March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Khushiram S/o Hiranand Kakwani, Nai Basti, Near Veterinary Hospital, Katni. (at present at Naya Bazar, Lashkar).
 (Transferor)
- (2) Smt. Kamla Devi W/o Shivnarayan Shivhare, & Shri Subhashchandra S/o Shivnarayan Shivhare, Khula Santhar, Murar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of house situated at Dabra Mandi, Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-11-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1394/79-80.—Whereas, J, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the schedule connexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 12th March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Panchulal Mayaram Kashyap, 93, Tilak Path, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Chandrakant Balkrishna Modak,15, Jati Colony, Indore (Now at Tilak Path, Indore).(Transferee)
- (3) Smt. Vidhyawati Khandelwal; Shri Om Prakash Pyarelal Khandelwal and Shri K. C. Nigam. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 93 on rakba 1800 sft. at Tilak Path, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 8-11-1979

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1395/79-80.--Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 28th March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sureshchandra S/o T. C. Gupta, 13/36, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Arza Rajya Laxmi W/o Rammaya, E-3/100, Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, If any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 100, Private Sector, E-3, Arera Colony, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 8-11-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS" ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 23rd June 1979

Ref. No. L.C. 305/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calicut on 17-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri C. V. Khalid,
 Shri C. V. Moideen Bava,
 Shri C. V. Mustafa (by C. V. Khalid),
 Kalathikunnu Amsom, Desom, Calicut.

 (Transferor)
- (2) Smt. Safia, W/o P. K. Ahammed, Gaudhi Road, Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4/5th right over the property as per schedule attached to Doc. No. 230/19 datd 17-3-79 of SRO, Calicut.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Frnakulam

Date: 23-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 19th September 1979

Ref. No. 1 C. 341/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. N. as per schedule situated at Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trivandrum on 8-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. P. Sukumaran, Gita Bhavan, Asramathu Cherry, Quilon-2.

(Transferor)

(2) M/s. Kanichai Hotels (P.) Ltd., (by Mg. Director Babu Thomas), Kanichai House, Arangath Road, Cochin-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

50 cents of land in Sy. No. 646/2 of Vanchiyoor Village, Trivandrum.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 19-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 21st September 1979

Ref. No. L.C. 347/79-80.—Whereas, I, K. NARYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per scheduel situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Hill on 14-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

. Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nervons, namely :--

(1) Smt. K. Devaki Amma, Parayancheri, Kottoole, Kozhikode.

(Transferor)

(2) Shri V. C. Khader, 'Tikkodi Cabin', Near Cheenadath Mosque, Puthiangady, Calicut-5,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9/10th right over 20 cents of land and building as per schedule attached to Doc. No. 566/79.

> K. NARAYANA MENON Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Frnakular:

Date: 21-9-79,

Seal:

32-366G1/79

FORM ITHS----

(1) Shii Ramesh T. Shah, New Road, Cochin-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kusum Ahamed, and 2. Smt. Findaus Aslam, "Mehrab", Rameswaram East, Cochin-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682 016

Cochin 682 016, the 12th October 1979

No. REF. L.C. 354/79-80,---Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Commetent Authority under Section 269P of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25.000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Cochin on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazente.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land with building as per Doc. No. 1010/79 dated 16-3-1979 of SRO, Cochin.

K. NARAYANA MFNON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 12-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

OVERDMENT OF HADIA

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAMO BAZOR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 7th November 1979

No. REF. J C. 355/79-60.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Comportent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-act bearing

Sy. No. 1 per schedule sinuted at Cannanore -

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been insustanced no er the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Cannanore on 27-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. J. George, S/o Kuzhithode Joseph, Nedanadukara, Nedanadu Village, Kottayam Dist.

(Transferor)

(2) Smt. Nyle, W/o Shri M. Raghavan, Sai Prabha, Cannanore-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whenever remod expires later;
- (b) by any other person interested in the said murable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13½ cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 780/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 7-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 7th November 1979

No. REF. L.C. 356/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) 1. Smt. Rosy, W/o late Shri E. T. Paul,

Shri Thomas, S/o late Shri E. T. Paul,
 Shri Jacob S/o late Shri E. T. Paul,
 Kulangarathattuparambil,
 Thrikanarvattom, Ernakulam,

(Transferors)

(2) Shri T. A. Mohammed, Blue Star Hotel, Thattanvecdu Road, Near Lisie Hospital, Cochin-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18.520 cents of land with buildings in Sy. No. 2346/1, 2, 3 of Ernakulam village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 7-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Govinda Pillai, Krishna Vilas, Kandiar, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Shri Abraham Chacko, Parakkamannil House, Eruvellipra, Thiruvalla.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th November 1979

No. REF. L.C. 357/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Punalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Punalur on 29-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 acres of rubber estate with buildings thereon as per schedule attached to Doc. No. 82/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th November 1979

No. REF. L.C. 358/79-80.—Wherean I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. N. as per schedule situated at Punalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anchal on 26-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Govinda Pillai, Krishna Vilas,, Kavdiar, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Shri Kurien Chacko, Parackamannil, Eruvelipra, Thiruvalla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 acres 88 cents of rubber estate as per schedule attached to Doc. No. 1178/79.

K. NARAYANA MFNON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-11-1979

10617

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Govinda Pillai, Krishna Vilas, Kavdiar, Trivandrum,

(Transferor)

 Smt. Annamma Abraham, Parackamannil, Eruvelipra, Thiruvalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"

Cochin-682 016, the 8th November 1979

ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

No. REF. L.C. 359/79-80.--Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Punalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anchal on 26-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 acres 90 cents of rubber estate in Sy. No. 319/1/68 of Anchal Village.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-11-1979

(1) Smt. Saraswathy Krishna Moorthy, 8/63, Tatabad, Coimbatore-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri K. N. Suryanarayan, M/s Trade Links, M. G. Road, Ernakulam, Cochin-682 011.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS" ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th November 1979

No. REF. L.C. 360/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and baring

Sy. No. as per schedule, situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8,125 cnts of land with buildings in Sy. No. 1678/1, 2 of Ernakulam Village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 9-11-1979

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th November 1979

No. REF. L.C. 361/79-80.—Whereas I. K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Smt. Saraswathy Krishna Moorthy, 8/63, 11th Street, Tatabad, Coimbatore-12. (Transferor)

(2) Smt. Meenakshy Suryanarayan, C/o Shri K. N. Suryanarayan, M/s Trade Links, MG Road, Cochin-682 011. (Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10.825 cents of land with buildings in Sy. No. 1678/1 of Ernaflulam Village.

> K. NARAYANA MENON Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 9-11-1979

Scal:

3---366GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri A. Seetharama Iyer, Kovilvattom Desom, XXXIII/392, T.D. Road, Ernakulam.

(Transferer)

(2) Shri Sreekantan Suryanarayan, C/o M/s Trade Links, M. G. Road, Cochin-682 011.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, "ANIIPARAMBIL BLDGS" ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th November 1979

No. REF. L.C. 362/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7.725 cents of land with buildings in Sy. o. 1678/1, 2, 3, 4 of Ernakulam Village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 9-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANIIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th November 1979

No. Ref. L.C. 363/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Palghat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kollengode on 27-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri L. Alagusundaram Chettiar & Others, (for Lakshmi Plantations, Nelliampathy, Seethargunda Post, Kerala)

(Transferor)

(2) Shri R. M. Muthupalaniappa Chettiar, & 15 others, 60, Navabathkana Street, Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

842 acres of coffee and cardamom estates as per schedule attached to Doc. No. 376/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 9-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/604.—Whereas, I M. R. ACGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25A situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shyam Sunder s/o Shri Shobhalajl Gelda R/o Udaipur now E-73 Chitranjan Marg C-Scheme, Jaipur.

(Transferor

(2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partner firm c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 750 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-11-79

Soal:

PORM ITNE

(1) Shri Roshtanlal s/o Bherulaji Gelda R/o 64 Dhuleshwar Garden C-Scheme, Jaipur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partner firm c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/602.—Whereas, I M. R.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 25A situated at Udalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 746 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-11-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/601.—Whereas, I M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 25A situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said inistrument of transfer with the object object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceidment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Roshanlal s/o Bherulaji Gelda R/o 4 Thisil Court Tilson Burg Canada.

(Transferor)

(2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partner firm c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 747 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Date: 9-11-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/605.—Whereas, I M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 25A situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concedent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, answely:—

- (1) Shri Roshunlal s/o Bherulaji Gelda R/o 64 Dhuleshwar Garden C-Scheme, Udaipur. (Transfero)
- (2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partner firm c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatchpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 749 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-11-79

R/o 27B Ambamata Scheme, Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partner firm c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.

(Transferee)

(1) Shri Roshanlal s/o Bherulaji Gelda

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref .No. Raj/AC (Acq.)/606.—Whereas, I M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25A situated at Udaiput

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 748 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-11-79

Scal:

 Shrimati Sushilal Bai w/o Shri Yaswant Singh Mehta Public park Hostel, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partnership firm c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.

(Transferee)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref, No. Raj/AC (Acq.)/603.—Whereas, I M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25A situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 745 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-11-79 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNLER SECTION 2690 () OF THE INCOME TAX ACT, 1981 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INCLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAY ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acg.).—Whereas, I M. R. AGGAPNIAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereing the referred to as the fenicl Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value excreding Rs. 25,000/and bearing

No. Show room situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule ennexed hereto) has been transferred under the Registerion Act, 1908 (15 of 1908), in the office of the Registerino Officer at Jaipur on 8-3-79

fci an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Prem Bei w/o Shri Surajmalji Navakha Kundi Gara ke Bheiru ka Rasia Chowkari Ghat Gats, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Tagdish Pd. Jalpuria & Shri Sushil Kanar Jaipuria sons of Shri Gokul Chand B-9 Shiv Marg, Bani Park, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter NAA in the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show room situated at S.M.S. Hihghway Opposite Prem Prakash Cinema Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 499 dt. 8-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-11-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Partamend s/o Shri Mohanlal Chak 3-E Chotti, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Kalu Ram s/o Shri Nathuram Chak 3-E Chotti, Sriganganagar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Eaj/AC (Acq.)—Whrreas, I M. R. AGGAPWAL

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovaon open a loving a fair market value exceeding Rs. 85,000 4 and bearing

No. - cituated at 3-E Chhoti Sriganganagar

and the fully described in the Schedule annexed hereto), has been hannieured under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). In the office of the Registering Officer at Schoolingary on 3-3-79

to an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the fair that the ket value of the property we aforest in the apparent consideration therefor by more than the last set of the apparent consideration therefor by more than the last set of the apparent consideration the steel and they the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by its transferrer for the our pose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Casetre of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Inc.
Ax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-11-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)---Whereas, I M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 2,5000/- and bearing

No. - situated at Hanumangarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 16-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwandas s/o Shri Nirjuram Sharma Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chand 5/0 Shri Maldas Advocate Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricutural land measuring 3 bigha and 16 biswas situated at 15 HMH Hanumangarh Distt. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Hanumangarh vide registration No. 357 dt. 16-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-11-79

(1) Shri Sarwan Kumar s/o Shrl Bhagwandas Sharma R/o Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar. (Transferor)

(2) Shri Ram Chand s/o Shri Maldas Advocate Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)—Whereas, J M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. - situated at Hanumangarh

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 16-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bighas and situated at 15 HMH Hanumangarh Distt. Sriganganagar and more tully described in the sale deed registered by S.R. Hanumangarh vide registation No. 358 dt. 16-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Date: 9-11-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 4th October 1979

Ref. No. ARII/2760/78-79.—Whereas I, P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 2507 of the 'acome-tex Act. 1961 (43 of 1961) 'contaction referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Ro. 25,000 /- and bearing Survey No NA 541 part of 232 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1998 (15 of 1908) in the office of the Positiering Officer at Rembey on 6-3-1979, Document No. R. 3871/72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act .957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Prabhakar Ramuchandra Petkar.

(Transferor)

- (2) Thri R. K. Patkar Co-on. Housing Society Ltd. (Transferee)
 - Mr. Tribhuven Chun'lel Gandhy.
 Mr. Shichikumar Goral Wagh.
 Mis. Sulochana Dembackar Foshi
 - 3. Mrs. Sulcohana Demanakar Foshi
 4. Dr. Surendra Mohan Ethanagar.
 5. Mr. Indulal Ranchoddas Mody
 6. Mrs. Shaila Gensh Vaidya
 7. Mr. Inkohana Subramanyam Aiyer.
 8. Mr. Ventra Rejarem Semant.
 9. Mrs. Shaila Gensl Toware.
 10. Dr. Eddy Shailawas Veleskar.
 11. Mrs. Shaila Jayman Vellore.

 - 10

 - 9. Mrs. Sharada Laxman Yellore.
 12. Mrs. Sharada Laxman Yellore.
 12. Mrs. Lilabai Gannat Upponi.
 13. Mr. Keshinath Tukaram Pandit.
 14. Mr. Keshinath Tukaram Pandit.
 15. Mrs. Kemei bel Keshinath Pandi.
 16. Mr. Chan them Keshinath Pand.
 17. Mr. Probhakar Pomthandra Patkar.
 18. Mr. Gaianan Mukund Desai.
 19. Mr. Gaianan Mukund Desai.
 19. Mr. Gaianan Mukund Desai.
 19. Mr. Satharam Genesh Manage
 20. Mr. Kishare Pranvallabh Mehta.
 21. Mr. Sathkatt Vyon'taresh Chowkhulkar.
 22. Mrs. Pranopna Vasantrao Deshmukh
 23. Mrs. Coci Clampok Mahta
 24. 14 a Surekha Avinach Rege.
 25. Ida. Vitha Mattil
 26. Mr. P. Vitha Galamath.
 27. Mr. T. Walawalkar.
 28. Mahableshwar Marjappa Teleng.

 - 28. Mahablechwar Morjanya Teleng.

(Person in occuration of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property airs, he made in writing to the undereigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule or mentioned in the Registered Deed No. R-3871/ 72 Form and Registered on 6-3-1979 with the Sub Registrar Bembay.

> P. L. ROONGTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 4-10-1979.

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT 1961 43 CF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

EOMBAY

Bombay the 4th November 1979

Ref. No. ARII/2767-3/78.—Whereas I, P. L. RUONGTA, being the Competent Authority and a Section 1193 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have maken to believe upit the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. S. No. 26 Hiss No. 2 C.S No. 634 situated at Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1903 (16 of 1908) in the Office of the Pegistering Officer at Bombay on 26-3-1979 decument No. S-906/75.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Rajendraprasad N. Agarwal Laxmikant B. Poddar Jayantilal V. Sanghavi Smt. Usha R. Agarwal.

(Transferor)

(2) Malad Bharat Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

1. Smt. V. J. Soni 2. M/s Powerlite

2. Mrs. Fowering 3. Smt. S. D. Shah 4. Shri J. R. Mehta 4. Shri N. V. Shah 6.Shri M. V. Shah 7. Shri J. H. Bakhai

Shri B. D. Parikh Shri E. Kotian 8.

10. Shri P. M. Shah 11. Shri V. W. Apte

12. Shri A. S. Murthy
13. Smt. V. M. Shah
14. Smt. C. M. Oarekh
15. Shri K. R. Shah
16. Shri M. R. Shah

17. Smt. S. J. Kothari

18. Shri A. J. Dhruv 19. Smt. P. R. Asharpota 20. Smt. P. N. Naidu

21. Smt. R. J. Gandhi

Shri R. J. Shah
 Smt. V. C. Bhatia
 Smt. R. V. Doshi

25. Smt. B. R. Sharma 26. Shri D. J. Oza 27. Smt. K. R. Bhatt

28. Shri H. M. Vakil 29. Shri K. V. Vekharia

30. Smt. F. R. Sheaty 31. Shri M. B. Joshi

32. Smt. D. S. Tank 33. Shri C. K. Ingle

Smt. K. J. Mehta Smt. C. S. Vanjara

36. Shri A. M. Dere 37. Smt. V. M. Ratni 38. Shri I. D. Shastri

39. Smt. S. S. Sakhale 40. Shri R. M. Thakkar

41. Smt. R. P. Nambiar

43.

Smt. S. G. Sane Smt. V. G. Nair Shri M. N. Chitre 44.

45.

Smt. H. M. Mehta Smt. V. I. Raizada 47.

Smt. R. R. Shah Smt. K. G. Sharma

Smt. B. N. Bhatia

Shri R. R. Mohite

Shri R. S. Ghelani Smt. K. J. Phatia

53. Shri B. S. Patel

Smt. S. H. Bhatia Smt. V. J. Kayal

Shri R. H. Kandhari Shri M. P. Motivaras 56.

57

58. Shri K. A. Mistry 59. Smt. R. S. Mehta

60. Shri J. Sehgal

61. Shri M. R. Gohil

62. Smt. Rama Menon 63. Dr. A. B. Mehta

(Person in occupation of the property)

(4) --do---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official. Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectiv persons, whichever period expires later.
- other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S 906/75/ Bom and Registered on 26-3-79 with the Sub Registrar Bombay.

P. L. ROONGTA ·

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Bombay.

Date: 4-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 21st November 1979

Ref. No. AR-IJ/2847-20/Mar.79.—Whereas I, P. L. ROONGTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. F/1045 T.P.S. No. IV Plot No. 45 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bandra on 25-3-1979 Document No. 729/1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent value of the property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Bhawanishankar Diwakar Kulkarni

(Transferont)

(2) Ayesha Khatoon W/o Gulam Hassan

(Transferee)

(3) Gospel Literature Society East India Leather Industries Munirali Shivji Reserve Bank of India Ion Exchange India Ltd. Sunditta Foods & Fibres Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed no 729/1919/Bandra and registered on 25-3-79 with the Joint Sub Registrar IV, Bandra.

P. L. ROONGTA
Competent Authority,
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 21-11-1979.